दैनिक
# बुलन्द मंज़िल
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

PRGI NO. - UPBIL/25/A4797

उ.प्र. के जनपद सम्भल से प्रकाशित...
बरेली मण्डल व मुरादाबाद मण्डल के जनपद अमरोहा, रामपुर, बिजनौर से प्रसारित...

वर्ष : 01 | अंक : 128 | संभल, सोमवार 20 अप्रैल 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य: 05/-रू.

पेज :- 03-रफ्तार का कहर : ड्यूटी से लौट रहे बिजलीकर्मी की...

पेज :- 04- न्यू सत्यम अकादमी में विद्यार्थियों द्वारा भव्य स्कूल ....

## सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री तो बन गए हैं, लेकिन उन्हें इस बिल की समझ ही नहीं है: तेजस्वी यादव

**नीतीश कुमार पर क्या आरोप लगाया**

आगामी 24 अप्रैल को होने वाले फ्लोर टेस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए तेजस्वी यादव ने इसे महज औपचारिकता बताया। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने अपने ही सिद्धांतों से समझौता किया है, जिसका परिणाम राज्य में बढ़ते अपराध और भ्रष्टाचार के रूप में सामने आ रहा है। बिहार में अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर है और बड़ी वित्तीय अनियमितताओं के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है।

**भाजपा पर निशाना साधते हुए क्या कहा?**

भाजपा पर निशाना साधते हुए राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि इनकी सोच महिलाओं के प्रति क्या है, यह सभी जानते हैं। तेजस्वी यादव ने साफ कहा कि हमारी पार्टी महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं है। हम तो कहते हैं कि महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जाए और उसमें भी ओबीसी महिलाओं को अलग से हिस्सा मिले।

**पटना।** बिहार में महिला आरक्षण बिल पर सियासी घमासान जारी है। रविवार दोपहर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर तंज कसते हुए कहा कि वह मुख्यमंत्री तो बन गए हैं, लेकिन उन्हें इस बिल की समझ ही नहीं है। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि महिला आरक्षण के नाम पर सत्ता पक्ष परिसीमन के जरिए राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि तीन साल पहले ही यह बिल पास हो चुका था, तो फिर इसे लागू क्यों नहीं किया गया? राष्ट्रपति से हस्ताक्षर क्यों नहीं कराए गए। तेजस्वी ने मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि राज्य सरकार स्वतंत्र रूप से काम नहीं कर रही है। अब सरकार को दिल्ली से चलाया जा रहा है। पीएमओ से अधिकारी आकर फैसले करेंगे और वही होगा जो ऊपर से तय होगा।

## लालू-कांग्रेस से सवाल पूछेगा बिहार; एनडीए की अगली तैयारी बताई: मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

**पटना।** मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नाम-उम्र पर जहां तेजस्वी यादव से लेकर प्रशांत किशोर तक हमलावर हैं, वहीं उनके पुराने वीडियो वायरल किए जा रहे हैं। इस बीच शनिवार की रात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के नाम संदेश में महिलाओं से संबंधित संविधान संशोधन को लेकर अपना दुःख व्यक्त किया। रविवार को उन्होंने भाजपा कार्यालय स्थित अटल सभागार में प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि सम्राट चौधरी ने कहा कि लालू प्रसाद यादव और उनकी पार्टी ने महिला आरक्षण के खिलाफ अपनी मंशा जाहिर कर दी। मंडल कमीशन की सिफारिशें लागू करने में भाजपा ने आगे आकर सहयोग किया था। हमें गर्व है कि महिला बिल भी पारित हमने किया। बिहार में महिलाओं को एनडीए सरकार ने ही 50 प्रतिशत आरक्षण दिया। महिलाओं के खिलाफ विपक्ष ने कल जो किया, उसका जवाब मांगेगा बिहार। समाजवादी पार्टी में अखिलेश यादव की पत्नी चुनाव जीत सकती हैं, लेकिन वहां से 40 सांसद महिलाएं जाएं, इसे होने से रोका गया। सीएम सम्राट चौधरी ने यह भी बताया कि इस बिल का बिहार विधानसभा पर कैसा प्रभाव पड़ता। उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा में मात्र 29 महिलाएं विधायक हैं। यदि यह बिल पारित हो जाता तो कम-से-कम 122 विधायक महिलाएं होतीं। उससे अधिक भी हो सकती हैं, क्योंकि बिहार ने महिलाओं को आगे बढ़ाने में बहुत पहले ही प्रयोग कर दिखाया है। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं को बिहार में आगे बढ़ने का काम किया। बिहार में जब एनडीए की सरकार बनी तो राज्य के नगर निकाय और पंचायती राज में 50% आरक्षण दिया गया। बिहार में 50% आरक्षण है, लेकिन गर्व की बात है कि राज्य में 59 प्रतिशत से अधिक महिलाएं चुनाव जीतकर आ रही हैं। यदि यह बिल पारित हो गया होता तो देश में 543 सांसद की जगह पर 816 सांसद होते। इन 816 में से 272 सांसद महिलाएं होती तो स्त्री-शक्ति का एहसास और बेहतर तरीके से होता।

**लालू पर क्या आरोप लगाया सम्राट ने।**

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा- "लोकतंत्र के इतिहास में यह पहली घटना थी, जब कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके और समाजवादी पार्टी जैसे दलों ने खुशियां मनाई। दुनिया ने पहले भी देखा है कि लालू प्रसाद यादव संसद में बिल फड़वाने का काम करते थे। इस बार तो खुल्लम-खुल्ला इन लोगों ने अपनी मंशा दिखाई। अपने घर की बेटी तो सांसद बन जाए, लेकिन दूसरे की बेटी-बहन या परिवार की महिला सदस्य नहीं बने; यही चिंता है। राहुल गांधी की बहन सांसद बन सकती है, लेकिन उत्तर प्रदेश से एक तिहाई सीटों पर बहनें चुनाव जीत कर पहुंचें, यह कांग्रेस नहीं मान सकती है।

## ईडी का शिकंजा : ED ने आई-पैक के ऋषि राज सिंह को भेजा समन, हवाला लेन-देन मामले में सोमवार को होगी पूछताछ

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राजनीतिक कंसल्टेंसी फर्म इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पैक) के डायरेक्टर ऋषि राज सिंह को हवाला लेन-देन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में 20 अप्रैल को पूछताछ के लिए समन भेजा है। 2015 में बनी यह कंपनी कई राजनीतिक संगठनों को सलाह देती रही है, जिनमें दो चुनावी राज्यों तृणमूल कांग्रेस (पश्चिम बंगाल) और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (तमिलनाडु) में सत्ता में काबिज पार्टियां भी शामिल हैं। इसके तीन संस्थापक निदेशक हैं, जिनमें सिंह, विनेश चंदेल (जिन्हें ईडी ने हाल ही में गिरफ्तार किया है) और प्रतीक जैन शामिल हैं।

कल ईडी कार्यालय में होंगे पेश

अधिकारियों ने बताया कि सिंह को 20 अप्रैल को दिल्ली स्थित ईडी के दफ्तर में पेश होने के लिए कहा गया है। उनसे राजनीतिक दलों और अन्य संस्थाओं से मिले पैसों के कथित हवाला लेन-देन से जुड़े मामले में पूछताछ की जाएगी। उन्होंने बताया कि जब सिंह पेश होंगे, तो उनका बयान मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम के तहत दर्ज किया जाएगा।

खातों में हेराफेरी का आरोप

इस जांच के तहत, ईडी ने 2 अप्रैल को बंगलूरू में सिंह के ठिकानों पर छापा मारा था। केंद्रीय जांच एजेंसी ने इस मामले में 13 अप्रैल को दिल्ली में पूछताछ के बाद विनेश चंदेल को गिरफ्तार किया था। वह फिलहाल ईडी की हिरासत में हैं।

यह जांच दिल्ली पुलिस की एक प्राथमिकी से शुरू हुई थी। यह प्राथमिकी इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी के खिलाफ खातों में हेराफेरी और सिंह, चंदेल और जैन जैसे निदेशकों के जरिए बेहिसाब पैसों के लेन-देन के आरोपों पर दर्ज की गई थी।

ईडी ने पहले कहा था कि उसे इस कंपनी द्वारा कथित वित्तीय अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग के कई मामलों का पता चला है। इनमें हिसाब में दर्ज और बेहिसाब पैसों की प्राप्ति, बिना किसी कारोबारी साख के असुरक्षित ऋण लेना, फर्जी बिल और इनवॉइस जारी करना, तीसरे पक्षों से पैसे लेना और हवाला चैनलों के जरिए नकदी का लेन-देन शामिल है। एजेंसी ने दावा किया कि यह कंपनी करीब 50 करोड़ रुपये के अपराध से कमाए गए पैसों की मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल थी। अधिकारियों ने बताया कि यह मामला कोयला घोटाले की जांच से जुड़ा हुआ है। कोयला घोटाला मामले में 8 जनवरी को ईडी ने जैन के ठिकानों और कोलकाता में कंपनी के दफ्तर पर छापा मारा था। इस कार्रवाई पर तब विवाद खड़ा हो गया, जब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इन ठिकानों पर पहुंचीं और कुछ दस्तावेज अपने साथ ले गईं; उनका दावा था कि ईडी चुनाव की रणनीति से जुड़े दस्तावेज ले जाने की कोशिश कर रही थी। ईडी ने कलकत्ता हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री ने अपनी शक्तियों का घोर दुरुपयोग किया है।

## सरकार ने महिला आरक्षण विधेयक पर जारी किए FAQs, विपक्ष को घेरने की तैयारी शुरू

**नई दिल्ली।** लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़े संविधान संशोधन बिल के पास न हो पाने के बाद सरकार ने रविवार को इससे जुड़े कई सवालों पर अपनी स्थिति स्पष्ट की। सरकार ने FAQs के जरिए बताया कि महिलाओं को 33% आरक्षण कब और कैसे दिया जा सकता है, साथ ही परिसीमन और सीटें बढ़ाने को लेकर उठे विवादों पर भी जवाब दिया। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के तहत महिलाओं को आरक्षण लागू करने के लिए जनगणना और उसके बाद परिसीमन जरूरी बताया गया था। अगर सरकार जनगणना और परिसीमन का इंतजार करती, तो 2029 के चुनाव तक भी महिलाओं को 33% आरक्षण का लाभ नहीं मिल पाता, क्योंकि यह प्रक्रिया लंबी होती है। इसलिए समय पर महिलाओं को लाभ देने के लिए इस शर्त को अलग करने की जरूरत समझी गई। परिसीमन का मतलब होता है निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं तय करना। महिलाओं को आरक्षण देने के लिए यह जरूरी है। 1976 में लोकसभा सीटों की अधिकतम सीमा 550 तय की गई थी, जब देश की आबादी 54 करोड़ थी। अब आबादी करीब 140 करोड़ हो गई है, इसलिए प्रतिनिधित्व संतुलित करने के लिए सीटें बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव दिया गया। सरकार के अनुसार परिसीमन आयोग के कानून में कोई बदलाव नहीं किया गया है। आयोग की सिफारिशें संसद और राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद ही लागू होंगी। 2029 तक होने वाले सभी चुनाव मौजूदा व्यवस्था के अनुसार ही होंगे, इसलिए तमिलनाडु या पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों के चुनाव पर इसका कोई असर नहीं पड़ता।

## द केरल स्टोरी 2 जैसी तीन बिहारी लड़कियां; एक जिले की नाबालिग लड़कियों के साथ जो हुआ, वह चेतावनी

**दरभंगा (एजेंसी)।** एक ने धर्म नहीं कबूला। प्रेम जाल में फंसाने वाले प्रेमी के घर तीन महीने बाद लटकी मिली। दूसरी गायब हुई तो कथित प्रेमी से घर वालों को धर्म परिवर्तन कराने की धमकी मिली, लेकिन पुलिस उसे पकड़ नहीं सकी। तीसरी को कथित तौर पर स्वाजातीय लड़की ने गायब किया और फिर वह बिकती हुई पश्चिम बंगाल के वेश्यालय तक पहुंच गई। इसकी किस्मत कि पश्चिम बंगाल पुलिस ने छापा मारा तो मिल गई। बिहार की यह तीनों लड़कियां नाबालिग थीं-हैं। यह तीनों सिर्फ एक जिले- दरभंगा का मामला है। वह भी ऐसे मामले जो सामने आ चुके हैं। संसद में महिलाओं के साथ हुई नाइंसाफी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बता चुके और बिहार में एक खास टोपी को इनकार कर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी अपनी आस्था जता चुके; लेकिन 'अमर उजाला' जमीन पर चल रहे खेल को सामने ला रहा है। यह खेल काफी हद तक उसी तरह का है, जो द केरल स्टोरी 2 में फिल्माया गया है। हम पहचान उजागर नहीं कर रहे, लेकिन चेतावनी के लिए पूरी कहानी सामने ला रहे हैं।

**प्रेम स्वीकार कर लिया, मौत नहीं स्वीकार कर पा रहा परिवार**

हकीकत की दास्तान सुनाती पहली कहानी कुछ ऐसी है- पासवान जाति की एक नाबालिग लड़की को दूसरे धर्म के एक युवक ने प्रेम जाल में फांस लिया। समझाया कि तुम्हारे घर में परेशानी है, इसलिए जिंदगी बन जाएगी मेरे साथ रहकर। इसी साल जनवरी में लड़की को भगा ले गया वह। पहले डेढ़ महीने गायब रहे दोनों। करीब डेढ़ महीने पहले वह प्रेमी के घर पहुंची। ससुराल मानकर रहने लगी। लड़की के घर वालों ने भी स्वीकार कर लिया कि बेटी जिंदा तो है। पिता के अनुसार, कुछ ही समय बाद धर्म बदलने का दबाव बनाया जाने लगा और फिर एक दिन प्रेमी के घर ही फंदे से लटकी मिली। परिवार न्याय मांग रहा है।

**लड़की को फांसा, परिवार को धमकाया, पुलिस को बेकार बताया**

हकीकत की दूसरी दास्तान कुछ ऐसी है- यादव जाति की एक नाबालिग लड़की को दूसरे धर्म के एक युवक ने पहले बरगलाया और फिर प्यार का झांसा देकर सपने दिखाए।

## दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश का उच्चायुक्त बनाए जाने की चर्चा, अमित मालवीय ने दी 'बधाई'

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल के बैरकपुर से सांसद रहे और पूर्व केंद्रीय मंत्री दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश का अगला उच्चायुक्त बनाए जाने की चर्चा है। भारतीय जनता पार्टी के नेता और आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बधाई दी है। दिनेश त्रिवेदी उच्चायुक्त प्रणय वर्मा की जगह ले सकते हैं। वहीं प्रणय वर्मा को यूरोपीयन यूनियन में भारत का राजदूत बनाकर ब्रसेल्स भेजा जा रहा है। सरकार के इस फैसले को भारत-बांग्लादेश संबंधों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि सरकार की ओर से त्रिवेदी की नियुक्ति को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। दिनेश त्रिवेदी की नियुक्ति को लेकर भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय और भाजपा सांसद राजू बिस्ट ने ट्वीट कर बधाई दी है। अमित मालवीय ने एक्स पर लिखा, वरिष्ठ भाजपा नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री और बैरकपुर के सांसद दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश में भारत का उच्चायुक्त नियुक्त किए जाने पर बधाई। वहीं दार्जिलिंग से भाजपा के सांसद राजू बिस्ट ने एक्स पर लिखा, वरिष्ठ भाजपा नेता दिनेश त्रिवेदी जी को बांग्लादेश में भारत के अगले राजदूत के रूप में नियुक्त होने पर हार्दिक बधाई। त्रिवेदी जी एक अनुभवी नेता हैं, जिन्हें रेल मंत्री और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री के रूप में काम करने का व्यापक अनुभव प्राप्त है। उनकी यह नियुक्ति ऐसे महत्वपूर्ण समय पर हुई है, जब भारत और बांग्लादेश अपने द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने और मजबूत करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। इस महत्वपूर्ण राजनयिक दायित्व के लिए आपको मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। आशा है कि आपका कार्यकाल हमारे दोनों राष्ट्रों के बीच मित्रता, सहयोग और आपसी समृद्धि के संबंधों को और अधिक गहरा करेगा।

**कौन हैं दिनेश त्रिवेदी**

*यूपीए सरकार के दौर में दिनेश त्रिवेदी ने रेल मंत्री के अलावा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री की जिम्मेदारी भी निभाई। वर्ष 2012 में रेल बजट में यात्री किराया बढ़ाने के प्रस्ताव पर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था। इस फैसले का ममता बनर्जी ने कड़ा विरोध किया और आखिरकार त्रिवेदी को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। बाद में टीएमसी के कोटे से मुकुल रॉय को रेल मंत्री बनाया गया था।*

दिनेश त्रिवेदी ने 12 फरवरी 2021 को टीएमसी से इस्तीफा दिया और अगले महीने 6 मार्च 2021 को बीजेपी का दामन थाम लिया था। त्रिवेदी पश्चिम बंगाल की बैरकपुर लोकसभा सीट से 2009 से 2019 तक सांसद रहे। इसके अलावा, वे 1990-96 और 2002-08 के दौरान राज्यसभा सांसद भी रह चुके हैं। 75 पार त्रिवेदी काफी अनुभवी राजनेता रहे हैं। त्रिवेदी करियर डिप्लोमैट प्रणय वर्मा की जगह लेंगे। त्रिवेदी की चर्चा ऐसे समय में हो रही है जब भारत और बांग्लादेश मोहम्मद यूनुस प्रकरण के बाद अपने संबंधों को सुधारने के प्रयास में लगे हुए हैं। दोनों देशों के संबंध तब खराब हुए थे, जब देशभर में चले आंदोलन के बाद तख्तापलट हुआ और तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से हटा दिया गया था। अमेरिका समर्थित यूनुस के कार्यकाल के दौरान भारत और बांग्लादेश के संबंधों में तल्खी स्पष्ट तौर पर दिखी थी। हाल ही में बांग्लादेश में संसदीय चुनाव हुए जिसमें बीएनपी के तारिक रहमान प्रधानमंत्री चुने गए। उनके आने के बाद भारत-बांग्लादेश संबंधों में सुधार के संकेत साफ दिखे हैं।

# संपादकीय

## नोएडा-ग्रेटर नोएडा में न्यूनतम मजदूरी संशोधन : विकास मॉडल की असली परीक्षा

नोएडा और ग्रेटर नोएडा जैसे तेजी से विकसित होते औद्योगिक और शहरी क्षेत्रों में हालिया घटनाक्रम के बाद उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा न्यूनतम मजदूरी दरों में संशोधन का निर्णय केवल एक प्रशासनिक कदम नहीं, बल्कि राज्य के विकास मॉडल की दिशा और संवेदनशीलता की गंभीर परीक्षा है। राज्यपाल की मंजूरी के साथ नई मजदूरी दरों का लागू होना यह संकेत देता है कि सरकार ने श्रमिकों की लंबे समय से उठ रही मांगों और हाल के असंतोष को गंभीरता से लिया है। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह निर्णय वास्तविक बदलाव की शुरूआत है या केवल तात्कालिक दबाव में उठाया गया कदम?

नोएडा और ग्रेटर नोएडा देश के उन क्षेत्रों में शामिल हैं, जहां औद्योगिक निवेश, रियल एस्टेट विकास और रोजगार के अवसर तेजी से बढ़े हैं। देश-विदेश की बड़ी कंपनियों का यहां जमावड़ा है, लेकिन इसी चमक के पीछे श्रमिकों की एक बड़ी आबादी ऐसी भी है जो न्यूनतम मजदूरी, अस्थायी रोजगार, असुरक्षित कार्य परिस्थितियों और सामाजिक सुरक्षा के अभाव जैसी समस्याओं से जूझ रही है। हाल के दिनों में श्रमिकों द्वारा उठाई गई आवाजें, विरोध प्रदर्शन और विभिन्न संगठनों की सक्रियता ने इस मुद्दे को केंद्र में ला खड़ा किया।

सरकार द्वारा न्यूनतम मजदूरी दरों में संशोधन का निर्णय ऐसे समय आया है जब महंगाई लगातार बढ़ रही है और श्रमिकों की वास्तविक आय पर उसका सीधा असर पड़ रहा है। यदि नई दरें वास्तव में श्रमिकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तय की गई हैं, तो यह एक सकारात्मक पहल मानी जा सकती है। लेकिन केवल दरों का कागज पर बढ़ना पर्याप्त नहीं है, जब तक कि उनका जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित न हो। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में न्यूनतम मजदूरी कानूनों का पालन कराना हमेशा एक चुनौती रहा है। विशेषकर निजी क्षेत्र में, जहां ठेका प्रणाली और अनौपचारिक रोजगार का बोलबाला है, वहां श्रमिकों को निर्धारित मजदूरी मिलना सुनिश्चित करना आसान नहीं है। ऐसे में सरकार को केवल अधिसूचना जारी करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि एक मजबूत निगरानी तंत्र विकसित करना होगा। श्रम विभाग की सक्रियता, नियमित निरीक्षण और शिकायत निवारण की पारदर्शी व्यवस्था इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। इसके साथ ही, यह भी जरूरी है कि श्रमिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए। अक्सर देखा गया है कि बड़ी संख्या में मजदूरों को यह तक जानकारी नहीं होती कि उन्हें कितनी न्यूनतम मजदूरी मिलनी चाहिए। जागरूकता की कमी का फायदा उठाकर कई नियोक्ता नियमों का उल्लंघन करते हैं। यदि सरकार वास्तव में इस संशोधन को प्रभावी बनाना चाहती है, तो उसे श्रमिकों के बीच सूचना पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाने होंगे।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब देशभर में श्रम सुधारों और श्रमिक अधिकारों को लेकर बहस चल रही है। केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए नए श्रम संहिताओं (लेबर कोड्स) के संदर्भ में भी राज्यों की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। उत्तर प्रदेश का यह कदम इस बात का संकेत हो सकता है कि राज्य सरकारें अब श्रमिकों के मुद्दों पर अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के लिए बाध्य हो रही हैं। हालांकि, यह भी ध्यान रखना होगा कि केवल मजदूरी बढ़ाने से ही श्रमिकों की सभी समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता। स्वास्थ्य सुविधाएं, आवास, सामाजिक सुरक्षा, कार्यस्थल पर सुरक्षा और स्थायी रोजगार जैसे मुद्दे भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। नोएडा और ग्रेटर नोएडा जैसे क्षेत्रों में बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूर काम करते हैं, जिनकी जीवन स्थितियां अक्सर बेहद कठिन होती हैं। यदि सरकार वास्तव में समावेशी विकास की दिशा में आगे बढ़ना चाहती है, तो उसे इन सभी पहलुओं पर एक समग्र नीति बनानी होगी।

### ~ मौलिक चिंतन ~

**दु:ख के बिना सुख फीका लगता है, क्योंकि अंधेरा ही तो है, जो उजाले को अर्थ देता है।**

~~~~~~~~~~

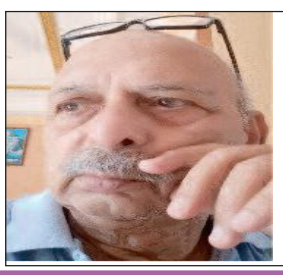

© विनय संकोची

# महिला विधेयक बिल के पास ना होने के कई कारण

संजय गोस्वामी

महिला विधेयक बिल नहीं पास हुआ दरअसल महिलाओ से ज्यादा पुरुष परेशान है क्योंकि उसे घर माता पिता और सभी का ख्याल रखना पड़ता है और स्त्री पुरुष में भेदभाव करना सही नहीं ऐ सभी दलों के लोगों ने सोचा होगा आज बंगाल में चुनाव है इसलिए ऐ बिल 2014 से अब क्यों लाया गया।

मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम है इसलिए वो पुरुष हैं जो पुरुष होते हैं उनका मन चंचल नहीं होता और में इसलिए राम को पुरुषोत्तम कहा जाता है। इसलिए कि यह एक प्रमुख धार्मिक मान्यता है जो हिंदू धर्म में प्रचलित है। पुरुषोत्तम शब्द संस्कृत भाषा से लिया गया है, जिसमें पुरुष का अर्थ होता है मनुष्य और उत्तम का अर्थ होता है श्रेष्ठ या सर्वोत्कृष्ट। इस शब्द का श्री राम के लिए प्रयोग किया जाता है ताकि इससे उनकी परम गुणवत्ता और पूर्णता का संकेत दिया जा सके।श्री राम का जीवन अपने चिंतन और चरित्र से मनुष्य की संपूर्ण गरिमा को चरितार्थ करता है। मनुष्य किस स्तर तक विकसित हो कि उसमें भागवत चेतन प्रकट हो सके। इस प्रश्न का उत्तर श्रीराम के चरित्र में मिलता हैं। देवर्षि नारद ने वालमीकि से पूछा था कि संसार में गुणवान,तेजस्वी,धर्मज्ञ उपकार मानने वाला, सत्यव्रती, दृढ़ प्रतिज्ञ, सदाचार से युक्त, सबका हितैषी ,प्रियदर्शी,जितेंद्रिय,क्रोध और समस्त आवेगों पर नियंत्रण रखने वाला,कीर्तिमान और अनिंद्य कौन है। ऐसा कौन सा पुरूष है जो दूसरों को जीतने की कामना नहीं रखता और स्वयं अजेय है ? महर्षि वाल्मीकि इस प्रश्न के उत्तर में रामचरित सुनाते हैं। राम के राज्य में रमणीयता ही रमणीयता सर्वत्र नजर आती थी। प्रत्येक कार्य यज्ञ की भावना से सम्पन्न होता था। असत्य, अधर्म, अन्याय, अत्याचार, आतंक आदि आसुरी प्रवृत्तियों के लिए कहीं कोई स्थान नहीं था। पारस्परिक प्रेम,सद्भावना और सहयोग से प्रेरित होकर सभी लोग अपने-अपने कार्य अपनी-अपनी योग्यता के अनुसार करते रहते थे। प्रत्येक व्यक्ति सार्वजनिक हित की भावना से ही प्रत्येक कार्य को करने लगता था। किसी को किसी के प्रति कोई शिकायत नहीं होती थी और न किसी के मन में किसी के प्रति द्वेष था। सभी लोग राम का नाम लेकर रामराज्य का गुणगान करते हैं और हृदय से चाहते थे कि यह राज्य अनंत काल तक चलता रहे। इसीलिए राम किसी एक युग का या जग का नहीं बल्कि विश्व का है। वे शासक नहीं परिपालक हैं। राम और हिन्दुस्तान का जनमानस दोनों एक दूसरे के पर्यायवाची बन गए हैं। श्रीराम का चरित्र भारतीय संस्कृति के आदर्शवाद का उज्जवल प्रतीक बन गई है। श्री राम के चरित्र को देखकर कोई भी व्यक्ति या समूह अपना चरित सुधार सकता है। राम आदर्श गृहस्थ हैं ,वनवासी हैं ,राजा भी हैं ,नागरिक भी हैं ,स्तरीय समाज का निर्माण ही उनका उद्देश्य है। श्री राम हिंदू धर्म के एक प्रमुख अवतार माने जाते हैं, जिन्हें पुराणों और एपिक महाकाव्य रामायण में प्रमुखता से वर्णित किया गया है। उन्हें अदार्श पुरुष, धर्मात्मा, न्यायप्रिय, सामरिक कुशल, प्रेमी पति, सदभक्त, धर्म का पालन करने वाले और भक्तों के लिए प्रेरणा स्रोत के रूप में माना जाता है। इसलिए श्री राम को पुरुषोत्तम कहा जाता है।इसलिए जब तक भगवान राम रहेंगे तब तक किसी से भेदभाव नहीं करेंगे, नर और नारी एक समान सब है प्रभु राम की संतान। इसी इस बात से समझ सकते हैं भगवान राम पुरुष के रूप में ही आखिर जन्म क्यों लिए उन्हें अन्त करना था ऐसे रावण को जो अधर्मी था और घमंड और सर्वशक्तिमान समझता था इसलिए भगवान राम को धर्म और मानवता को बचाने के लिए एक लम्बी लड़ाई रावण से लड़नी थी यदि महिला होते परिवार होता तो महिलाओ को 9 महीने तक गर्भ धारण करना पड़ता जो लड़ाई में बाधा क्या लड़ ही नहीं पाते, यह सच है कि यदि आपके देश में अचानक कोई युद्ध छेड़ देता है और उस वक़्त महिला सैनिक यदि गर्भवती हो तो युद्ध कैसे करेगी, आजकल इसी समस्या को देखते हुए सरकार ने 2 साल का चाइल्ड केयर लीव मिलता है लेकिन सेना में युद्ध की परिस्थिति में गर्भवती हो तो युद्ध में शामिल नहीं हो सकती है इसलिए नारी में ममता होता है और अपने बच्चे को सही तरीके से पालन पोषण चाहिए इसलिए बिल ना पास के इस मुद्दे को लोकसभा से चुने गए सांसद को महिला विरोधी नहीं कहा जा सकता लोकतान्त्रिक व्यवस्था ही देश की दिशा तय करती है इसपर निराश भी नहीं होने की जरुरत है आप यदि जानकार होंगे विद्वान होंगे तो आपको लोग आज शिक्षा के व्यवसाय में नौकरी से ज्यादा इनकम होगा और जब चाहे आप छुट्टी ले ले और ऑनलाइन क्लास चालू करें लेकिन एक बात का हमेशा ध्यान देना शादी के बाद अपने सास ससुर की सेवा करना इससे अच्छा संस्कार मिलेगा और चुगली शिकायत से बचेगे क्योंकि बूढ़े लोग बेटा पर आश्रित होते हैं जब बेटा की पत्नी ही उसके माँ बाप की कद्र ना करें तो परिवार टूटेगा और संस्कार नष्ट होगा जो बहुत मुश्किल से मिलता है।

# 'वात्सल्य पीठ': करुणा, साधना और आत्मोन्नति का दिव्य तीर्थ

ललित गर्ग

दिल्ली जैसे महानगर की आपाधापी, भागदौड़ और संवेदनहीनता के बीच यदि कोई ऐसा स्थान निर्मित हो, जहाँ पहुंचते ही मन शांत हो जाए, आत्मा को विश्राम मिले और जीवन को एक नई दिशा का बोध हो, तो निश्चय ही वह स्थान साधारण नहीं, बल्कि दिव्यता का स्पंदित केन्द्र होता है। 'वात्सल्य पीठ' ऐसा ही एक अनुपम आध्यात्मिक तीर्थ बनकर उभरा है, जो शासनमाता साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी की स्मृतियों को संजोए हुए न केवल तेरापंथ धर्मसंघ के अनुयायियों के लिए, बल्कि समस्त मानवता के लिए शांति, साधना और आत्मिक उन्नति का केन्द्र बनने जा रहा है। 19 अप्रैल 2026 को इसके उद्घाटन का पावन अवसर केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक युगीन चेतना के जागरण एवं आध्यात्मिक अनुभवों का प्रतीक है। यह वही पावन भूमि है, जहाँ साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी ने अपने तप, त्याग और आत्म-साधना के अनेक अमूल्य क्षण व्यतीत किए एवं यह वही सिद्ध भूमि है जहां उन्होंने देह से विदेह होने की यानी निर्वाण यात्रा की है और इसी भूमि पर उनका दाह-संस्कार हुआ। आज वही भूमि 'वात्सल्य पीठ' के रूप में एक ऐसे जीवंत तीर्थ में परिवर्तित हो चुकी है, जहाँ हर कण में वात्सल्य की मधुरता और साधना की गंभीरता अनुभव की जा सकती है। यहाँ का वातावरण मानो स्वयं बोलता है, यहाँ शांति केवल शब्द नहीं, बल्कि अनुभूति है, यहाँ अध्यात्म केवल विचार नहीं, बल्कि जीवन का साक्षात स्पर्श है। इस स्थल पर पहुंचकर ऐसा लगता है कि जीवन की समस्त अशांति, व्याकुलता और तनाव धीरे-धीरे विलीन हो रहे हैं और आत्मा अपने वास्तविक स्वरूप की ओर लौट रही है।

'वात्सल्य पीठ' की संरचना और सज्जा भी अपने आप में अत्यंत अद्वितीय और आकर्षक है। इसकी वास्तुकला में आधुनिकता और आध्यात्मिकता का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है। खुले आकाश की ओर उन्मुख इसकी रचना, प्राकृतिक प्रकाश के लिए बनाए गए स्काईलाइट्स, स्वच्छ वायु के संचार के लिए संतुलित वेंटिलेशन, और सादगी में निहित गरिमामयी भव्यता-ये सभी तत्व इसे एक सजीव ध्यान-स्थली का रूप प्रदान करते हैं। यहाँ की प्रत्येक दीवार, प्रत्येक मार्ग और प्रत्येक कोना जैसे एक मौन संदेश देता है कि जीवन का उद्देश्य बाहरी चकाचौंध में नहीं, बल्कि आंतरिक प्रकाश की खोज में है। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' का शाश्वत मंत्र यहाँ की संरचना में साकार रूप से अनुभव किया जा सकता है। इसकी सज्जा कृत्रिम आडंबर से दूर, सहज और सात्विक है, जो साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा के व्यक्तित्व की ही तरह निर्मल, शांत और प्रभावशाली प्रतीत होती है।

साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा का व्यक्तित्व अपने आप में एक विलक्षण प्रेरणा है। वे केवल एक साध्वी नहीं थीं, बल्कि वात्सल्य की मूर्ति, ज्ञान की गंगा और सृजन की सजीव सरस्वती थीं। अल्पायु में ही आचार्य तुलसी के सान्निध्य में दीक्षित होकर उन्होंने अपने जीवन को साधना, सेवा और सृजन के लिए समर्पित कर दिया। मात्र 17 वर्ष की आयु में उन्होंने जिस आध्यात्मिक पथ का वरण किया, वह आगे चलकर एक विराट साध्वी संघ के संचालन और मार्गदर्शन तक पहुँचा। लगभग सात सौ से अधिक साध्वियों के विशाल परिवार का नेतृत्व करना अपने आप में एक अद्भुत उपलब्धि है और यह तब और भी विशिष्ट हो जाता है जब उसमें अनुशासन के साथ-साथ वात्सल्य और संवेदना का संतुलन भी बना रहे। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि नारी केवल करुणा और ममता की प्रतीक नहीं, बल्कि संगठन, नेतृत्व और सृजन की भी अद्वितीय शक्ति है। उनका जीवन एक दीपशिखा की भांति था, जो स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश प्रदान करती रही। उनकी वाणी में ओज, विचारों में गहराई और आचरण में ऐसी पवित्रता थी, जो हर व्यक्ति को प्रभावित और प्रेरित करती थी। वे केवल आध्यात्मिक साधना तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि साहित्य, शिक्षा और सामाजिक चेतना के क्षेत्र में भी उन्होंने उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने अनेक साहित्यिक कृतियों की रचना और संपादन किया तथा आचार्य तुलसी की आत्मकथा 'मेरा जीवन मेरा दर्शन' के संपादन में भी अपनी अद्वितीय प्रतिभा का परिचय दिया। उनकी लेखनी में संवेदनशीलता, अभिव्यक्ति में माधुर्य और चिंतन में गहराई का अद्भुत समन्वय था। वे एक सफल साध्वी, कुशल प्रशासक, प्रभावशाली वक्ता और संवेदनशील कवयित्री के रूप में जानी जाती थीं।

'वात्सल्य पीठ' का निर्माण केवल एक स्मारक के रूप में नहीं किया गया है, बल्कि इसे एक जीवंत आध्यात्मिक केन्द्र के रूप में विकसित किया गया है। यह स्थान आने वाले समय में एक ऐसे तीर्थ के रूप में प्रतिष्ठित होगा, जहाँ न केवल श्रद्धालु, बल्कि जीवन में शांति-दिशा की खोज करने वाला प्रत्येक व्यक्ति आकर्षित होगा। यहाँ आने वाला हर व्यक्ति अपने भीतर एक नई ऊर्जा, एक नई सकारात्मकता और एक नए संकल्प का अनुभव करेगा। यह स्थान व्यक्ति को स्वयं से जोड़ता है और यही जुड़ाव उसे समाज, संस्कृति और मानवता के प्रति अपने दायित्वों का भी बोध कराता है।

शासन माता साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा का संपूर्ण जीवन वात्सल्य की ऐसी निर्मल धारा था, जिसने न केवल तेरापंथ साध्वी संघ को, बल्कि जन-जन के अंतर्मन को भी स्नेह, करुणा और आत्मीयता से आप्लावित किया। उनके व्यक्तित्व में वात्सल्य केवल एक गुण नहीं, बल्कि एक जीवंत चेतना थी, एक ऐसी करुणामयी ऊर्जा, जो हर मिलने वाले को अपनेपन के आलोक में भर देती थी। वे अनुशासन की अधिष्ठात्री होते हुए भी ममता की मूर्ति थीं, उनके सान्निध्य में कठोरता भी कोमलता में बदल जाती थी। उन्होंने सैकड़ों साध्वियों का नेतृत्व केवल व्यवस्था से नहीं, बल्कि माँ की तरह स्नेहिल संरक्षण देकर किया और यही कारण था कि उनके व्यक्तित्व में 'शासन' और 'माता' का अद्भुत संगम साकार हुआ। उनके प्रेम, संवेदना और वात्सल्य की असीम अनुकम्पा से अनगिनत जीवन स्पर्शित, परिवर्तित और आलोकित हुए। इसी वात्सल्य-रस से आप्लावित उनके जीवन की स्मृतियों को सहेजने के लिए 'वात्सल्य पीठ' नाम पूर्णतः सार्थक और उपयुक्त प्रतीत होता है, क्योंकि यह केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि उस दिव्य मातृत्व, उस अनंत करुणा और उस जीवनदायी स्नेह का प्रतीक है, जिसे साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा ने अपने जीवन के प्रत्येक क्षण में जिया और जन-जन तक पहुँचाया।

आज के समय में, जब भौतिकता और प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड़ में मनुष्य अपने भीतर की शांति और संतुलन खोता जा रहा है, ऐसे में 'वात्सल्य पीठ' जैसे केन्द्र अत्यंत आवश्यक हो जाते हैं। यह हमें स्मरण कराता है कि

जीवन का वास्तविक सुख बाहरी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि आंतरिक संतुलन और आत्मिक उन्नति में निहित है। साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा जी का जीवन इसी सत्य का सजीव उदाहरण है। उन्होंने अपने जीवन के माध्यम से यह संदेश दिया कि साधना से आत्मा का उत्थान होता है, सेवा से समाज का निर्माण होता है और सृजन से संस्कृति का संवर्धन होता है। 'वात्सल्य पीठ' इसी त्रिवेणी-साधना, सेवा और सृजन का साकार रूप है। यह स्थान न केवल अतीत की गौरवगाथा को संजोए हुए है, बल्कि भविष्य के लिए भी एक प्रेरणास्रोत है। यहाँ की हर ईंट, हर पत्थर और हर संरचना में साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी के जीवन मूल्यों की झलक दिखाई देती है। यह स्थल उनके व्यक्तित्व का प्रतिबिंब ही नहीं, बल्कि उनके विचारों और साधना का जीवंत विस्तार है।

निस्संदेह, आने वाले समय में 'वात्सल्य पीठ' एक ऐसे तीर्थ के रूप में प्रतिष्ठित होगा, जहाँ से शांति, करुणा और आध्यात्मिकता की किरणें चारों ओर फैलेगी। यह स्थान जन-जन को यह प्रेरणा देगा कि जीवन की सच्ची यात्रा बाहर नहीं, भीतर की ओर होती है, और उसी यात्रा में आत्मा को उसका वास्तविक आनंद, शांति और मुक्ति का अनुभव प्राप्त होता है। वास्तव में, 'वात्सल्य पीठ' केवल एक स्थान नहीं, बल्कि एक अनुभूति है-एक ऐसी अनुभूति, जो मन को शांत करती है, आत्मा को जागृत करती है और जीवन को सार्थक बनाती है। यहाँ आकर हर व्यक्ति यही अनुभव करेगा कि जब जीवन में वात्सल्य, करुणा और साधना का संगम होता है, तभी जीवन अपने वास्तविक अर्थ को प्राप्त करता है। यही इस दिव्य स्थल की सबसे बड़ी उपलब्धि और विशेषता है।

'वात्सल्य की छाया में जब आत्मा को विश्राम मिलेगा,
तभी जीवन का हर क्षण प्रभु-स्मरण में धाम मिलेगा।'

# अनंत समृद्धि का दिन है अक्षय तृतीया

रमेश सर्राफ धमोरा

**अक्षय तृतीया को शादी का अबूझ मुहुर्त माना जाता हैं। क्योंकि इस दिन शुभ कार्य करने के लिए मुहूर्त नहीं देखना पड़ता। इसी कारण अक्षय तृतीया को बहुत अधिक शादियां होती हैं। अक्षय तृतीया का पर्व बसंत और ग्रीष्म के संधिकाल का महोत्सव है। इस तिथि में गंगा स्नान, पितरों का तिल व जल से तर्पण और पिंडदान भी पूर्ण विश्वास से किया जाता है जिसका फल भी अक्षय होता है। इस तिथि की गणना युगादि तिथियों में होती है। क्योंकि सतयुग की समाप्ती पर त्रेतायुग का आरंभ इसी तिथि से हुआ है।**

हमारे देश में समय-समय पर बहुत से त्यौहार मनाये जाते हैं। इसलिए हमारे देश को त्योहारों का देश भी कहते है। हिन्दू धर्मावलम्बियों के प्रमुख त्योहारों में से एक अक्षय तृतीया है जिसे हम आखा तीज भी कहते हैं। अक्षय तृतीया देश भर में हिंदुओं द्वारा मनाए जाने वाले सबसे पवित्र और शुभ दिनों में से एक है। माना जाता है कि इस दिन से जो भी कार्य इस शुरू होता है वो हमेशा पूर्ण होता है। यह त्यौहार हर वर्ष वैशाख महीने में शुक्ल पक्ष के तृतीया को आता है। इस वर्ष अक्षय तृतीया 22 अप्रैल को है।

अक्षय तृतीया को शादी का अबूझ मुहुर्त माना जाता हैं। क्योंकि इस दिन शुभ कार्य करने के लिए मुहूर्त नहीं देखना पड़ता। इसी कारण अक्षय तृतीया को बहुत अधिक शादियां होती हैं। अक्षय तृतीया का पर्व बसंत और ग्रीष्म के संधिकाल का महोत्सव है। इस तिथि में गंगा स्नान, पितरों का तिल व जल से तर्पण और पिंडदान भी पूर्ण विश्वास से किया जाता है जिसका फल भी अक्षय होता है। इस तिथि की गणना युगादि तिथियों में होती है। क्योंकि सतयुग की समाप्ती पर त्रेतायुग का आरंभ इसी तिथि से हुआ है।

माना जाता है कि इस दिन भगवान विष्णु ने परशुराम के रूप में जन्म लिया था। इसीलिये इस दिन को परशुराम जयंती के रूप में मनाते हैं। मान्यता है कि आखा तीज के दिन राजा भागीरथ गंगा नदी को पृथ्वी पर लाये थे। अक्षय तृतीया के दिन भगवान विष्णु तथा उनकी धर्मपत्नी लक्ष्मी जी की पूजा की जाती है। आखा तीज के दिन ही देवी अन्नपूर्णा का जन्म भी हुआ था। यह वह दिन था जब भगवान कृष्ण ने अपनी सारी संपत्ति और सौभाग्य अपने गरीब मित्र सुदामा को दे दिया था। अक्षय तृतीया के दिन श्रद्धेय ऋषि वेद व्यास ने महाभारत की रचना शुरू की थी। और पुराणों के अनुसार यह दिन त्रेता युग की शुरूआत का प्रतीक है। जो मानव जाति के चार युगों या युगों में से दूसरा है।

अक्षय तृतीया वैशाख महीने में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। हिंदू शास्त्रों और पुराणों के अनुसार चार युग का चक्र होता है, जिसे सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलियुग के नाम से जाना जाता है। अक्षय तृतीया के दिन सतयुग जिसे इंसान के जीवन का सुनहरा दौर कहा जाता है वो समाप्त हो जाता है और त्रेतायुग शुरू हो जाता है। इसलिए अक्षय तृतीया को युगादि तिथि भी कहा जाता है। हिंदू परिवारों के लिए यह दिन बहुत ज्यादा महत्व रखता है।

अक्षय शब्द का अर्थ होता है कभी न मिटने या कम होने होने वाला। संस्कृत में अक्षय (अक्षय) शब्द का अर्थ समृद्धि, आशा, खुशी, सफलता होता है। जबकि तृतीया का अर्थ है चंद्रमा का तीसरा चरण। इसका नाम हिंदू कैलेंडर में वैसाख के वसंत महीने के तीसरे चंद्र दिवस के नाम पर रखा गया है। इस त्योहार को हम अपनी भाषा में आखातीज नाम से भी जानते हैं। जिसका अर्थ होता है जो कभी खत्म ना होने वाला। इसलिए माना जाता है की यह दिन हमारे लिए वस्तुओं की खरीदारी का सबसे शुभ दिन माना जाता है। अक्षय शब्द का अर्थ होता है जो कभी खत्म न हो। इसी कारण इस दिन किए गए सभी अच्छे कार्यों, जैसे जप, यज्ञ, दान-पुण्य, का पुण्य कभी भी समाप्त नहीं होता। माना जाता है कि अक्षय तृतीया का दिन व्यक्ति को अनंत सुख और समृद्धि की प्राप्ति करता है। इस दिन जितने पुण्य किए जाए उतने हमें हमारे लिए कम है।

जैन धर्म में अक्षय तृतीया एक महत्वपूर्ण तिथि है जिसे दान और पुण्य कार्य करने के लिए विशेष रूप से शुभ माना जाता है। इस दिन भगवान ऋषभदेव (प्रथम तीर्थंकर) ने एक वर्ष की तपस्या के बाद गन्ने के रस से पारणा किया था इसलिए इस दिन को अक्षय तृतीया के रूप में मनाया जाता हैं। अक्षय तृतीया के दिन यूं तो आप किसी भी देवी-देवता की पूजा कर सकते हैं। लेकिन विशेष रूप से इस दिन माता लक्ष्मी, भगवान गणेश और धन के देवता कुबेर की पूजा करने का विधान है। अन्य त्योहारों की तरह इस त्यौहार में भी दीपक जलाते हैं। इस दिन किया गया परोपकार हमारे लिए जीवन को सुखी बना देता हैं। इसीलिए इस दिन लोग गरीबों को भोजन कराते हैं तथा उनकी सहायता करते हैं।

माना जाता है कि इस दिन किए गए पुण्य हमारे लिए स्वर्ग में जगह बनाते हैं। इस दिन कई लोग जागरण रखकर हवन करते हैं तथा गरीबों को दान देते हैं। कई लोग अपने नए घर में मुहूर्त के हिसाब से प्रवेश करते हैं। अक्षय तृतीया का पौराणिक महत्व भी है। मान्यता है कि इसी दिन सतयुग और त्रेता युग का आरंभ हुआ था। द्वापर युग का समापन और महाभारत युद्ध का समापन भी इसी तिथि को हुआ था। देश के अनेक हिस्सों में इस तिथि का अलग-अलग महत्व है। जैसे उड़ीसा और पंजाब में इस तिथि को किसानों की समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है। तो बंगाल में इस दिन गणपति और लक्ष्मीजी की पूजा का विधान है।

इतना पवित्र पर्व होने के उपरांत भी इस दिन बड़ी संख्या में होने वाले बाल विवाह इस पर्व के महत्व को कम करते हैं। अबूझ सावा मानकर बड़ी संख्या में लोग अपने नाबालिक बच्चों की इस दिन शादी कर देते हैं। कम उम्र के बच्चों के विवाह रोकने के लिए इस दिन प्रशासन को विशेष इंतजाम करने पड़ते हैं। राजस्थान सहित कई प्रदेशों में तो अक्षय तृतीया का दिन बाल विवाह के लिए बदनाम हो चुका है। विकास के दौर में बाल विवाह एक नासूर के समान है। देश में हर व्यक्ति को शिक्षित करने की मुहिम चल रही है। हर व्यक्ति को उत्तम स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में बाल विवाह होना समाज के माथे पर एक कलंक के समान है।

देश में अक्षय तृतीया (आखा तीज) पर हर वर्ष हजारों की संख्या में बाल विवाह किए जाते हैं। तमाम प्रयासों के बाबजूद हमारे देश में बाल विवाह जैसी कुप्रथा का अन्त नही हो पा रहा है। भारत में बेटी-बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे अभियान के शुरू होने के बावजूद एक नाबालिग बेटी की जबर्दस्ती शादी करा दी जा रही है। बाल विवाह मनुष्य जाति के लिए एक अभिशाप है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर जगह बेटी बचावो बेटी पढ़ाओ का नारा देते हैं। देश के सभी प्रदेशों में बेटियां शिक्षित हो रही है। ऐसे में समाज को आगे आकर कम उम्र में लड़कियों के होने वाले बाल विवाह रुकवाने के प्रयास करने होंगे। ऐसे पवित्र दिन का महत्व बनाए रखने के लिए समाज को इस दिन होने वाली कुरीतियों पर रोक लगाकर एक सकारात्मक संदेश देना होगा। तभी सार्थकता बनी रह पाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक ''**गिलेडविन मसीह**'' के लिए ''**बुलंद मंज़िल**'' हिन्दी दैनिक ए.एच. प्रिन्टर्स, सीधी सराय, असालतपुरा मुरादाबाद मे मुद्रित कराकर कार्यालय बुलंद मंज़िल शंकर कॉलेज चौराहा, राजा मार्केट, प्रथम तल, जनपद संभल से वितरित किया गया। इस अंक में प्रकाशित समाचारों में खबरों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी०आर०वी० एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद सम्भल न्यायालय के अधीन होंगे।

**PRGI NO. - UPBIL/25/A4797- Contect No.- 8630704122**
~~~~~~~~~~

# रफ्तार का कहर : ड्यूटी से लौट रहे बिजलीकर्मी की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत

**दैनिक बुलंद मंज़िल**

**नौगांवा सादात।** थाना क्षेत्र में शनिवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बिजली विभाग के कर्मचारी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया, वहीं पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम गजस्थल निवासी रोबिन कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके पिता नरेन्द्र पाल सिंह (लगभग 48 वर्ष), जो उत्तर प्रदेश बिजली विभाग में टीसी-2 के पद पर कार्यरत थे, शनिवार की रात ड्यूटी समाप्त कर अपनी मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। रात करीब 8:40 बजे जब वह कफरपुर से अमरोहा-धनौरा मार्ग पर स्थित ग्राम मुकारी के




पास पहुंचे, तभी सामने से आ रहे एक महिन्द्रा ट्रैक्टर ने तेज गति और लापरवाही से उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि नरेन्द्र पाल सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के बेटे रोबिन की तहरीर पर पुलिस ने ट्रैक्टर चालक कपिल पुत्र रमेश चंद्र निवासी सुजमना थाना बछराऊ के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने और दुर्घटना करने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। इस हादसे से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि उक्त मार्ग पर आए दिन तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण हादसे होते रहते हैं, लेकिन इसके बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं प्रशासन से क्षेत्रीय लोगों ने सड़क सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

# एक रात, दो वारदात—सैद नगली में चोरों का कहर, लाखों का माल समेटकर फरार

**दैनिक बुलंद मंज़िल**

**सैद नगली।** थाना क्षेत्र के सब्दलपुर शर्की गांव में शनिवार की रात चोरों ने ऐसा कहर बरपाया कि एक ही रात में दो घरों को निशाना बनाकर इलाके में दहशत फैला दी। बेखौफ चोरों ने सुनियोजित तरीके से घरों में सेंध लगाई और लाखों रुपये की नगदी व जेवरात समेटकर फरार हो गए। सुबह जब घटना का खुलासा हुआ तो पूरे गांव में हड़कंप मच गया। पहली वारदात नन्हे पुत्र मंगली के घर में हुई, जो दिल्ली में मजदूरी करते है। देर रात अज्ञात चोरों ने कमरे के पीछे नकब लगाकर अंदर प्रवेश किया और घर में रखी सोने की झुमकी, अंगूठी, चांदी की पाजेब, बच्चों के लॉकेट समेत भूसा खरीदने के लिए रखी नगदी





पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित के अनुसार चोरी गए सामान की कीमत करीब एक लाख रुपये आंकी गई है। वहीं दूसरी घटना गांव के ही कपिल पुत्र श्यामलाल के घर में हुई। चोर दीवार फांदकर घर में घुसे, जबकि परिजन बरामदे में सोए हुए थे। चोरों ने कमरे का ताला तोड़कर अंदर रखी 60 से 70 हजार रुपये की नगदी, बच्चों की गुल्लक और सोने-चांदी के आभूषण—जिनमें लॉन्ग, पेंडल, मंगलसूत्र, अंगूठी, पाजेब, कूल्हा और चैन शामिल हैं—चुरा लिए। इस घटना में करीब चार लाख रुपये का नुकसान बताया जा रहा है। लगातार दो घरों में चोरी की घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों में भय का माहौल है और उन्होंने रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। थाना प्रभारी विकास सहरावत ने बताया कि दोनों मामलों की तहरीर प्राप्त हो गई है और पुलिस टीम जांच में जुटी है। संदिग्धों की तलाश के लिए आसपास के क्षेत्रों में छानबीन की जा रही है। एक ही रात में दो बड़ी वारदातों ने यह साफ कर दिया है कि चोरों के हौसले बुलंद हैं, जबकि पुलिस के सामने अब इन घटनाओं का खुलासा कर लोगों में भरोसा बहाल करने की चुनौती है।

# गजरौला पुलिस की कार्रवाई : 5 शांति भंग में गिरफ्तार, दुष्कर्म के आरोपी को भी दबोचा





**दैनिक बुलंद मंज़िल**

**गजरौला।** जनपद में अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना गजरौला पुलिस ने दो अलग-अलग कार्रवाइयों में कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार कर कानून व्यवस्था को मजबूत करने का संदेश दिया है। पहली कार्रवाई में पुलिस ने धारा 170 बीएनएसएस के तहत शांति भंग की आशंका में पांच आरोपियों—इनसार, गालिब हसन, अदनान, शादान हसन और धीरज—को गिरफ्तार किया। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। दूसरी महत्वपूर्ण कार्रवाई में पुलिस ने दुष्कर्म और धमकी जैसे गंभीर आरोपों में वांछित चल रहे आरोपी ओमवीर को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने एक महिला को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया था और शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी थी। इस संबंध में थाना गजरौला में मुकदमा दर्ज किया गया था, जिसके बाद से आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया।

# भगवान परशुराम का प्रकटोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया



**दैनिक बुलंद मंजिल**

**हसनपुर।** नगर के झारखंड महादेव शिवाला मंदिर के समीप स्थित बृजलाल पुरोहित ब्राह्मण धर्मशाला के सत्संग भवन में रविवार को भगवान परशुराम का प्रकटोत्सव श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के तत्वाधान में किया गया, जिसकी अध्यक्षता पंडित विनय कुमार शर्मा ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण और पारंपरिक विधि-विधान के साथ हुआ। पंडित श्री कृष्ण शास्त्री एवं पंडित महेश चंद शास्त्री के सानिध्य में विधिवत हवन पूजन संपन्न कराया गया। मुख्य यजमानों सहित उपस्थित श्रद्धालुओं ने हवन कुंड में आहुतियां देकर विश्व कल्याण, सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। इस अवसर पर वक्ताओं ने भगवान परशुराम के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन अन्याय के विरुद्ध संघर्ष और धर्म की स्थापना का प्रतीक है। उन्होंने समाज को उनके आदर्शों पर चलने और धर्म के मार्ग का अनुसरण करने का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विशाल शर्मा, विवेक शर्मा, सुंदरलाल शर्मा, सुनील कुमार शर्मा एडवोकेट, अश्वनी शर्मा, देवेंद्र शर्मा, महेश चंद्र शर्मा, सुरेश चंद्र शर्मा, प्रवेश शर्मा, मंगल सेन शर्मा, ललित शर्मा, कपिल शर्मा, मोहित शर्मा, शोभित शर्मा और हर्षित शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

# ईको कार और ट्रैक्टर ट्रॉली की भिड़ंत में दिव्यांग युवक घायल

**दैनिक बुलंद मंज़िल**

**रहरा।** शनिवार की शाम अलीगढ़ हसनपुर मार्ग पर गांव दोरारा में अंबेडकर पार्क के पास उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब भात समारोह में जा रही एक ईको कार सामने चल रही ट्रैक्टर ट्रॉली से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ईको गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार एक दिव्यांग युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ईको कार में सवार लोग सम्भल की ओर किसी पारिवारिक कार्यक्रम (भात) में शामिल होने जा रहे थे। जैसे ही वाहन दोरारा स्थित अंबेडकर पार्क के पास पहुंचा, अचानक सामने चल रही ट्रैक्टर ट्रॉली से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया और मौके पर भीड़ जमा हो गई। हादसे में रहरा थाना क्षेत्र के गांव दोरारा निवासी जुगनू, जो दिव्यांग बताए जा रहे हैं, गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की



हादसे में घायल दिव्यांग

मदद से उन्हें तुरंत पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। चिकित्सकों के अनुसार फिलहाल उनकी हालत में सुधार बताया जा रहा है, जिससे परिजनों ने राहत की सांस ली है। दूसरी ओर, हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया।

# सड़कों पर रफ्तार और रौब पर पुलिस का शिकंजा, 613 चालान से मचा हड़कंप

**दैनिक बुलंद मंज़िल/**
**जितेंद्र यादव**

**अमरोहा।** जनपद में यातायात नियमों की अनदेखी अब भारी पड़ने लगी है। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में रविवार को यातायात पुलिस ने सख्त अभियान चलाते हुए सड़कों पर नियम तोड़ने वालों के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया। जिले के प्रमुख चौराहों और तिराहों पर हुई इस कार्रवाई से वाहन चालकों में हड़कंप की स्थिति देखने को मिली। अभियान के दौरान पुलिस ने खास तौर पर उन वाहन चालकों को निशाने पर लिया, जो नियमों को ताक पर रखकर सड़कों पर ह्यरौबह्व दिखा रहे थे। पटाखों जैसी तेज आवाज





करने वाले मॉडिफाइड साइलेंसर, गलत नंबर प्लेट, बिना हेल्मेट, तीन सवारी और वाहनों पर जातिसूचक शब्द लिखने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। पुलिस ने मोटर वाहन अधिनियम के तहत कुल 613 चालान काटे, जिससे नियम तोड़ने वालों में अफरा-तफरी मच गई। वहीं, जोया चौराहे पर नो-पार्किंग में खड़े वाहनों के खिलाफ भी विशेष अभियान चलाया गया और कई वाहनों के चालान किए गए।इसके अलावा मॉडिफाइड साइलेंसर और हूटर लगाने वाले 30 वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई। तेज रफ्तार पर लगाम कसने के लिए स्पीड लेजर गन का इस्तेमाल करते हुए 50 ओवरस्पीड वाहनों के भी चालान किए गए। यातायात पुलिस ने इस दौरान शहर के कई स्थानों से अतिक्रमण भी हटवाया, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रही। अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा, ताकि सड़क हादसों पर अंकुश लगाया जा सके और लोग नियमों का पालन करें।

# जमीन विवाद में फायरिंग, ठेके की जमीन पर कब्जे को लेकर हुआ हमला

**दैनिक बुलंद मंजिल**

**हसनपुर।** कोतवाली क्षेत्र के गांव रझौहा के मजरा झुलपुरी में शनिवार को जमीन विवाद के चलते दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। आरोप है कि विवाद के दौरान एक युवक ने अवैध तमंचे से फायरिंग कर दी, जिसमें एक व्यक्ति का बेटा बाल-बाल बच गया। गोली उसके कान के पास से गुजर गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव हाफिजपुर निवासी राजवती पत्नी परम सिंह ने बताया कि उन्होंने ग्राम पंचायत रझौहा के मजरा झुलपुरी स्थित गाटा संख्या 30/1 में जमीन खरीदी थी। बच्चों के बाहर




पढ़ाई करने के कारण उन्होंने गांव के ही एक युवक को खेती की देखभाल के लिए जमीन ठेके पर दे रखी थी। शुरूआत में युवक ने ठेके की रकम समय पर दी, लेकिन बाद में भुगतान से इनकार करते हुए जमीन पर कब्जा करने की कोशिश करने लगा। बताया गया कि 18 अप्रैल की दोपहर जब परम सिंह खेत पर पहुंचे तो आरोपी पक्ष से उनकी कहासुनी हो गई। सूचना मिलने पर राजवती अपने बेटे के साथ मौके पर पहुंचीं, जहां विवाद बढ़ गया। आरोप है कि इसी दौरान युवक ने अपने परिजनों के साथ मिलकर मारपीट शुरू कर दी और जान से मारने की नीयत से तमंचे से फायर कर दिया। पीड़िता के अनुसार, घटना का वीडियो उनके पास साक्ष्य के रूप में मौजूद है। आरोपियों ने पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी है। इस संबंध में राजवती ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर सख्त कार्रवाई की मांग की है। प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि दोनों पक्षों को कोतवाली बुलाया गया है और मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

# शॉर्ट सर्किट से मजदूर के घर में लगी आग नगदी समेत हजारों का सामान जलकर हुआ राख

**दैनिक बुलंद मंज़िल**

**आदमपुर।** थाना क्षेत्र के गांव पाडली में शनिवार शाम एक दर्दनाक हादसे ने गरीब मजदूर के परिवार को गहरे संकट में डाल दिया। शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग में मजदूर के घर का सारा सामान जलकर राख हो गया। घटना के बाद पीड़ित परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। गांव निवासी नन्हे पुत्र गोविंद, जो मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं, शनिवार को अपने परिवार के साथ गेहूं की कटाई के लिए खेत पर गए हुए थे। इसी दौरान उनके घर में अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर



लिया और पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना गांव के लोगों ने फोन के माध्यम से नन्हे को दी। जब तक वह मौके पर पहुंचे, तब तक घर का सारा सामान जलकर खाक हो चुका था। पीड़ित नन्हे सिंह के अनुसार, घर में रखी करीब 16 हजार रुपये की नगदी, लगभग 5 कुंतल गेहूं, कपड़े, रजाई, गद्दे और अन्य जरूरी घरेलू सामान पूरी तरह जल गया। ग्रामीणों ने आग बुझाने की काफी कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इस हादसे ने एक गरीब परिवार की वर्षों की मेहनत को कुछ ही मिनटों में खत्म कर दिया। घटना के बाद पीड़ित ने आदमपुर थाने में तहरीर देकर प्रशासन से मुआवजे की गुहार लगाई है। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से मांग की है कि पीड़ित परिवार की जल्द से जल्द आर्थिक सहायता की जाए, ताकि वे दोबारा अपने जीवन को पटरी पर ला सकें। यह घटना एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था और सुरक्षा उपायों पर सवाल खड़े करती है। अगर समय रहते उचित इंतजाम किए जाएं, तो ऐसे हादसों से बचा जा सकता है। फिलहाल, पीड़ित परिवार प्रशासन की मदद का इंतजार कर रहा है।

# गेहूं की खड़ी फसल में लगी अचानक आग 3.5 बीघा फसल जलकर राख





**दैनिक बुलंद मंज़िल**

**रहरा।** थाना क्षेत्र के गांव मटीपुरा में शनिवार को अचानक लगी आग ने एक किसान की सालभर की मेहनत को चंद मिनटों में राख कर दिया। गांव निवासी जगदीश पुत्र बालकराम की करीब 3.5 बीघा गेहूं की तैयार फसल आग की भेंट चढ़ गई, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। जानकारी के मुताबिक, जिस खेत में फसल खड़ी थी वह जगदीश के भाई विजयपाल के नाम पर है। जगदीश ने ठेके पर खेत लेकर इस वर्ष गेहूं की बुवाई की थी और फसल कटाई के लिए लगभग तैयार थी। इसी बीच अचानक आग लगने से पूरी फसल जलकर नष्ट हो गई। आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है, लेकिन ग्रामीणों का मानना है कि किसी चिंगारी या लापरवाही से यह हादसा हुआ होगा। आग लगते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तेज हवा के कारण लपटें तेजी से फैलती रहीं। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक खेत पूरी तरह जल चुका था। सूचना पर लेखपाल मौके पर पहुंचे और नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है। पीड़ित किसान ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से शीघ्र आर्थिक सहायता देने की अपील की है।

# मुरादाबाद में खुला आईक्रेस्ट का अधिकृत एप्पल शोरूम, अब शहर में ही मिलेंगे लेटेस्ट प्रोडक्ट्स

**क्रॉस रोड मॉल में ग्रैंड लॉन्च, आईफोन 17 से लेकर मैकबुक तक सभी डिवाइस उपलब्ध ; ग्राहकों के लिए खास ऑफर्स**



बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

**मुरादाबाद**। शहर के तकनीक प्रेमियों के लिए रविवार का दिन खास रहा, जब मुरादाबाद में आईक्रेस्ट का अधिकृत एप्पल शोरूम भव्य रूप से लॉन्च किया गया। क्रॉस रोड मॉल, पीली कोठी रोड स्थित इस शोरूम के खुलने से अब स्थानीय ग्राहकों को एप्पल प्रोडक्ट्स खरीदने के लिए दिल्ली या नोएडा जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। शोरूम का उद्घाटन मेयर विनोद अग्रवाल और आईक्रेस्ट के हेड राघव अग्रवाल ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर एसपी सिटी रणविजय सिंह, शहर के कई प्रमुख व्यापारी और बड़ी संख्या में ग्राहक मौजूद रहे नए शोरूम में ग्राहकों के लिए आईफोन 17 सीरीज, मैकबुक एयर ट5, आईपैड एयर, एप्पल वॉच सीरीज 11 और लेटेस्ट एयरपॉड्स जैसे प्रोडक्ट्स लाइव डेमो के साथ उपलब्ध हैं। यहां एप्पल सर्टिफाइड स्टाफ ग्राहकों को खरीद से पहले और बाद में पूरी सहायता प्रदान करेगा शोरूम में एक्सचेंज ऑफर की भी सुविधा दी गई है, जिसके तहत पुराने फोन या लैपटॉप के बदले नए एप्पल प्रोडक्ट पर आकर्षक वैल्यू मिलेगी। साथ ही, सभी प्रमुख बैंकों और बजाज फाइनेंस के माध्यम से आसान फाइनेंस विकल्प भी उपलब्ध हैं आईक्रेस्ट के हेड राघव अग्रवाल ने बताया कि मुरादाबाद तेजी से विकसित होता बाजार है और यहां के ग्राहक प्रीमियम सेवाओं की अपेक्षा रखते हैं। उनका उद्देश्य शहर में ही 100 प्रतिशत ओरिजिनल प्रोडक्ट्स और विश्वस्तरीय सेवाएं उपलब्ध कराना है लॉन्च के पहले तीन दिनों तक ग्राहकों के लिए विशेष ऑफर्स भी रखे गए हैं। इसमें आईफोन पर ?4000 तक का इंस्टेंट कैशबैक, मैकबुक पर फ्री एसेसरीज किट, पहले 50 ग्राहकों के लिए एप्पल केयर+ पर 20 प्रतिशत छूट और छात्रों के लिए अतिरिक्त एजुकेशन डिस्काउंट शामिल हैं स्थानीय ग्राहकों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि अब एप्पल प्रोडक्ट्स की खरीद और सर्विस दोनों ही शहर में आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी, जिससे समय और लागत दोनों की बचत होगी।

# सलेमपुर के जंगल में आतंक का अंत : खूंखार तेंदुआ पिंजरे में कैद, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

**मासूम पर हमले के बाद वन विभाग की कार्रवाई सफल, फिर भी इलाके में दहशत बरकरार**



बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

**कांठ (मुरादाबाद)**। कांठ क्षेत्र के ग्राम सलेमपुर के जंगलों में पिछले कई दिनों से दहशत का कारण बना खूंखार तेंदुआ आखिरकार वन विभाग के पिंजरे में कैद हो गया। तेंदुए के पकड़े जाने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है, लेकिन क्षेत्र में अभी भी भय का माहौल पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पूर्व सलेमपुर निवासी किसान राजीव कुमार अपनी पत्नी ललिता के साथ खेत में गेहूं की गहाई कर रहे थे। उसी दौरान उनका 5 वर्षीय पुत्र लाव्यांश पास में खेल रहा था। तभी झाड़ियों में छिपे तेंदुए ने अचानक बच्चे पर हमला कर उसे जबड़ों में दबोच लिया। बच्चे की चीख सुनकर परिजन और आसपास के लोग मौके पर दौड़े और शोर मचाया, जिससे तेंदुआ बच्चे को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। घायल बालक को तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है इस घटना के बाद गांव में भारी आक्रोश फैल गया था। वन विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए इलाके में कई स्थानों पर पिंजरे लगाए और निगरानी बढ़ा दी। इसी अभियान के तहत बीती रात सलेमपुर के जंगल में लगाए गए पिंजरे में तेंदुआ फंस गया डिप्टी रेंजर पुष्पेंद्र सिंह के अनुसार, सुबह करीब 5:30 बजे तेंदुए के पिंजरे में फंसने की सूचना मिली। सूचना फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और पिंजरे में कैद तेंदुए को देखने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। तेंदुए को बेहद खतरनाक बताया जा रहा है फिलहाल पकड़े गए तेंदुए को मुरादाबाद के डीयर पार्क में सुरक्षित रखा गया है। हालांकि, ग्रामीणों का कहना है कि इलाके में अभी भी अन्य तेंदुओं की मौजूदगी की आशंका बनी हुई है। उन्होंने वन विभाग से सर्च अभियान जारी रखने और बाकी तेंदुओं को भी जल्द पकड़ने की मांग की है।

# मंडी धनौरा में पुलिस का एक्शन : सात अभियुक्त गिरफ्तार, न्यायालय में पेश




दैनिक बुलंद मंज़िल

**मंडी धनौरा**। जनपद में अपराध और वांछित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मंडी धनौरा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में चल रहे इस अभियान को और धार देते हुए पुलिस टीम ने प्रभावी कार्रवाई की। अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजली कटारिया के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक अमरपाल सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में सोनू पुत्र दिनेश कुमार , दीपक पुत्र दिनेश निवासीगण ग्राम डींगरा, बबन पुत्र आबिद हुसैन निवासी मोहल्ला कटरा, हिमांशु व प्रमोद पुत्र राम सिंह निवासी ग्राम चुचैला कला, सोनू पुत्र रमेश निवासी ग्राम कलाली तथा महेश पुत्र नेतराम निवासी ग्राम मुकारमपुर शामिल हैं। पुलिस के अनुसार सभी आरोपियों को धारा 170/126/135 बीएनएसएस के अंतर्गत गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने सतर्कता और रणनीति का परिचय देते हुए बिना किसी अप्रिय घटना के सभी को हिरासत में ले लिया। थाना प्रभारी ने बताया कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। गिरफ्तार आरोपियों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

# 2 घंटे में लापता बच्चे को ढूंढकर परिजनों से मिलाया, पुलिस की तत्परता की सराहना




बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

**मुरादाबाद**, । थाना गलशहीद पुलिस ने सराहनीय कार्य करते हुए एक लापता बच्चे को महज दो घंटे के भीतर तलाश कर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। इस त्वरित कार्रवाई से परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस का आभार व्यक्त किया प्राप्त जानकारी के अनुसार, शनिवार रात करीब 9 बजे ईदगाह चौराहे पर एक बच्चा लावारिस हालत में घूमता हुआ मिला। पूछताछ करने पर बच्चे ने अपना नाम वंश पुत्र हरिओम बताया, लेकिन वह अपना पता और मोबाइल नंबर बताने में असमर्थ रहा मामले की सूचना मिलते ही थाना गलशहीद पुलिस हरकत में आई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और पुलिस अधीक्षक नगर के नेतृत्व में क्षेत्राधिकारी कटघर के मार्गदर्शन में थानाध्यक्ष ने तत्काल टीम गठित कर बच्चे के परिजनों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों और अन्य स्रोतों की मदद से पहचान सुनिश्चित करते हुए करीब दो घंटे के भीतर बच्चे के परिवार का पता लगा लिया बाद में बच्चे को उसके पिता हरिओम सैनी निवासी लालबाग, काली माता मंदिर, थाना मुगलपुरा के सुपुर्द कर दिया गया। इस दौरान पुलिस ने परिजनों को आवश्यक हिदायत भी दी बच्चे के सकुशल मिलने पर परिजनों ने मुरादाबाद पुलिस की तत्परता और संवेदनशीलता की सराहना की।

# थाना कटघर पुलिस ने जुआ खेलते 8 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार, नकदी व ताश के पत्ते बरामद




बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

**मुरादाबाद**,। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री सतपाल अंतिल के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण तथा जुआ/सट्टा के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत थाना कटघर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है दिनांक 19.04.2026 को थाना कटघर पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए 08 अभियुक्तों को जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मौके से कुल 11,700 रुपये नकद एवं 52 ताश के पत्ते बरामद किए हैं इस संबंध में थाना कटघर पर मु0अ0सं0- 208/2026 धारा 13 जुआ अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है तथा अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम राजेन्द्र सिंह, संदीप, मुनीश कुमार, सोनपाल उर्फ बंटी, मुकेश, अर्जुन वर्मा, मौहम्मद कासिम व सुबेदार सिंह पुलिस द्वारा जनपद में जुआ एवं अवैध गतिविधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी है।

# संजीव यादव भाजपा प्रत्याशी ने किया वादा पूरा, पीड़ित परिवार को दिए 10000 नगद



दैनिक बुलंद मंज़िल

**गुन्नौर/थाना** । धनारी क्षेत्र के गांव भिरावटी में मजरा मलूआ के घेर निवासी नरेश पाल पिता उनके पुत्र भीमसेन 6 अप्रैल 2026 को अपहरण कर हत्याकांड मामले ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया था इस घटना से समस्त गांव वासी दुखी हो गए थे जब उनकी डेड बॉडी सिंभावली जिले से उनके घर पर पहुंची थी तब चारों तरफ चीख पुकार की आवाजे सुनाई दे रही थी गढ़मुक्तेश्वर से आए गुन्नौर विधानसभा से भाजपा के भावी प्रत्याशी संजीव यादव ने पीड़ित परिवार से मिलकर पीड़ित परिवार को हर संभव मदद करने का ऐलान किया था प्राप्त जानकारी के अनुसार संजीव यादव ने मृतक के बच्चों को भांजा भांजी और उसकी पत्नी को बहन का दर्जा देकर उसे डॉटस वधाया था उन्होंने ?10000 प्रति माह 5 वर्ष तक देने का ऐलान किया था और लड़कियों की शादी में 50-50000 देने की घोषणा की थी इसी कड़ी को आगे बढ़ते हुए आज संजीव यादव पीड़ित परिवार से मिले और उन्हें प्रथम माह के रुपए 10000 का नगद भुगतान किया यादव ने कहा कि अगले माह से ?10000 इनके बैंक अकाउंट में आ जाया करेंगे और जरूरत पड़ने पर उनकी हर समय मदद करने का प्रयास किया जाएगा इस मौके पर सैकड़ो ग्रामीण वहां पर उपस्थित रहे संजीव यादव का यह सराहनीय कार्य है इसकी लोग क्षेत्र में प्रशंसा कर रहे हैं।

# मुरादाबाद में 64 हजार से अधिक निराश्रित महिलाओं को मिल रहा पेंशन का सहारा

**हर साल 12 हजार रुपये सीधे खाते में, 6,241 नई लाभार्थी जुड़ीं; ऑनलाइन व्यवस्था से आसान हुआ आवेदन**

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

**मुरादाबाद**। जिले में निराश्रित महिलाओं के लिए संचालित पेंशन योजना आर्थिक संबल बनकर उभर रही है। प्रशासन के प्रभावी क्रियान्वयन के चलते अब तक 64,150 महिलाओं को इस योजना का लाभ मिल रहा है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 6,241 नई महिलाओं को योजना से जोड़ा गया है, जिससे अधिक जरूरतमंद महिलाओं तक सहायता पहुंची है जिलाधिकारी अनुज सिंह के निर्देशन में जनकल्याणकारी योजनाओं को पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को 1000 रुपये प्रतिमाह, यानी सालाना 12,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। यह राशि डीबीटी (ऊ्रू३ ईील्लीा३ ळ१ंल्लशी१) के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जा रही है हर तिमाही मिल रही किस्त योजना के अंतर्गत महिलाओं को मिलने वाली धनराशि त्रैमासिक आधार पर चार किस्तों में उनके खातों में पहुंचाई जाती है। इससे महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता मिल रही है, जिससे उनका जीवन यापन आसान हुआ है और आर्थिक संकट काफी हद तक कम हुआ है ऑनलाइन प्रक्रिया से मिली राहत आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन किए जाने से महिलाओं को बड़ी सुविधा मिली है। अब उन्हें सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। घर बैठे आवेदन करने और सीधे खाते में पैसा आने से पारदर्शिता भी बढ़ी है। इस सुविधा के कारण अधिक महिलाएं योजना से जुड़ रही हैं जागरूकता अभियान तेज प्रशासन द्वारा योजना की जानकारी गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। तहसील, ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर पर कैंप लगाए जा रहे हैं। साथ ही होर्डिंग, पेंटिंग और अन्य माध्यमों से महिलाओं को योजना के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

# बुद्धि विहार में निःशुल्क महिला स्वास्थ्य शिविर, 60 महिलाओं ने कराई जांच



बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

**मुरादाबाद**। में बुद्धि विहार स्थित भाटिया चौराहा के समीप ट्रस्ट कार्यालय में चैरिटेबल ट्रस्ट ह्रआओ हाथ बढ़ाएंह्न द्वारा रविवार को निःशुल्क महिला स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और उन्हें आवश्यक चिकित्सीय सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराना रहा शिविर में डॉ. प्रीति गुप्ता एवं डॉ. सुदीप कौर ने महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श दिया। वहीं एलडी ग्रुप और सेठी मेडिकल स्टोर के सहयोग से मरीजों को निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। इसके अलावा एशियन पैथ लैब द्वारा डायबिटीज और ब्लड प्रेशर (बीपी) की जांच भी निःशुल्क की गई इस दौरान करीब 50 से 60 महिलाओं ने शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य जांच कराई। जांच के बाद महिलाओं को दवाइयों के साथ सैनिटरी पैड भी वितरित किए गए, जिससे स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़े कार्यक्रम में ट्रस्ट की अध्यक्ष गीतांजली पांडेय, राघव रस्तोगी, प्रियंका भटनागर, राजेश रस्तोगी, गरिमा सिंह, सृष्टि अधिकारी, कमल गोला और रवि यदुवंशी सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे ट्रस्ट अध्यक्ष गीतांजली पांडेय ने बताया कि भविष्य में भी इस तरह के जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि जरूरतमंद महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

# मुरादाबाद में शिवसेना का चिंतन शिविर, भ्रष्टाचार के खिलाफ जेल भरो आंदोलन का ऐलान



बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

**मुरादाबाद**। शहर के होटल ग्रांड साईं में आयोजित शिवसेना के चिंतन शिविर में संगठन पदाधिकारियों ने आम जनता के मुद्दों को लेकर बड़ा निर्णय लेते हुए ह्वजेल भरो आंदोलनह्न चलाने का संकल्प लिया। शिविर का शुभारंभ छत्रपति शिवाजी महाराज एवं बालासाहेब ठाकरे के चित्र पर माल्यार्पण तथा जिला प्रमुख वीरेंद्र अरोड़ा द्वारा भगवा तिलक लगाकर ह्वजय भवानी, जय शिवाजीह्न के उद्घोष के साथ किया गया चिंतन शिविर में संगठन की सदस्यता बढ़ाने, संगठन विस्तार तथा आम जनमानस की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई पदाधिकारियों ने नागरिकों के उत्पीड़न और सरकारी कार्यालयों में बढ़ते भ्रष्टाचार के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करने की बात कही। साथ ही प्रत्येक क्षेत्र में सेवा शिविर लगाने और घर-घर संपर्क अभियान चलाकर संगठन को मजबूत करने का निर्णय लिया गया जिला प्रमुख वीरेंद्र अरोड़ा ने शिवसैनिकों को संबोधित करते हुए कहा कि शिवसेना आम जनता के अधिकारों की लड़ाई के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि संगठन की नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा और भ्रष्टाचार व उत्पीड़न के खिलाफ जन आंदोलन चलाया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर ह्वजेल भरो आंदोलनह्न भी किया जाएगा कार्यक्रम में मुख्य रूप से कमल सिंह राव, मुदित उपाध्याय, शिबू पांडे, अरुण ठाकुर, राजीव राठौर, बादाम सिंह, जीतू भाई, आकाश, राहुल, श्रीमती मधुबाला, तिलक राज शर्मा, शरद कपूर, विशाल सैनी, राजपाल, विनोद, सुरेश सैनी एवं अमित पंकज सहित कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन भी पदाधिकारियों द्वारा किया गया।

# जन्मदिन कार्यक्रम में बवाल : दलितों से मारपीट, बाबा साहब की मूर्ति क्षतिग्रस्त, सपा सांसद हाउस अरेस्ट

**ठाकुरद्वारा में तनाव, भारी पुलिस बल तैनात; पीड़ितों से मिलने जा रहीं सांसद को रोका गया**



बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

**मुरादाबाद**। जनपद के ठाकुरद्वारा थाना क्षेत्र में बीजेपी के वरिष्ठ नेता अजय प्रताप के जन्मदिन कार्यक्रम के दौरान बड़ा बवाल हो गया। आरोप है कि कार्यक्रम में शामिल कुछ लोगों ने दलित समाज के लोगों के साथ मारपीट की, जिसमें कई लोग घायल हो गए। घटना के दौरान महिलाओं के साथ भी अभद्रता और मारपीट किए जाने की बात सामने आई है बताया जा रहा है कि इस दौरान उपद्रवियों ने कई वाहनों को भी निशाना बनाया और तोड़फोड़ की। इतना ही नहीं, बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की मूर्ति को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया, जिससे इलाके में आक्रोश फैल गया सूत्रों के अनुसार, जन्मदिन कार्यक्रम में शामिल कई लोग शराब के नशे में थे और बाहरी व्यक्तियों की भी बड़ी संख्या मौजूद थी, जिससे स्थिति और बिगड़ गई। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है इधर, पीड़ित दलित परिवारों से मिलने के लिए जा रहीं सपा सांसद रूचिवीरा को पुलिस ने उनके आवास पर ही रोक दिया। उन्हें हाउस अरेस्ट किए जाने की जानकारी सामने आई है। सांसद के आवास पर भारी पुलिस फोर्स तैनात है, जिससे किसी भी अप्रिय स्थिति को रोका जा सके पुलिस प्रशासन का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल क्षेत्र में शांति बनाए रखने के प्रयास जारी हैं।

# न्यू सत्यम अकादमी में विद्यार्थियों द्वारा भव्य स्कूल फेयर का किया सफल आयोजन

**दैनिक बुलंद मंजिल/ ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर चन्दौसी।** न्यू सत्यम अकादमी, कैथल गेट में विद्यार्थियों द्वारा एक भव्य स्कूल फेयर का सफल आयोजन किया गया। इस आयोजन में विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता एवं उद्यमशीलता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरूआत करने के लिए अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती के समक्ष विद्यालय की प्रबन्धक नमिता चौधरी, जाह्नवी चौधरी, प्रधानाचार्य एस. सी. गंगवार, उप प्रधानाचार्य अमित कुमार गुप्ता एवं एकेडमिक कॉर्डिनेटर श्वेता मनचंदा के द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। फेयर में विभिन्न प्रकार के मनोरंजक खेल, आकर्षक गतिविधियाँ एवं विद्यार्थियों द्वारा संचालित स्वादिष्ट फूड स्टॉल्स मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे। विशेष रूप से अ.क पानी पूरी स्टॉल ने आगंतुकों का ध्यान आकर्षित किया और सभी ने इसका भरपूर आनंद लिया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह एवं समर्पण के साथ सभी स्टॉल्स का संचालन किया, जिससे उनमें आत्मनिर्भरता एवं प्रबंधन कौशल का विकास देखने को मिला। फेयर में बड़ी संख्या में अभिभावकों एवं स्थानीय लोगों की उपस्थिति रही, जिन्होंने बच्चों के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार भी प्रदान किए गए। जिससे विद्यार्थियों में उत्साह और भी बढ़ा। इसके साथ ही विद्यालय प्रबंधन द्वारा फेयर में स्टॉल लगाने वाले सभी विद्यार्थियों को भी उनके प्रयासों एवं सहभागिता के लिए पुरस्कृत किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने इस सफल आयोजन के लिए सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं स्टाफ सदस्यों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया। यह फेयर न केवल मनोरंजन का माध्यम बना, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं आत्मविश्वास को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रबंधक नमिता चौधरी, सत्यम चौधरी, जाह्नवी चौधरी ,प्रधानाचार्य एस.सी. गंगवार, उप-प्रधानाचार्य अमित कुमार गुप्ता एवं सभी अध्यापक अध्यापिकाओं श्वेता मनचंदा, स्नेहा, निशि, यशिका, अंशिका, मनु, आकांक्षा, दिव्यांशी, काजल, हिना, आयुषी, आरती, मीमांसा, मेधा, गुंजन, राखी, ऋतु, रूबी, सपना, कमलेश, अनन्या, चंचल, विदुषी, गीता, कीर्ति, कोमल, जयगोपाल, विशाल, विषयपाल, अभय, दामोदर, मुजम्मिल, नियाज, देवरिषि, विशेष, गौरव आदि का योगदान सराहनीय रहा।

# एबीसी किड्स मोंटेसरी स्कूल में धूमधाम से मनाई गई परशुराम जयंती

**दैनिक बुलंद मंजिल/ ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर चन्दौसी।** एबीसी किड्स मोंटेसरी स्कूल में आज परशुराम जयंती का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय का वातावरण पूरी तरह से धार्मिक और उत्साहपूर्ण बना रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य नन्हे-मुन्ने बच्चों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं एवं महान व्यक्तित्वों के बारे में जागरूक करना था। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान परशुराम के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद बच्चों को भगवान परशुराम के जीवन, उनके आदर्शों और उनके योगदान के बारे में सरल और रोचक तरीके से बताया गया, जिससे बच्चे आसानी से समझ सकें। विद्यालय की संचालिका श्रीमती संगीता भार्गव जी ने बच्चों को संबोधित करते हुए बताया कि परशुराम जयंती हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम जी के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि परशुराम जी का जन्म तृतीया तिथि के प्रदोष काल में हुआ था। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार उनका अवतार अधर्म, अन्याय और अत्याचार का अंत करने के लिए हुआ था। उन्होंने आगे बताया कि परशुराम जी के पिता महर्षि जमदग्नि और माता रेणुका थीं। वे बचपन से ही तेजस्वी, पराक्रमी और धर्मनिष्ठ थे। उनके जीवन से हमें यह सीख मिलती है कि हमें सदैव सत्य और धर्म के मार्ग पर चलना चाहिए तथा अन्याय के विरुद्ध आवाज उठानी चाहिए। प्रिया मैम ने बच्चों को बताया कि प्राचीन ग्रंथों जैसे महाभारत और विष्णु पुराण के अनुसार परशुराम जी का मूल नाम ह्ररामह्व था, लेकिन जब भगवान शिव ने उन्हें ह्लपरशुह्व नामक दिव्य अस्त्र प्रदान किया, तभी से उनका नाम परशुराम पड़ा। उन्होंने यह भी बताया कि परशुराम जी भगवान शिव के परम भक्त थे और उन्होंने अपने जीवन में कठोर तप और साधना की। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने ह्लजय श्री रामह्व के जयकारे लगाए, जिससे पूरा विद्यालय परिसर भक्तिमय हो उठा। कुछ बच्चों ने भगवान परशुराम से जुड़ी छोटी-छोटी प्रस्तुतियां भी दीं, जिससे कार्यक्रम और भी आकर्षक बन गया। अंत में संचालिका संगीता भार्गव ने बच्चों को संदेश दिया कि हमें भगवान परशुराम के जीवन से प्रेरणा लेकर सच्चाई, साहस और अनुशासन को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। कार्यक्रम का समापन हर्ष और उल्लास के साथ किया गया। इस अवसर को सफल बनाने में विद्यालय की अध्यापिकाएं प्रिया, रूपाली, काजल, इशिता, मनप्रीत, शालू, निशा, संतोष, नीरज, सरिता, सोनल, दीक्षा, रक्षा शिल्पा सहित सभी स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा। यह आयोजन बच्चों के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा, जिसने उनके मन में संस्कृति और नैतिक मूल्यों के प्रति सम्मान की भावना को और मजबूत किया।

# भगवान विष्णु के छठे अवतार, शस्त्र और शास्त्र के ज्ञाता भगवान परशुराम जी की प्रतिमा पर सपा नेत्री ने किए पुष्प अर्पित

## विधानसभा क्षेत्र चन्दौसी से सपा के जीतने पर ब्राह्मणों को मिलेगा पूरा सम्मान : विमलेश कुमारी

**दैनिक बुलंद मंजिल/ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर चन्दौसी।** नगर की पावन धरा पर ब्राह्मण शक्ति संघ द्वारा आयोजित भगवान परशुराम जी की भव्य शोभायात्रा में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। भगवान विष्णु के छठे अवतार, शस्त्र और शास्त्र के ज्ञाता भगवान परशुराम जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनका आशीर्वाद लिया। इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए ब्राह्मण शक्ति संघ का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपका स्नेह ही मेरी ताकत है। ब्राह्मणों को सबसे ज्यादा सम्मान यदि किसी राजनीतिक पार्टी ने दिया है तो वह समाजवादी पार्टी ने दिया है। जिसके संस्थापक नेताजी मुलायम सिंह यादव ब्राह्मणों के सबसे बड़े हमदर्द थे। मुलायम ने प्रबुद्ध प्रकोष्ठ सम्मेलनों का आयोजन किया। जहां उन्होंने ब्राह्मण समाज की तारीफ में कसीदे पढ़े और कहा कि अन्याय के खिलाफ परशुराम की तरह खड़े होकर समाज को मजबूत बनाना चाहिए, सपा सरकारों में ब्राह्मणों को विधानसभा - लोकसभा में प्रमुख टिकट दिए गए, 2022 में 5 ब्राह्मण विधायक और लोकसभा में सनातन पांडेय जैसे नेता जीते। 2024 में बागपत जैसे क्षेत्रों में ब्राह्मण कार्ड खेला गया। अखिलेश सरकार ने ब्राह्मण बाहुल्य इलाकों में स्कूल-कॉलेज बनवाए, रोजगार योजनाएं चलाईं और परशुराम जयंती को राज्योत्सव का रूप देते हुए परशुराम जयंती के अवकाश का शासनादेश जारी किया। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने वादा किया कि 2027 में सपा सरकार बनने पर भगवान परशुराम जयंती पर अवकाश घोषित होगा। यह मुलायम जी के सपनों को साकार करने का कदम होगा।

# प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 249वें मुख्यमन्त्री आरोग्य मेले का किया आयोजन

**दैनिक बुलंद मंजिल/ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर सम्भल।** जनपद में 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं 05 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 249वें मुख्यमन्त्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। उक्त मेला सत्रों पर 34 चिकित्सकों एवं 132 पैरा-मेडिकल स्टाफ द्वारा कुल 2227 रोगियों (पुरुष रोगी-1005; महिला रोगी- 878 एवं 344 बच्चों) का निःशुल्क उपचार गया। समस्त मेला सत्रों पर आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के अन्तर्गत 121 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड बनाये गये। जनपद में आयोजित समस्त मेला सत्रों पर बुखार के 213, चर्म रोग के 444, दमा के 306, मधुमेह रोग के 96, नेत्र रोग से सम्बन्धित 20, उच्च रक्तचाप के 81 तथा अन्य रोगों के मरीज देखे गये। बुखार के सम्बन्ध में 34 मरीजों की मलेरिया की तथा 14 रोगियों की डेंगू की जाँच की गयी; जिसमें सभी संदिग्ध मरीजों की रिपोर्ट ऋणात्मक रही। जनपद के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर परिवार नियोजन (फैमिली प्लॉनिंग) सम्बन्धी परामर्श व परिवार नियोजन सम्बन्धी सामग्री (चॉइस ऑफ बॉस्केट) के लिये अलग से एक काउन्टर बनाये गये।जिलाधिकारी के निदेशों के अनुपालन में जनपद की समस्त आशाओं के द्वारा सोर्स रिडक्सन एवं संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरुक किया गया तथा एक युद्ध नशे के विरुद्ध के अन्तर्गत 107 व्यक्तियों को तम्बाकू छोड़ो परामर्श भी दिया गया। आरोग्य मेला छात्रों पर आने वाले रोगियों में से 56 रोगियों को टेलीमानस कंसल्टेंसी की सुविधा भी उपलब्ध कराई गयी। जनपद में आयोजित समस्त मेला सत्रों का मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर तरुण पाठक तथा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा आरोग्य मेला सत्रों का निरीक्षण किया गया।

# भिरावटी मे पिता, पुत्र का अपहरण कर दोहरे हत्या कांड मे

## पीड़ित परिवार की सरकार से मदद की मांग तेज

**दैनिक बुलंद मंज़िल गुन्नौर।** थाना धनारी क्षेत्र के ग्राम भिरावटी में 6 अप्रैल 2026 को हुए दोहरे हत्याकांड से क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। इस घटना में नरेश पाल और उनके पुत्र भीमसेन की हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद परिवार पूरी तरह संकट में आ गया है। परिवार में चार नाबालिग बच्चे और एक गर्भवती बहू है। साथ ही करीब सात लाख रुपये का कर्ज भी बताया जा रहा है। घर में कमाने वाला कोई सदस्य न होने से परिवार के सामने भरण-पोषण की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। रूहेलखंड विश्वविद्यालय छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि इस मामले को लेकर ग्राम प्रधान रेखा यादव ने एक ज्ञापन तैयार कर भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य को सौंपा है। ज्ञापन उनके माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक भेजा गया है। साथ ही पीड़ित परिवार के साथ मुख्यमंत्री से मुलाकात के लिए समय भी मांगा गया है। ज्ञापन में पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता, बच्चों की निःशुल्क शिक्षा, परिवार की सुरक्षा, बेटियों के विवाह के लिए सहयोग, सरकारी नौकरी में प्राथमिकता और आरोपियों को कड़ी सजा देने की मांग की गई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस मामले में शीघ्र कार्रवाई और पीड़ित परिवार को राहत देने की अपील की है।

# प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 249वें मुख्यमन्त्री आरोग्य मेले का किया आयोजन

**दैनिक बुलंद मंजिल/ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर सम्भल।** जनपद में 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं 05 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 249वें मुख्यमन्त्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। उक्त मेला सत्रों पर 34 चिकित्सकों एवं 132 पैरा-मेडिकल स्टाफ द्वारा कुल 2227 रोगियों (पुरुष रोगी- 1005; महिला रोगी- 878 एवं 344 बच्चों) का निःशुल्क उपचार गया। समस्त मेला सत्रों पर आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के अन्तर्गत 121 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड बनाये गये। जनपद में आयोजित समस्त मेला सत्रों पर बुखार के 213, चर्म रोग के 444, दमा के 306, मधुमेह रोग के 96, नेत्र रोग से सम्बन्धित 20, उच्च रक्तचाप के 81 तथा अन्य रोगों के मरीज देखे गये। बुखार के सम्बन्ध में 34 मरीजों की मलेरिया की तथा 14 रोगियों की डेंगू की जाँच की गयी; जिसमें सभी संदिग्ध मरीजों की रिपोर्ट ऋणात्मक रही। जनपद के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर परिवार नियोजन (फैमिली प्लॉनिंग) सम्बन्धी परामर्श व परिवार नियोजन सम्बन्धी सामग्री (चॉइस ऑफ बॉस्केट) के लिये अलग से एक काउन्टर बनाये गये।जिलाधिकारी के निदेशों के अनुपालन में जनपद की समस्त आशाओं के द्वारा सोर्स रिडक्सन एवं संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरुक किया गया तथा एक युद्ध नशे के विरुद्ध के अन्तर्गत 107 व्यक्तियों को तम्बाकू छोड़ो परामर्श भी दिया गया। आरोग्य मेला छात्रों पर आने वाले रोगियों में से 56 रोगियों को टेलीमानस कंसल्टेंसी की सुविधा भी उपलब्ध कराई गयी। जनपद में आयोजित समस्त मेला सत्रों का मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर तरुण पाठक तथा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा आरोग्य मेला सत्रों का निरीक्षण किया गया।

# गवां में बड़े धूम धाम से निकाली गई परशुराम जी की शोभा यात्रा

**बुलंद मंज़िल/भूरे सिंह यादव सम्भल/सोंधन।** गवॉ नगर में आज परशुराम की जयंती के उपलक्ष्य में ब्राह्मण सभा ने शोभायात्रा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज से शुरू हुई। स्वामी दंडी महाराज जी ने शोभायात्रा का शुभारंभ किया। शोभायात्रा में मनमोहक झाकियां, डी जे, बैण्ड बाजा के साथ परशुराम भगवान की भव्य शोभा यात्रा एवं भव्य झांकी निकली । गवां हरि बाबा जनता इंटर कालेज के पास पूर्व मंत्री अजीत कुमार उर्फ राजू यादव का पगड़ी बांधकर फूल माला पहना कर स्वागत किया। परशुराम भगवान जी की शोभा यात्रा एवं भव्य झांकी गवॉ के मुख्य मार्ग से होती हुई पुनः सरस्वती बाल विद्या मंदिर पर पहुंच कर सम्पन्न हुई। परशुराम जी की शोभायात्रा का नगर में फूल वर्षा कर लोगों ने स्वागत किया। इस अवसर पर उमेश शर्मा मंडल अध्यक्ष गवॉ रजपुरा भा ज पा, मंडल उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार, पूर्व प्रधान अमित शर्मा, विजय कुमार शर्मा, विपिन कुमार शर्मा, विराग गौड़, चैयरमैन पति भगवान दास दीवाकर, केसरी शर्मा सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

# राम नाम के सुमिरन से ही संभव है जीवन का कल्याण : देशपाल भारद्वाज

## सिसरका में श्रीराम कथा के प्रथम दिन कथा व्यास ने बताया कलियुग में नाम की महिमा कहा- प्रभु भक्ति से ही सुधरेगा परलोक

**दैनिक बुलंद मंज़िल बिसौली।** रविवार को मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की कथा के प्रथम दिन समूचा परिवेश भक्तिमय हो उठा। कथा के शुभारंभ के अवसर पर गांव में भव्य मंगल कलश यात्रा निकाली गई, उत्साहपूर्वक भाग लिया ?जय श्री राम के उद्घोष से गूंजा कलश यात्रा का शुभारंभ विधि-विधान से पूजन के बाद हुआ सिर पर मंगल कलश धारण किया । थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र के गांव सिसरका में रविवार को श्रीराम कथा का भव्य शुभारंभ हुआ। कथा के प्रथम दिन व्यास पीठ से भक्तों को निहाल करते हुए कथा व्यास देशपाल भारद्वाज ने 'राम नाम' की महिमा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि संसार की समस्त सिद्धियां और सुख भगवान के नाम मात्र को जपने से प्राप्त हो जाते हैं।कथा व्यास ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मानव जीवन को सफल बनाने के लिए केवल प्रभु का नाम ही पर्याप्त है। शास्त्रों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, "कलियुग केवल नाम अधारा, सुमिर सुमिर नर उतरे ही पारा।" अर्थात इस कठिन समय में केवल ईश्वर का स्मरण ही जीव को भवसागर से पार उतार सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी युगों में राम नाम की महिमा गाई गई है और जो मनुष्य अपने व्यस्त जीवन में से कुछ समय प्रभु भक्ति के लिए निकालता है, उसका जीवन धन्य हो जाता है।कथा के पहले दिन सिसरका में भारी उत्साह देखने को मिला। भगवान श्री राम के जयकारों से गुंजायमान रहा। इस अवसर पर मुख्य रूप से श्रीमती दुर्गेश सक्सेना, नितिन सक्सेना, सुमित, श्याम सक्सेना, जितेंद्र, हरिओम और जोगेन्द्र मौजूद रहे धार्मिक अनुष्ठान में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस दौरान अनुराधा, दिव्या, पूजा, अंजलि, मनीषा, मंजू, मीनू, वैष्णवी, कृष्णा देवी सहित बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालु उपस्थित रहीं। कथा के समापन पर आरती उतारी गई और भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया।

# मोहन चेरिटेबल ब्लड सेंटर का माध्यमिक शिक्षा मंत्री व मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने फीता काटकर किया शुभारम्भ

**दैनिक बुलंद मंजिल/ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर चन्दौसी ।** रविवार को स्टेशन रोड पर मोहन चेरिटेबल ब्लड सेंटर (ब्लड बैंक)का उदघाटन माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर तरुण पाठक द्वारा किया गया । मोहन चेरिटेबल ब्लड सेंटर के संचालक डॉक्टर श्याम गोआनी सक्सेना ने बताया कि रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प आज तक नहीं बन पाया है । यह पूर्ण रूप से चेरिटेबल सेंटर है और हमारा सेंटर एक एडवांस एवं हाई टेक्नोलॉजी के साथ बहुत ही नॉर्मल चार्ज पर विश्वस्तरीय सुविधा देने वाला ब्लड बैंक है । उन्होंने कहा कि यह ब्लड बैंक कल से अपना पूर्ण फंक्शन शुरू कर देगा । सीएमओ डॉक्टर तरुण पाठक ने ब्लड बैंक के बारे में बताते हुए इस सुविधा का लाभ लेने के बारे में विस्तृत रूप से बताया । मुख्य अतिथि गुलाब देवी ने मोहन परिवार को ब्लड बैंक के शुभारंभ की शुभकामनाएं दी और इस पहल को क्षेत्र के विकास के लिए सराहनीय बताया तथा डॉक्टर श्याम गोवानी के योगदान की प्रशंसा की । उन्होंने चंदौसी मै हुए विकास कार्यों की चर्चा की । उद्घाटन के पश्चात सभी अतिथियों ने ब्लड सेंटर का अवलोकन किया और वहां उपलब्ध आधुनिक तकनीक की जानकारी प्राप्त की । इस अवसर पर एसीएमओ डॉक्टर मनोज चौधरी, जज इश्तियाक अली, बीजेपी कोषाध्यक्ष अंकित जैन, पूर्व सीएमओ, बदायूं डॉ प्रदीप वार्ष्णेय , संजीव वर्मा महाप्रबंधक,बजाज शुगर इंडस्ट्री,डॉ नरेंद्र गुप्ता, डॉ सलिल दीक्षित, डॉ0 राम वार्ष्णेय , डॉ0 मनीष वार्ष्णेय,भुवनेश वार्ष्णेय, डॉ मनोज आहूजा, मोहित वार्ष्णेय, डॉ हरि प्रकाश अग्रवाल, मनोज गुप्ता, नीरज बच्चन, अश्विनी सक्सेना, विष्णु एरन, अनुराग भार्गव सहित शहर के अन्य गणमान्य नागरिकों ने भी इस योगदान को अविस्मरणीय एवं सराहनीय बताया।कार्यक्रम का संचालन संजय गोयल ने किया ।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल

रामपुर/बिजनौर

संभल
सोमवार, 20 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)


# मुंबई में लगा विश्व विख्यात मनोना धाम की पूज्य महंत जी का दरबार

## मुंबई पुलिस एवं सेवादार श्याम भक्तों ने संभाली व्यवस्था

**दैनिक बुलंद मंजिल/ विनोद गुप्ता**




**रामपुर** । हारे के सहारे बाबा श्याम हमारे श्री श्याम मंदिर मनौना धाम जीवन धाम के नाम से विख्यात मनौना धाम के महन्त श्री ओमेन्द्र महाराज ने मुम्वई स्थित के डिवाइन कान्वेशन सेंटर लिंक रोड नियर एकसर मेट्रो स्टेशन वोरीवाली वेस्ट मुम्बई मे 19 अप्रैल 2026 दिन रविवार समय 9 बजे से 2 बजे तक भव्य आरोग्य यात्रा तथा आशीर्वाद कार्यक्रम का आयोजन किया सर्वप्रथम महंत जी महाराज ने वाबा श्याम की ज्योति जलाकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया आसन पर बैठक कार्यक्रम मे मैजूद हजारों श्याम भक्तो को आशीर्वाद दिया तथा श्याम जल अभिमंत्रित कर मरीजो को पिलाया तथा कार्यक्रम मे आशीर्वाद लेने के लिए विधायक जनप्रतिनिधि सिंगर अभिनेता अभिनेत्री उद्योगपति तथा शासन प्रशासन के लोगो ने आशीर्वाद लेने कार्यक्रम मे पहुचे महंत जी महाराज ने मोजूदा श्याम भक्तो को बताया कि आज के आधुनिक युग मे और तेज रफ्तार जीवन में जहां तनाव, अवसाद और असंतुलित दिनचर्या लोगों की सेहत पर गहरा असर डाल रही है अपने को निरोग बनाने के लिए प्राकृतिक चिकित्सा, योग, ध्यान और संतुलित जीवनशैली अपनानी होगी सच्चा स्वास्थ्य तभी संभव है, जब मन, शरीर और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित हो। कार्यक्रम मे पहुचने पर महंत जी महाराज का विधान सभा वोरीबली मुम्बई के भाजपा विधायक संजय उपाध्याय ने भव्य स्वागत कर आशीर्वाद लिया वही आयोजको ने भी महंत जी महाराज का स्वागत कर आभार व्यक्त किया वही कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मुम्बई पुलिस धाम के सेवादार तथा आयोजक टीम का विशेष सहयोग रहा ।

# मुरादाबाद आईएफटीएम की प्रिंसिपल मीट में शामिल होने को शाहबाद से पहुंचे तीन बसें

## शिक्षा के क्षेत्र में आईएफटीएम का नहीं है कोई तोड़ : कुलपति राजीव कोठीवाल

**दैनिक बुलंद मंजिल/ विनोद गुप्ता**






**रामपुर** । रविवार को जनपद रामपुर से शाहबाद में अन्य स्थानों के साथ-साथ ग्राम धुरियाई स्थित श्रीडालचंद शर्मा इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रवीण कुमार शर्मा के नेतृत्व में आईएफटीएम को तीन बस विभिन्न स्कूलों के अध्यापकों, प्रबंधकों आदि को लेकर मुरादाबाद कॉलेज पहुंची। आईएफटीएम कॉलेज मुरादाबाद में अन्य जिलों, तहसीलों व ग्रामीण क्षेत्रों के अध्यापक व प्रबंधक भी पहुंचे थे जिनकी संख्या लगभग दो हजार से अधिक रही।जिस दौरान आईएफटीएम के प्रिंसिपल द्वारा कॉलेज में पढ़ाई जाने वाले कोर्सेज, कॉलेज की व्यवस्थाओं व कॉलेज की फीस के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। मुख्य अतिथि के रूप में विश्व विद्यालय के कुलपति ने भी विभिन्न जानकारियां देकर अनेकों जनपदों एवं तहसीलों से आए अध्यापकों का स्वागत सत्कार किया। इस मौके पर प्रवीण शर्मा, के पी सिंह, ज्ञानेंद्र कुमार, अजय कुमार शर्मा, राकेश यादव, जहींन खान, राजकुमार सागर, सुनील कुमार, राजीव भटनागर , हरपाल सिंह, सुभाष चौहान सहित क्षेत्र के आने को अध्यापक एवं अध्यापिकाएं इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

# जलीलपुर में गरीब का आशियाना राख : भीषण आग में झोपड़ी खाक

## पशुओं की मौत, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

**दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत**




**चांदपुर।** थाना चांदपुर क्षेत्र के ग्राम जलीलपुर में रविवार सुबह एक भीषण अग्निकांड ने गरीब परिवार की पूरी जिंदगी उजाड़ दी। अचानक लगी आग ने कुछ ही मिनटों में झोपड़ी, गृहस्थी का सामान, अनाज और पशुओं को अपनी चपेट में लेकर सब कुछ राख कर दिया। हादसे के बाद पीड़ित परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्राम निवासी जग्गन सैनी, जो मजदूरी और पशुपालन कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं, रविवार सुबह करीब 11 बजे अपने परिवार के साथ खेत पर गेहूं की कटाई करने गए हुए थे। इसी दौरान उनकी झोपड़ी में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी झोपड़ी धू-धू कर जलने लगी। आग लगने की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर दौड़े और तत्काल डायल 112 व अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई। कुछ ही देर में फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। वहीं सीतामठ चौकी प्रभारी सुभाष चौधरी भी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में जुट गए, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था। पशुओं की दर्दनाक मौत, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़ इस भीषण आग में एक भैंस, एक मुर्गी और उसके बच्चों की जिंदा जलकर दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो भैंस और एक गाय गंभीर रूप से झुलस गईं। ग्रामीणों की मदद से झुलसे पशुओं को किसी तरह बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही पशु चिकित्सा अधिकारी परविंदर सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और झुलसे पशुओं का उपचार शुरू किया। घर का सारा सामान और ठेला-रिक्शा भी जलकर खाक आग इतनी भयंकर थी कि झोपड़ी में रखा अनाज, चावल, कपड़े, रजाई, बर्तन, अनाज की कोठी समेत रोजमर्रा का पूरा सामान जलकर राख हो गया। इतना ही नहीं, जग्गन सैनी की रोजी-रोटी का साधन मजदूरी का ठेला-रिक्शा भी आग की भेंट चढ़ गया, जिससे परिवार के सामने आजीविका का भी संकट खड़ा हो गया है। 4 से 8 लाख का नुकसान, रहने-खाने तक का संकट पीड़ित परिवार के अनुसार इस अग्निकांड में करीब 4 से 8 लाख रुपये तक का नुकसान हुआ है। घर में खाने-पीने, पहनने और रहने तक के लिए कुछ भी नहीं बचा है। परिवार के सामने अब खुले आसमान के नीचे जिंदगी गुजारने की मजबूरी आ गई है। प्रशासन से मुआवजे की गुहार घटना के बाद जग्गन सैनी की पत्नी ने बताया कि उनके पति मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं और अब सब कुछ खत्म हो जाने से उनके सामने गंभीर संकट खड़ा हो गया है। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से आर्थिक सहायता और मुआवजे की मांग की है, ताकि वे फिर से अपने जीवन को शुरू कर सकें। यह घटना प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आई है, जहां एक गरीब परिवार को तत्काल राहत और सहायता की सख्त जरूरत है।

# मदरसा अहले सुन्नत फैजुल उलूम वार्षिक कार्यक्रम का हुआ भव्य आयोजन

## शाहबाद में चार हाफिजों को हुई दस्तार बंदी

**दैनिक बुलंद मंजिल/ विनोद गुप्ता**



**शाहबाद रामपुर।** तहसील शाहबाद नगर स्थित मदरसा अहले सुन्नत फैजुल उलूम, जयतोली रोड में एक शानदार सालाना प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मदरसे में पढ़ने वाले चार बच्चे हाफिज ए कुरान बने इन चारों हाफिजों की दस्तार बंदी की गई जिन हाफिजों की दस्तार बंदी की गई उनमें हाफि ज फाजिल इब्ने मुस्तार, पाकबाड़ा हाफि ज इमरान इब्ने अब्दुल कादिर, मंडेयान बदे हाफि ज समीर इब्ने खुश मोहम्मद,खुर्द बरेली हाफि ज सलमान– वली मोहम्मद, अलावपुर,सम्भल शामिल रहे इस मौके पर बरेली से आए हुजूर एहसान मियां ने जलसे को मुखातिब करते हुए एक हाफिज की अहमियत को बयान करते हुए बताया कि एक ने हाफिज अपने मां बाप की मगफिरत का जरिया बनता है। इसके अलावा गुलाम गौस रिजवी मौलाना वसीम,मुफ़्ती अहमद रजा मजहरी इमरान हनफी ने जलसे को मुखातिब किया मदरसे का संचालन कारी साजिद साहब द्वारा किया जा रहा है।मदरसे की कमेटी में पूर्व सभासद नूर अहमद,शरीफ मिस्त्री, जकी अहमद,निसार अहमद,गुलाब अहमद इसरार हुसैन,मोहसिन शामिल है कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और हाफि ज बच्चों को दुआओं से नवाजा गया। जिस दौरान भारी तादाद में लोग मौजूद रहे।

# किनारे ही बने एक्सप्रेस-वे शिवसेना की बैठक में उठी बड़ी मांग, सीएम Yogi Adityanath से प्रस्ताव पर पुनर्विचार की अपील

**दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत**

**चांदपुर** । चांदपुर क्षेत्र स्थित बसंती देवी धर्मशाला में शिवसेना की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें गंगा एक्सप्रेस-वे को लेकर बड़ा प्रस्ताव सामने आया। बैठक की अध्यक्षता शिवसेना जिला प्रमुख चौधरी वीर सिंह ने की, जिसमें कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बैठक को संबोधित करते हुए चौधरी वीर सिंह ने कहा कि विदुर कुटी पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ड्ड्ढँ अ३ि८ल्लंइँ द्वारा गंगा एक्सप्रेस-वे को बिजनौर से निकालने की घोषणा स्वागतयोग्य है। इसके लिए शिवसेना ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया, साथ ही उन 25 संगठनों और पत्रकारों का भी धन्यवाद किया, जिन्होंने इस मांग को उठाने में सहयोग दिया। गंगा के किनारे-किनारे निकले एक्सप्रेस-वे की मांग वीर सिंह ने कहा कि गंगा एक्सप्रेस-वे का मूल स्वरूप गंगा के किनारे-किनारे प्रस्तावित था, इसी कारण इसका नाम ह्लगंगा एक्सप्रेस-वेह्व रखा गया। उन्होंने मांग की कि इस एक्सप्रेस-वे को गंगा के धोरे-धोरे (किनारों) से ही निकाला जाए, ताकि यह अपने वास्तविक उद्देश्य को पूरा कर सके। धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों को जोड़ने की पहल उन्होंने बताया कि यदि एक्सप्रेस-वे गंगा किनारे बनाया जाता है तो यह जनपद के कई प्राचीन और धार्मिक स्थलों–जलीलपुर का प्राचीन वट वृक्ष, नानौर घाट, महात्मा विदुर की धरती, गंज क्षेत्र, गलखा देवी मंदिर, रावली घाट, कण्व ऋषि आश्रम और गुरुद्वारा साहिब–को जोड़ते हुए हरिद्वार तक पहुंचेगा। इससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। बाढ़ से राहत और सरकारी खर्च में कमी का तर्क बैठक में यह भी कहा गया कि हर वर्ष गंगा की बाढ़ से क्षेत्र में जान-माल का नुकसान होता है और तटबंध बनाने पर करोड़ों रुपये खर्च होते हैं। यदि गंगा एक्सप्रेस-वे गंगा के किनारे बनाया जाता है, तो यह तटबंध का भी कार्य करेगा, जिससे बाढ़ से राहत मिलेगी और सरकार का खर्च भी बचेगा। शिवसेना की सीएम से मांग शिवसेना पदाधिकारियों ने एक स्वर में मुख्यमंत्री ड्ड्ढँ अ३ि८ल्लंइँ से मांग की कि गंगा एक्सप्रेस-वे को गंगा के किनारे-किनारे निकालने के प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार किया जाए। बैठक में ऋतुल शर्मा, मुकेश लांबा, डॉ. दिनेश तोमर, शशि कुमार, विजय मोहन गुप्ता, राजीव अहलावत, भूपेंद्र कुमार, मोहित राजपूत, मनोज कुमार, संदीप चौहान, दीपक कुमार, अरुण सैनी, शोभित गुर्जर, मंजीत सैनी, पुलकित त्यागी, राहुल त्यागी, राकेश ठाकुर, दीपक देशवाल सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस बैठक के जरिए शिवसेना ने गंगा एक्सप्रेस-वे को लेकर अपनी रणनीति और जनभावनाओं को स्पष्ट रूप से सामने रखा है। अब देखना होगा कि सरकार इस मांग पर क्या निर्णय लेती है।

# करोड़ों का का मालिक, फिर भी खाली हाथ

## स्वास्थ्य की अनदेखी ने छीनी जिंदगी–एक कहानी जो दे रही बड़ा संदेश

**दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत**



**चांदपुर** । आधुनिक जीवनशैली में सफलता और धन कमाने की होड़ के बीच एक ऐसी प्रेरणादायक कहानी सामने आई है, जो हर व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने का संदेश देती है। यह कहानी एक ऐसे सेठ की है, जिसने जीवनभर मेहनत कर अपार संपत्ति तो अर्जित कर ली, लेकिन अपने स्वास्थ्य की अनदेखी के कारण अंत में सब कुछ होते हुए भी खाली रह गया। कहानी के अनुसार, सेठ दिन-रात मेहनत कर शहर का सबसे धनी व्यक्ति बन गया। सफलता की खुशी में उसने एक आलीशान बंगला बनवाया और गृह प्रवेश के अवसर पर भव्य आयोजन किया। लेकिन उसी रात उसकी जिंदगी ने ऐसा मोड़ लिया, जिसने सारी उपलब्धियों पर प्रश्नचिह्न लगा दिया। बताया जाता है कि जब सेठ आराम करने के लिए अपने कमरे में गया, तो उसे एक आवाज सुनाई दी–वह उसकी आत्मा की थी। आत्मा ने शरीर छोड़ने की बात कही, जिस पर सेठ ने उसे रोकने का प्रयास किया और अपने द्वारा अर्जित धन-दौलत का हवाला दिया। इस पर आत्मा ने स्पष्ट कहा कि उसका असली घर शरीर था, जिसकी देखभाल सेठ ने कभी नहीं की। अत्यधिक काम, तनाव और लापरवाही के कारण उसका शरीर बीमारियों से घिर चुका था–ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, मोटापा और अन्य समस्याएं उसे कमजोर बना चुकी थीं। आत्मा ने उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार कोई भी व्यक्ति जर्जर और असुरक्षित घर में रहना पसंद नहीं करता, उसी प्रकार वह भी इस कमजोर शरीर में नहीं रह सकती। अंततः आत्मा शरीर छोड़कर चली गई और सेठ की सारी दौलत बेकार साबित हो गई। स्वास्थ्य विशेषज्ञों की राय विशेषज्ञों का मानना है कि आज के समय में लोग करियर और पैसे के पीछे भागते हुए अपने स्वास्थ्य की अनदेखी कर रहे हैं। यह स्थिति भविष्य में गंभीर परिणाम ला सकती है। संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और तनाव मुक्त जीवनशैली बेहद आवश्यक है। समाज के लिए संदेश यह कहानी समाज को यह सिखाती है कि सफलता तभी सार्थक है जब व्यक्ति स्वस्थ हो। केवल धन अर्जित करना ही जीवन का उद्देश्य नहीं होना चाहिए, बल्कि स्वस्थ और संतुलित जीवन जीना भी उतना ही जरूरी है। इस प्रेरणादायक प्रसंग ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि– स्वास्थ्य ही असली धन है, बाकी सब क्षणिक है।

# स्मार्ट मीटर पर लगा ब्रेक, यूपी सरकार का बड़ा फैसला– शिकायतों के बीच फिलहाल रुकी मीटर बदलने की प्रक्रिया

**दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत**

**चांदपुर** । स्मार्ट मीटर को लेकर बढ़ते विरोध और उपभोक्ताओं की लगातार शिकायतों के बीच सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। प्रदेश के ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री अ. ड. रँ१ें ने स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। शक्ति भवन, लखनऊ में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान मंत्री ने विद्युत व्यवस्था की गहन समीक्षा की। इस बैठक में पारदर्शिता, उपभोक्ता हित और व्यवस्था की प्रभावशीलता को ध्यान में रखते हुए कई अहम निर्णय लिए गए। तकनीकी जांच पूरी होने तक नहीं बदलेंगे मीटर ऊर्जा मंत्री ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री ड्ड्ढँ अ३ि८ल्लंइ के निर्देशन में गठित तकनीकी समिति जब तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं कर देती और उसकी विस्तृत जांच नहीं हो जाती, तब तक पुराने बिजली मीटरों को स्मार्ट मीटर में बदलने की प्रक्रिया पूरी तरह से स्थगित रहेगी।बढ़ते विरोध ने सरकार को लिया एक्शन में प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्मार्ट मीटर को लेकर उपभोक्ताओं द्वारा बिजली बिलों में अचानक बढ़ोतरी, प्रीपेड रिचार्ज प्रणाली की दिक्कतें और तकनीकी खामियों को लेकर शिकायतें दर्ज कराई जा रही थीं। कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन भी हुए, जिससे सरकार पर निर्णय लेने का दबाव बढ़ा। उपभोक्ताओं को मिली राहत, अब रिपोर्ट का इंतजार सरकार के इस फैसले से फिलहाल उपभोक्ताओं को राहत मिली है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि विद्युत सेवाओं को अधिक पारदर्शी और भरोसेमंद बनाया जाए तथा उपभोक्ताओं की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए। अब प्रदेश में स्मार्ट मीटर की व्यवस्था आगे बढ़ेगी या उसमें बदलाव किया जाएगा, यह पूरी तरह तकनीकी समिति की रिपोर्ट पर निर्भर करेगा।

# सोशल मीडिया पोस्ट से मचा बवाल, युवक पर धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप, सीएम Yogi Adityanath से हस्तक्षेप की मांग

**दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत**

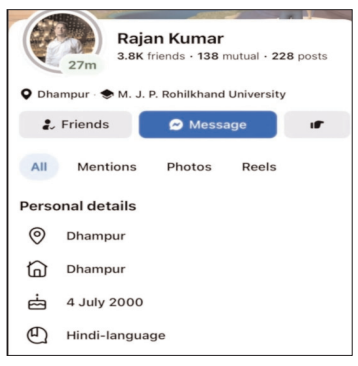

**चांदपुर** । जनपद के धामपुर क्षेत्र में सोशल मीडिया पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर विवाद गहरा गया है। एक युवक पर करणीसेना सहित अन्य हिन्दू संगठनों के खिलाफ अभद्र टिप्पणी कर धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लगाया गया है, जिसके बाद विभिन्न संगठनों में नाराजगी फैल गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, धामपुर निवासी राजन कुमार पुत्र हरपाल सिंह पर आरोप है कि उन्होंने सोशल मीडिया पर हिन्दू संगठनों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की। मामला सामने आते ही स्थानीय लोगों और संगठनों ने इसका विरोध शुरू कर दिया और सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। पदाधिकारियों के बयान प्रदेश उपाध्यक्ष प्रशांत तोमर (विश्व हिन्दू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ, उत्तर प्रदेश) प्रशांत तोमर ने कहा कि इस प्रकार की अभद्र टिप्पणियां किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार नहीं की जा सकतीं। उन्होंने कहा कि यह सीधे-सीधे धार्मिक भावनाओं को आहत करने का प्रयास है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि आरोपी के खिलाफ तत्काल सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। प्रदेश उपाध्यक्ष स्वाति तोमर (विश्व हिन्दू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ, उत्तर प्रदेश) स्वाति तोमर ने कहा कि सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर समाज में वैमनस्य फैलाना बेहद चिंताजनक है। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषी को सजा दिलाने की मांग की। प्रदेश मंत्री व चैनल इन चीफ सिटी न्यूज ऑल इंडिया एवं वरिष्ठ पत्रकार नागेन्द्र सिंह राजपूत नागेन्द्र सिंह राजपूत ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना गलत है। उन्होंने पारदर्शी जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग की। जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा (विश्व हिन्दू महासंघ गौ रक्षा प्रकोष्ठ) दीपक शर्मा ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होगा। सीएम से हस्तक्षेप की मांग संगठनों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ड्ड्ढँ अ३ि८ल्लंइँ से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। उनका कहना है कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और धार्मिक सौहार्द को सुरक्षित रखने के लिए ऐसे मामलों में त्वरित और सख्त कार्रवाई बेहद जरूरी है। प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग स्थानीय लोगों और संगठनों ने प्रशासन से अपील की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लाई जाए और यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। फिलहाल इस मामले को लेकर क्षेत्र में माहौल संवेदनशील बना हुआ है और सभी की नजर प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हुई है।

CMYK

दैनिक
# बुलन्द मंज़िल
बिजनेस
संभल
सोमवार, 20 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)


## संक्षिप्त समाचार

### स्मार्टफोन निर्यात में गिरावट, शिपमेंट 3% घटा

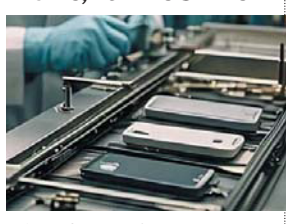

**नई दिल्ली।** जनवरी से मार्च 2026 तक भारत के स्मार्टफोन निर्यात में गिरावट दर्ज की गई है। काउंटरपॉइंट रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक, 2026 के पहले तीन महीनों के दौरान भारत के स्मार्टफोन शिपमेंट में सालाना आधार पर 3 फीसदी की गिरावट आई। ये पिछले छह वर्षों में सबसे कमजोर प्रदर्शन है। आपूर्ति लागत में बढ़ोतरी, कंपनियों द्वारा कीमतें बढ़ाना और कमजोर उपभोक्ता मांग इन तीनों कारकों ने बाजार पर दबाव डाला। बढ़ते दामों के कारण खुदरा बिक्री पर असर पड़ा, जबकि लॉन्च गतिविधियां अधिक होने के बावजूद बिक्री में अपेक्षित तेजी नहीं आई। 15,000 रुपये से कम वाले फोन की बिक्री में सबसे अधिक कमी आई है।

### उप्र में आलू खरीद को मंजूरी, चना किसानों को भी बड़ी राहत

**लखनऊ।** केंद्र सरकार ने किसानों के हित में एक बड़ा और राहत भरा फैसला लिया है। केंद्रीय कृषि मंत्री ने उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के किसानों के लिए अहम घोषणाएं की हैं। इन फैसलों का मकसद किसानों को उनकी फसल का सही दाम दिलाना और उन्हें मजबूरी में सस्ते दाम पर फसल बेचने से बचाना है। सरकार चाहती है कि किसान को उसकी मेहनत का पूरा फायदा मिले और बाजार में कीमतें संतुलित बनी रहें। उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए सबसे बड़ी खबर आलू खरीद को लेकर आई है। सरकार ने बाजार हस्तक्षेप योजना के तहत 20 लाख मीट्रिक टन आलू खरीदने की मंजूरी दी है। इसके लिए 6,500 ।9 रुपये प्रति मीट्रिक टन का मूल्य तय किया गया है। इसका मतलब है कि किसानों को अब बहुत कम कीमत पर आलू बेचने की मजबूरी नहीं होगी।

### आईसीआईसीआई बैंक को 13,702 करोड़ रुपए का तिमाही मुनाफा

**मुंबई।** निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक को वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 13,702 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ जो सालाना आधार पर 8.5 प्रतिशत अधिक है। बैंक ने शनिवार को वित्तीय परिणामों की घोषणा की। बैंक के निदेशक मंडल ने प्रति शेयर 12 रुपये के अंतिम लाभांश की अनुशंसा की है। तिमाही के दौरान बैंक को ब्याज से 22,979 करोड़ रुपये की शुद्ध आय हुई जो 8.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। शुल्क के रूप में उसने 6,779 करोड़ रुपये की कमाई की। बैंक द्वारा दिया गया कुल बकाया ऋण 31 मार्च 2026 को 15,53,893 करोड़ रुपये था जो एक साल पहले के मुकाबले 15.8 फीसदी अधिक है।

समुद्री व्यापार को मिलेगी सुरक्षा

# केंद्रीय कैबिनेट ने 12,980 करोड़ रुपए के भारत मैरीटाइम इंश्योरेंस पूल को दी मंजूरी

■ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने समुद्री व्यापार को सुरक्षित बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नए मैरीटाइम इंश्योरेंस पूल को मंजूरी दे दी है। इस पहल का उद्देश्य भारतीय जहाजों और भारत से जुड़े समुद्री व्यापार को बीमा सुरक्षा देना है। केंद्र सरकार ने इसके लिए 12,980 करोड़ रुपए की संप्रभु गारंटी भी दी है, ताकि बीमा कवरेज निर्बाध बना रहे। उल्लेखनीय है कि यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता और जोखिम तेजी से बढ़ रहे हैं। इस पहल के माध्यम से समुद्री व्यापार में सुरक्षा और स्थिरता लाने की कोशिश की जा रही है। इसे भारत की समुद्री अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

**क्यों जरूरी पड़ा यह इंश्योरेंस पूल?**

हाल के समय में भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक अस्थिरता बढ़ी है। इसके कारण जहाजों और कार्गो से जुड़े जोखिमों में इजाफा हुआ है। बीमा कंपनियों ने इन जोखिमों के चलते प्रीमियम बढ़ा दिए हैं। कई बार बीमा उपलब्धता भी चुनौती बन जाती है, खासकर जोखिम भरे समुद्री मार्गों पर। ऐसे में भारत के व्यापार पर इसका सीधा असर पड़ सकता है। सरकार का मानना है कि यह नया पूल भारतीय व्यापार को सस्ती और भरोसेमंद बीमा सुविधा देगा। खासतौर पर उन जहाजों को लाभ मिलेगा जो उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों से गुजरते हैं।

**किन-किन जोखिमों को मिलेगा कवर?**

यह नया मैरीटाइम इंश्योरेंस पूल कई महत्वपूर्ण जोखिमों को कवर करेगा। इसमें जहाज की संरचना और मशीनरी से जुड़े जोखिम शामिल होंगे। साथ ही कार्गो, पीएंडआई और युद्ध से जुड़े जोखिम भी कवर किए जाएंगे। इससे समुद्री व्यापार को व्यापक सुरक्षा मिलेगी। बीमा पॉलिसी सदस्य कंपनियों द्वारा जारी की जाएगी। इन कंपनियों की कुल अंडरराइटिंग क्षमता लगभग ?950 करोड़ होगी। यह व्यवस्था बीमा प्रक्रिया को अधिक संगठित और प्रभावी बनाएगी।

### विदेशी बीमा पर निर्भरता कम करने की कोशिश

वर्तमान में भारत समुद्री बीमा के लिए काफी हद तक विदेशी संस्थाओं पर निर्भर है। विशेष रूप से प्रोटेक्शन एंड इंडेम्निटी (पीएंडआई) क्लब्स पर निर्भरता अधिक है। ये क्लब्स तीसरे पक्ष के जोखिम जैसे तेल रिसाव, माल नुकसान और दुर्घटनाओं को कवर करते हैं। अगर वैश्विक प्रतिबंध या तनाव बढ़ते हैं, तो इन सेवाओं में बाधा आ सकती है। ऐसी स्थिति में भारत के व्यापार पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। नया इंश्योरेंस पूल इस निर्भरता को कम करने में मदद करेगा। साथ ही, यह भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी कदम है।

### घरेलू विशेषज्ञता और सिस्टम को मिलेगा बढ़ावा

अहम बात यह है कि इस पहल का एक बड़ा उद्देश्य देश में विशेषज्ञता विकसित करना भी है। इस पहल के माध्यम से समुद्री बीमा से जुड़े अंडरराइटिंग और क्लेम मैनेजमेंट को मजबूत किया जाएगा। इसके साथ ही कानूनी प्रक्रियाओं में भी सुधार होगा। भारतीय परिस्थितियों के अनुसार बीमा उत्पाद तैयार किए जाएंगे। यह कदम भारत के नियामकीय ढांचे के अनुरूप होगा। लंबे समय में यह देश की समुद्री क्षमता को बढ़ाने में मदद करेगा। कुल मिलाकर, यह पहल व्यापार, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता तीनों को मजबूत करेगी।

# अक्षय तृतीया से पहले 17 बैंकों को सोना-चांदी आयात की मंजूरी

■ नई दिल्ली

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने शुक्रवार को प्रमुख 15 बैंकों को सोने और चांदी के आयात की अनुमति दे दी है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), एचडीएफसी बैंक, पंजाब नैशनल बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, ऐक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और इंडस्ट्रियल ऐंड कमर्शियल बैंक ऑफ चाइना (आईसीसीबी) सहित 15 प्रमुख बैंक को सोना और चांदी का आयात कर सकेंगे। अनुमति पाने वाले अन्य बैंकों में बैंक ऑफ इंडिया, डॉयचे बैंक, फेडरल बैंक, इंडसइंड बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, करूर वैश्य बैंक, आरबीएल बैंक और येस बैंक शामिल हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा अधिकृत बैंकों की सूची अप्रैल 2026 से मार्च 2029 तक वैध रहेगी। इसके अलावा यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और एसबीईआर बैंक को इसी अवधि के दौरान केवल सोने का आयात करने की अनुमति दी गई है। एमके रिपोर्ट के मुताबिक अधिसूचना के इंतजार में सीमा शुल्क निकासी के बिना लगभग 5 टन सोना और 8 टन चांदी अटकी हुई थी, जो आम तौर पर प्रत्येक वित्त वर्ष की शुरुआत में जारी की जाती है। अब इस अधिसूचना के बाद बैंक सीमा शुल्क से इन खेपों को क्लियर कर सकेंगे। दुबई के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत भारत 5 प्रतिशत रियायती शुल्क पर (मानक 6 प्रतिशत) 200 टन तक सोने के आयात की अनुमति देता है।

वित्त वर्ष 2026 में भारत ने 72 अरब डॉलर के सोने का आयात किया, जो सालाना आधार पर 24 प्रतिशत अधिक है, जबकि चांदी का आयात 12.1 अरब डॉलर रहा, जो सालाना आधार पर 150 प्रतिशत बढ़ा है। एमके की मुख्य अर्थशास्त्री माधवी अरोड़ा ने कहा, 'हम इसे एक अस्थायी बाधा के रूप में देखते हैं, न कि सराफा आयात को रोकने के लिए एक नीतिगत कदम के रूप में।' खासकर अक्षय तृतीया से पहले हुई यह देरी सोने के बाजार के लिए व्यवधान के रूप में देखी गई, क्योंकि बैंकों द्वारा नया आयात न किए जाने से आपूर्ति कम हो गई। देरी के कारण मौजूदा स्टॉक से निकासी, एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) रिडंपशन और उपलब्ध इन्वेंट्री महंगी हो सकती थी। बहरहाल बाजार के प्रतिभागियों को उम्मीद थी कि व्यवधान अल्पकालिक होगा। डीजीएफटी अधिसूचना जारी होने के बाद टाइटन, कल्याण ज्वैलर्स इंडिया, तंगा मायिल ज्वेलरी, पीएन गाडगिल ज्वेलर्स, पीसी ज्वेलर, ब्लूस्टोन ज्वेलरी, और स्काई गोल्ड ऐंड डायमंड्स सहित आभूषण निर्माताओं के शेयरों में दिन के दौरान गिरावट आई। हालांकि उन्होंने बाद में गिरावट की भरपाई की और उनके शेयर बगैर घटबढ़ के या मामूली घटकर बंद हुए।

# भारत दुनिया का भरोसेमंद निवेश ठिकाना- पांडे

एजेंसी ■ नई दिल्ली

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत के पूंजी बाजार को स्थिर तथा भरोसेमंद निवेश के रूप में देखा जा रहा है। उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक के दौरान सेबी प्रमुख तुहिन कांत पांडे ने कहा कि भारत अब वैश्विक स्तर पर एक स्थिर पूंजी केंद्र के रूप में उभर रहा है। देश का कुल बाजार पूंजीकरण लगभग 4.4 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच गया है। तकनीक, स्वास्थ्य सेवा और ऊर्जा जैसे विविध क्षेत्रों में निवेश के अवसरों ने इस धारणा को और मजबूत किया है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत ने इक्विटी और ऋण बाजारों के जरिए कुल 154 अरब डॉलर की पूंजी जुटाई है। वर्ष 2025 में भारत प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की संख्या के मामले में दुनिया में पहले स्थान पर, जबकि जुटाई गई पूंजी के मामले में तीसरे स्थान पर रहा।

# नवीन जिंदल ने प्राथमिकी में वेदांता चेयरमैन का नाम शामिल करने पर जताई चिंता

एजेंसी ■ नई दिल्ली

जिंदल स्टील एंड पावर के चेयरमैन नवीन जिंदल ने छत्तीसगढ़ में हाल में बॉयलर फटने की घटना की प्राथमिकी में वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल का नाम शामिल किये जाने पर चिंता व्यक्त की है। श्री जिंदल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में श्री अग्रवाल के प्रति समर्थन व्यक्त किया और जांच पूरी होने से पहले उनका नाम प्राथमिकी में शामिल किये जाने पर सवाल उठाये। उस प्लांट के संचालन में उनकी (श्री अग्रवाल की) कोई भूमिका नहीं थी। जब सार्वजनिक कंपनियों के प्लांटों में या रेलवे में दुर्घटनाएं होती हैं, तो क्या हम चेयरमैन का नाम लेते हैं? नहीं लेते। यही मानक निजी क्षेत्र पर भी लागू होना चाहिये। वेदांता के चेयरमैन पहली पीढ़ी के कारोबारी हैं, जो एक साधारण और पिछड़े समुदाय से आते हैं। उन्होंने बिल्कुल जमीनी स्तर से एक वैश्विक उद्यम खड़ा किया। उन्होंने जांच के दौरान अटकलों की बजाय साक्ष्यों के आधार पर निर्णय लेने पर जोर दिया।

# एचडीएफसी बैंक का तिमाही मुनाफा 9.1 प्रतिशत बढ़कर 192.2 अरब पर

एजेंसी ■ मुंबई

निजी क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता एचडीएफसी बैंक को वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में एकल आधार पर 192.2 अरब रुपये का शुद्ध लाभ हुआ जो सालाना आधार पर 9.1 प्रतिशत अधिक है।

बैंक के निदेशकमंडल की शनिवार को हुई बैठक में वित्तीय परिणामों के साथ अंतिम लाभांश को भी मंजूरी प्रदान की गयी। एक रुपये अंकित मूल्य के प्रत्येक शेयर पर 13 रुपये का अंतिम लाभांश मिलेगा। इसके अलावा बैंक ने पिछले साल 11 अगस्त को 2.50 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश भी दिया था। इस प्रकार वित्त वर्ष के दौरान कुल लाभांश 15.5 रुपये प्रति शेयर हो जाएगा।

तिमाही के दौरान बैंक का शुद्ध राजस्व पांच प्रतिशत बढ़कर 462.8 अरब रुपये पर पहुंच गया। पूरे वित्त वर्ष के दौरान शुद्ध मुनाफा 10.9 फीसदी और शुद्ध राजस्व 13.62 फीसदी बढ़ा है। बैंक ने साल के दौरान 746.7 अरब रुपये का शुद्ध मुनाफा और 1,912.2 अरब रुपये का शुद्ध राजस्व कमाया है।बैंक ने बताया कि अंतिम तिमाही में ब्याज से उसकी शुद्ध आय 330.8 अरब रुपये रही जो सालाना 3.2 प्रतिशत अधिक है। बैंक ने शुल्क और कमीशन के रूप में 92.2 अरब रुपये की कमाई की। बैंक द्वारा दिया गया कुल बकाया ऋण 31 मार्च 2026 को 29.600 अरब रुपये था जो एक साल पहले के मुकाबले 12 फीसदी अधिक है। इसमें खुदरा ऋण की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत और एसएमई को दिये गये ऋण की 17.2 प्रतिशत रही है। वहीं, अन्य थोक ऋण में 13 फीसदी का इजाफा हुआ है। बैंक की गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) के अनुपात में सुधार देखा गया है।

दिल्ली थोक जिंस बाजारों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा

# वनस्पति 71 रुपए एवं सूरजमुखी तेल 55 रुपए हुआ महंगा

■ नई दिल्ली

घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चावल का औसत भाव टूट गया। चावल के साथ गेहूं भी सस्ता हुआ। वहीं, चीनी में तेजी रही जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख देखा गया।

औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत सात रुपये घटकर 3,843 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं भी 11 रुपये सस्ता हुआ और 2,770 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत चार रुपये बढ़ गयी। दाल-दलहनों में उतार-चढ़ाव नजर आया। मूंग दाल औसतन 29 रुपये और उड़द दाल 25 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। मसूर दाल की कीमत 20 रुपये टूट गयी। तुअर दाल 12 रुपये और चना दाल सात रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। वहीं वनस्पति 71 रुपये और सूरजमुखी तेल 55 रुपये महंगा हुआ। स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल की औसत कीमत 159 रुपये और पाम ऑयल की 31 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गयी। सोया तेल की कीमत 53 रुपये और सरसों तेल की 45 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 27 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया। चीनी भी छह रुपये महंगी हुई। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहे।

**दाल-दलहन :** दाल चना 7689.48 रुपये, मसूर काली 8062.03 रुपये, मूंग दाल 10200.10 रुपये, उड़द दाल 10841.55 रुपये, तुअर दाल 11262.65 रुपये प्रति क्विंटल रही।

**अनाज :** (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2769.83 रुपये और चावल 3843.22 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3269.73 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

**चीनी-गुड़ :** चीनी एस 4308.70 रुपये और गुड़ 5024.28 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

**खाद्य तेल :** सरसों तेल 17921.52 रुपये, मूंगफली तेल 18697.83 रुपये, सूरजमुखी तेल 17530.13 रुपये, सोया तेल 14923.28 रुपये, पाम ऑयल 13389.58 रुपये और वनस्पति 14910.15 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

# एसुस के ड्रॉप जोन नेटवर्क में अब 22 और स्टोर शामिल

एजेंसी ■ मुंबई

एसुस इंडिया ने उसकी ड्रॉप जोन पहल को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया के मद्देनजर इस कार्यक्रम का विस्तार 22 अतिरिक्त स्टोर्स तक कर दिया है।

ग्राहकों को बिक्री बाद सेवाओं में बेहतर अनुभव देने के लिए शुरू की गयी ड्रॉप जोन पहल के तहत ग्राहक अब सर्विस के लिए अपने लैपटॉप सीधे एसुस एक्सक्लूसिव स्टोर्स पर जमा कर सकते हैं, जिससे उन्हें अलग से सर्विस सेंटर जाने की जरूरत नहीं पड़ती है। ताइवानी कंपनी असुस की भारतीय इकाई की शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि यह विस्तार खास तौर पर ग्राहकों की पहुंच, सर्विसिंग में लगने वाले समय और ट्रैकिंग से जुड़ी परेशानियों को कम करने के लिए किया गया है, विशेष रूप से उभरते शहरों में। दूसरे चरण के तहत ड्रॉप जोन नेटवर्क का विस्तार दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में किया गया है। इन राज्यों में मेट्रो शहरों के साथ-साथ टियर-2 और टियर-3 शहरों में भी एसुस की सेवा संबंधी पहुंच पहले के मुकाबले और भी मजबूत हुई है। एसुस इंडिया में उपाध्यक्ष अर्नोल्ड सू ने कहा कि कंपनी का फोकस हमेशा ऐसा भरोसेमंद और एक जैसा अनुभव देने पर रहा है, जो सिर्फ उत्पाद तक सीमित न रहे। ड्रॉप जोन पहल का 22 और स्टोर तक विस्तार करना एक बड़ा कदम है, जिससे बिक्री बाद सेवा ग्राहकों के लिए और आसान तथा पारदर्शी बनेगा। कंपनी ने कहा है कि वह अपने ड्रॉप जोन नेटवर्क विस्तार आगे भी जारी रखेगी।

# टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस बनी परिवार के लिए आरामदायक

एजेंसी ■ नई दिल्ली

घर के बुजुर्गों के उपयोग के लिए चढ़ना-उतरना आसान हो, भरपूर जगह हो और खराब रास्तों पर कमर में झटके न लगें, ऐसी कारें सुविधाजनक होती है। ऐसे में कार खरीदने से पहले एक्सपर्ट ने सभी बातों को ध्यान में रखते हुए 5 कारों का परीक्षण किया है, जो सीनियर सिटीजन्स के लिए बेहतरीन मानी जाती हैं।

एक्सपर्ट की माने तो टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस फैमिली के साथ सफर के लिए लाजवाब है। इसकी पीछे की सीटों पर ओटोमन सपोर्ट मिलता है, जिससे बुजुर्ग आराम से पैर फैलाकर बैठ सकते हैं। इसका हाइब्रिड इंजन बेहद शांत है और पीछे के शीशों पर पर्दे धूप से बचाव करते हैं। वहीं महिंद्रा एक्सयूवी कार का सस्पेंशन शानदार है, जो सड़क के गड्ढों को महसूस नहीं होने देता। इसके बड़े खुलने वाले दरवाजे और सॉफ्ट कुशनिंग वाली सीटें बुजुर्गों को अंदर आने-जाने में आसानी देती हैं। गाड़ी की अच्छी ऊंचाई से बाहर का नज़ारा भी साफ दिखता है।

गीली की नई कार ऊर्जा दक्षता को 10 प्रतिशत से अधिक बढ़ाती है

# आई-एचईवी इंटेलिजेंट एनर्जी हाइब्रिड सिस्टम लॉन्च

एजेंसी ■ नई दिल्ली

ऑटोमेकर चाइनीज कंपनी गीली ने अपना अगली पीढ़ी का आई-एचईवी इंटेलिजेंट एनर्जी हाइब्रिड सिस्टम लॉन्च कर दिया है। यह चीन में बढ़ते हाइब्रिड सिस्टम्स की मांग के अनुरूप है। यह सिस्टम 48.41प्रतिशत की रेटेड थर्मल एफिशिएंसी के साथ सबसे अधिक कुशल विकल्पों में से एक है और 45.05 किलोमीटर प्रति लीटर के प्रभावशाली माइलेज का दावा करता है, जिसे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड द्वारा भी प्रमाणित किया गया है। गीली का नया आई-एचईवी सिस्टम कुल ऊर्जा दक्षता को 10 प्रतिशत से अधिक बढ़ाता है। यह केवल हाइब्रिड पावरट्रेन पर निर्भर नहीं करता, बल्कि एक एआई-आधारित एनर्जी मैनेजमेंट सिस्टम पर भी आधारित है।

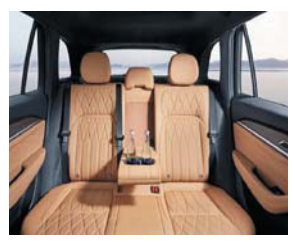

यह एआई ड्राइविंग स्थितियों का अनुमान लगाने की क्षमता रखता है और इस डेटा का उपयोग प्योर इलेक्ट्रिक, सीरीज हाइब्रिड और पैरेलल ड्राइव मोड का चयन करने के लिए करता है, जिससे इंजन को उसकी सबसे कुशल सेटिंग में चलाया जा सके। इस हाइब्रिड सिस्टम की दावा की गई थर्मल एफिशिएंसी 48.4 प्रतिशत है। इसका इलेक्ट्रिक ड्राइव 230 किलोवॉट (313 पीएस) की पावर जेनरेट करता है, जिससे यह सिर्फ 1.84 सेकंड में 0 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेता है। इसे विशेष रूप से शहर के ट्रैफिक में कम रफ्तार पर बेहतर मैन्यूवरेबिलिटी और कुशल ऊर्जा रिकूपरेशन के लिए डिज़ाइन किया गया है। गीली ने अपनी प्रीफ़ेस (ज़िंगरूई) और मोंजारो (ज़िंगयू एल) मॉडल्स में इस नई जनरेशन के आई-एचईवी हाइब्रिड सेटअप का उपयोग करने की योजना बनाई है, जिन्हें इस साल के अंत तक लॉन्च किया जाएगा। डब्ल्यूएलटीसी मानक के अनुसार, प्रीफ़ेस आई-एचईवी 3.98 लीटर/100 किमी (लगभग 25.1 किमी/लीटर) का माइलेज देती है, जबकि मोंजारो आई-एचईवी एसयूवी 4.75 लीटर/100 किमी (लगभग 21.05 किमी/लीटर) का माइलेज देती है। ये आंकड़े मौजूदा मॉडल्स की तुलना में काफी बेहतर हैं।

# इंडियन ऑयल निदेशक के नेतृत्व में राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस का आयोजन

■ नई दिल्ली

इंडियन ऑयल के निदेशक (रिफाइनरीज़), श्री अरविन्द कुमार ने रिफ़ाइनरीज़ मुख्यालय में राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का नेतृत्व किया। यह कार्यक्रम 15 अप्रैल को 'सुरक्षित स्कूल, सुरक्षित अस्पताल और अग्निसुरक्षा के प्रति जागरूक समाज - अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए एकजुट प्रयास' विषय के अंतर्गत आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्री कुमार ने कर्मियों को अग्निसुरक्षा की शपथ दिलाई और कार्यक्रम का थीम पोस्टर जारी किया। उन्होंने प्रोसेस सेफ्टी मैनेजमेंट पर आधारित एक ईलर्निंग मॉड्यूल का भी शुभारंभ किया, जिसका उद्देश्य प्रक्रिया सुरक्षा और दुर्घटनाओं की रोकथाम से जुड़ी बुनियादी समझ को मजबूत करना है। अपने संबोधन में श्री कुमार ने कहा कि रिफ़ाइनरीज़ प्रभाग में प्रक्रिया सुरक्षा प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने जोखिम की पहचान, निगरानी और समय रहते चेतावनी देने के लिए डिजिटल उपकरणों के उपयोग पर भी प्रकाश डाला।

दैनिक
# बुलन्द मंज़िल
उत्तर प्रदेश
संभल
सोमवार, 20 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)


## संक्षिप्त समाचार

### 25 समवशरण महामंडल विधान में 1008 दीपों से हुई मंगल आरती

विधान में उपस्थित जैन समाज के श्रद्धालु।

**आगरा।** उपाध्यायश्री विहसंत सागर महाराज ससंघ के सान्निध्य एवं श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर समिति द्वारा जयपुर हाउस के श्रीराम पार्क में आयोजित 25 समवशरण महामंडल विधान में 1008 दीपों से मंगल आरती की गई। उपाध्यायश्री ने अपनी धर्मदेशना में समवशरण की आठ भूमियों का विस्तार से वर्णन कर धर्म के गूढ़ तत्वों को सरलता से समझाया। इसके उपरांत चक्रवर्ती परिवार द्वारा 1008 दीपकों से भव्य मंगल आरती का आयोजन किया गया। पुण्यार्जक परिवार नरेंद्र जैन के निवास से आरती प्रस्थान हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। इस दौरान समाज के गणमान्य नागरिकों, महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

### परशुराम चौक पर चढ़ने वाले चार आरोपी भेजे जेल

**आगरा।** थाना सिकंदरा पुलिस ने आंबेडकर जयंती पर आवास विकास कॉलोनी में परशुराम चौक पर चढ़कर नीला झंडा फहराने वाले चार युवकों को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया। जानकारी के अनुसार, पुलिस ने शुक्रवार की रात्रि आरोपी दक्ष, शिवम, पुष्पेंद्र ओर प्रशांत को गिरफ्तार किया। सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया। हालांकि अपनी लगभग हर कार्रवाई को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करने वाली कमिश्नरेट पुलिस ने इसे शनिवार शाम तक पोस्ट नहीं किया। न ही गिरफ्तार युवकों का चित्र एक्स पर जारी किए। माना जा रहा है कि पुलिस इन युवकों की गिरफ्तारी के लिए भीमनगरी महोत्सव खत्म होने का इंतजार कर रही थी। पुलिस ने 19 अप्रैल को परशुराम जयंती से पहले इन युवकों की गिरफ्तारी बताकर पूरे प्रकरण को शांत करने का प्रयास किया है।

### रुंधी स्टेशन चेकिंग कर 78 यात्रियों से वसूले 21825

रूंधी स्टेशन पर रेलवे की चेकिंग टीम।

**आगरा।** मंडल रेल प्रबंधक गगन गोयल के दिशा-निर्देश, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य अंकित गुप्ता के नेतृत्व में मण्डल के रुंधी स्टेशन पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान स्टेशन पर रूकने वाली ट्रेनों में जांच की गई। पीआरओ संजय गौतम ने बताया कि अभियाजन में 69 बिना टिकट यात्रियों से 20045, अनियमित यात्रा करने वाले दो यात्रियों से 1030 और रेल परिसर में गंदगी फैलाने पर सात यात्रियों से 700 रुपए वसूले गए। कुल 78 यात्रियों से 21825 रुपए वसूले गए। जांच टीम में मंडल वाणिज्य निरीक्षक भूलेश पांडे, दीपक गुप्ता, मुख्य टिकट निरीक्षक कृष्णा देवी पांडेय अन्य रेलकर्मी, आरपीएफ जीआरपी के जवान मौजूद रहे।

### लीडर्स आगरा महामंत्री ने कमिश्नर को भेंट की पुस्तक

पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार को पुस्तक भेंट करते सुनील जैन।

**आगरा।** लीडर्स आगरा महामंत्री सुनील जैन ने शनिवार को लीडर्स आगरा द्वारा प्रकाशित हमारे बुजुर्ग-हमारी धरोहर पुस्तक पुलिस लाइन स्थित पुलिस कमिश्नर कार्यालय में कमिश्नर दीपक कुमार को भेंट की। इस दौरान उनके साथ समाजसेमवी सुनील बग्गा भी मौजूद रहे।

### बाल कुंभ में बच्चों को दी अच्छे गुणों की जानकारी

बच्चों को जानकारी देते सह जिला बौद्धिक प्रमुख श्याम हरि शर्मा।

**किरावली।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ किरावली नगर की ओर से शनिवार को अनार देवी गोयल सरस्वती विद्या मंदिर उमा विद्यालय में बाल कुंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पर्यावरण संरक्षण, जल एवं ऊर्जा संरक्षण और बच्चों में अच्छे नागरिक गुणों के विकास पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जिला सह बौद्धिक प्रमुख श्याम हरी शर्मा ने अपने संबोधन में पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर विशेष चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सभी को अपने जन्मदिन पर एक वृक्ष लगाकर उसका संरक्षण करना चाहिए। इस अवसर पर सह नगर कार्यवाह सुबोध कुमार, मनोज कुमार, रवीन्द्र कुमार, कृष्ण कांत, ब्रजेश कुमार सहित 102 बालक उपस्थित रहे।

# एजेंसी पर गैस सिलिंडर लेने पहुंची दो बहनों को हॉकरों ने जमीन पर गिराकर लात-घूंसो से पीटा, चार गिरफ्तार

■ घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

■ आगरा

ट्रांस यमुना के नुनिहाई स्थित सरला गैस एजेंसी पर एलपीजी सिलिंडर लेने पहुंचीं दो सगी बहनों के साथ एजेंसी मैनेजर के इशारे पर हॉकरों ने मारपीट कर दी। दोनों बहनों को दौड़ाकर जमीन पर गिराकर लात-घूंसों से पीटा गया। सूचना पर पहुंचे भाई की भी पिटाई कर दी गई। एक बहन ने वीडियो बनाने का प्रयास किया तो उसका मोबाइल फोन तोड़ दिया। एजेंसी पर मौजूद किसी व्यक्ति ने चुपचाप वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इसके बाद हरकत में आई पुलिस ने चार हॉकरों को हिरासत में लिया है।

जानकारी के अनुसार, गुलाब नगर, नरायच निवासी शेर सिंह की पत्नी सुनीता शनिवार को एलपीजी सिलिंडर लेने एजेंसी पर गई थीं। सुनीता ने बताया कि वह पहले कमला नगर में रहती थीं। एक साल पहले ही गुलाब नगर में शिफ्ट हुई हैं। उन्होंने 18 मार्च को

वायरल वीडियो में बहनों को पीटते हॉकर।

सिलिंडर की बुकिंग कराई थी, जिसका मैसेज एक अप्रैल को मोबाइल पर प्राप्त हुआ था। उन्होंने हॉकर से संपर्क किया, तो उसने एजेंसी से सिलिंडर लेने को कहा। एजेंसी पर पहुंची, तो कर्मचारियों ने बताया कि सिलिंडर हॉकर को दे दिया। दोनों बहनों की शादी एक ही परिवार हुई है। दो दिन पहले उनकी छोटी बहन अनीता के सिलिंडर में भी गैस खत्म हो गई। इस पर भाई जय सिंह के घर से सिलिंडर लेकर खाना बनाया। शनिवार को दोनों बहनें एक बार फिर सरला गैस एजेंसी पहुंचीं। उनसे फिर कहा गया कि सिलिंडर हॉकर को दे दिया गया है। आरोप है जब उन्होंने हॉकर अजय से बात की तो उसने मना कर दिया और अभद्रता करने लगा। इस बीच दोनों बहनों की हॉकर से कहासुनी हो गई। आरोप है कि वहां मौजूद अजय, जयवीर, मनोज, अरविंद और उसके साथियों ने सुनीता को जमीन पर गिराकर लात-घूंसों से बेरहमी से पीटा। उन्होंने तुरंत अपने भाई जय सिंह को सूचना दी। भाई जब बहनों को बचाने पहुंचे, तो आरोपितों ने उसे भी दौड़ाकर पीटा। इसी दौरान बहन अनीता वीडियो बना रही थीं, जिसका मोबाइल आरोपियों ने तोड़ दिया और उनके साथ भी मारपीट की। एक अन्य उपभोक्ता ने वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। इंस्पेक्टर एत्माद्दौला देवेंद्र दुबे ने बताया कि मारपीट करने वालों को हिरासत में लिया गया है। उनके खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई की जा रही है। तहरीर पर केस दर्ज किया जाएगा।

## विश्वदाय दिवस पर सेन्ट एन्ड्रूज के विद्यार्थियों ने पर्यटकों का किया स्वागत

किले पर विदेशी पर्यटकों के साथ सेंट एन्ड्रूज के विद्यार्थी और सीएमडी डॉ. गिरधर शर्मा।

■ आगरा।

विश्व बंधुत्व एवं ''वसुधैव कुटुम्बकम'' की भावना से प्रेरित शनिवार को विश्वदाय दिवस पर सेन्ट एन्ड्रूज पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने देशी-विदेशी पर्यटकों का स्वागत किया।

विद्यालय के सीएमडी डॉ. गिरधर शर्मा ने विश्वदाय रैली को हरी झण्डी दिखाकर शुभारम्भ किया। रैली में सभी ऐतिहासिक शासकों व महान विभूतियों जैसे मीरा बाई, झांसी की रानी, हुमायूं, बाबर, अकबर, जहाँगीर, शाहजहाँ, टोडरमल, राजा मान सिंह, बीरबल, तानसेन, नूरजहाँ, मुमताज महल, अनारकली, महाराणा प्रताप, महात्मागांधी, शिवाजी, डॉ. आम्बेडकर आदि के पारम्परिक स्वरूप शामिल थे। कार्यक्रम का संयोजन एनसीसी ऑफीसर आलोक वैष्णव ने किया। एसपी तिवारी, अंजना गुप्ता, जूली दीक्षित, यश गोयल आदि शिक्षक-शिक्षिकाओं का उल्लेखनीय योगदान रहा।

## विश्व धरोहर दिवस पर विद्यार्थियों ने की मेट्रो यात्रा, सहेजने का लिया संकल्प

आंबेडकर चौक स्टेशन पर विद्यार्थियों और शिक्षकों के साथ मेट्रो के अधिकारी।

■ आगरा।

विश्व धरोहर दिवस पर आगरा मेट्रो ने शनिवार को आगरा के गौरवशाली इतिहास एवं धरोहरों को सहेजने की ओर कदम बढ़ाते हुए कार्यक्रमों का आयोजन किया। जिसके तहत विवि की छात्रों ने आंबेडकर चौक मेट्रो स्टेशन पर मनमोहक रंगोली बनाकर विश्व धरोहर दिवस पर ऐतिहासिक इमारतों को सहेजने का संदेश दिया, तो वहीं दूसरी ओर आरबीएस किड्स पैराडाइस स्कूल के नन्हे मुन्हों ने मेट्रो राइड का आनंद लिया एवं यह भी जाना कि मेट्रो रूट कौन-कौन सी विश्व धरोहर स्थलों को जोड़ता है। बच्चों ने साथ मिलकर ये संकल्प लिया कि अपनी धरोहरों, मेट्रो एवं आगरा शहर को स्वयं भी स्वच्छ रखेंगे एवं दूसरों को भी प्रोत्साहित करेंगे।

## विधायक ने नव निर्माण कार्य का किया शिलान्यास

■ किरावली।

शिलान्यास कार्यक्रम में ग्रामीणों को संबोधित करते विधायक चौ. बाबूलाल।

विधानसभा क्षेत्र फतेहपुर सीकरी के विकास खंड फतेहपुर सीकरी के अंतर्गत ग्राम खेड़ा जाट से नगला देविया (ओलेंडा) तक कुल 1800 मीटर मार्ग, जो कि 1 करोड़ 20 लाख रुपए की लागत से निर्मित होगा। इस नव निर्माण कार्य का शिलान्यास व भूमि पूजन ग्राम खेड़ा जाट पर विधायक चौधरी बाबूलाल ने पूर्ण विधि विधान और पूजा अर्चना कर किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार प्रसार के दौरान किये गये वायदे धीरे-धीरे चौतरफा विकासकार्यों के जरिये पूर्ण होते हुये नजर आ रहे है। उक्त मार्ग के निर्माण की माँग ग्रामीणों के द्वारा काफी समय से की जा रही थी, जिसे प्राथमिकता पर रखकर नवनिर्माण कार्य का शुभारंभ हो गया। इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि डॉ. रामेश्वर चौधरी, ओमप्रकाश बाबूजी, गुड्डा फौजी, रामबाबू प्रधान, कमल सिंह, रंजीत चौधरी, धनपाल, सुरेश प्रधान, पूर्व मंडल अध्यक्ष टिकेंद्र सहनपुर , सभासद रामनरेश इंदौलिया, गजेंद्र प्रधान डाबर, अशोक, प्रकाश सिंह प्रधान भोपुर, दीवान सिंह, हरीश प्रधान मंडी मिर्जा खां, भूदेव शर्मा, विशंभर सिंह, चंद्र प्रकाश शर्मा आदि मौजूद रहे।

## छत काटकर घर में घुसे बदमाशों ने परिवार को बंधक बनाकर की लूट

**आगरा।** आगरा के एत्मादुद्दौला क्षेत्र के नगला छदामी में देर रात एक सनसनीखेज डकैती की वारदात सामने आई है। 6 से 7 बदमाशों के गिरोह ने सुनियोजित तरीके से एक घर को निशाना बनाते हुए बड़ी लूट की घटना को अंजाम दिया।

बताया जा रहा है कि बदमाश पहले घर की छत काटकर अंदर घुसे और वहां मौजूद लोगों को तमंचे की नोक पर बंधक बना लिया। विरोध करने पर पीड़ित के साथ मारपीट भी की गई। इसी दौरान गिरोह के अन्य साथी दरवाजा तोड़कर घर में दाखिल हो गए, जिससे परिवार पूरी तरह उनके कब्जे में आ गया। बदमाशों ने पूरे घर को खंगालते हुए करीब साढ़े 30 किलो से अधिक सोना-चांदी और घर में रखा फैक्ट्री का कीमती माल लूट लिया। पूरी वारदात के दौरान परिवार को हथियारों के बल पर बंधक बनाकर रखा गया, जिससे कोई भी मदद के लिए बाहर नहीं जा सका। घटना को अंजाम देने के बाद सभी बदमाश मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। आसपास के इलाकों में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है और बदमाशों की तलाश की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना की गंभीरता को देखते हुए कई टीमें गठित की गई हैं और जल्द ही आरोपियों को पकड़ने का दावा किया जा रहा है।

### सोल फैक्ट्री में लगी आग

**आगरा।** सिकंदरा क्षेत्र स्थित ब्रजदीप कॉलोनी में शनिवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई जब जूते का सोल बनाने वाली एक फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। सुबह करीब 7 बजे आग लगने की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंच गईं।

## मुस्लिमों के धर्मांतरण, लव और कॉर्पोरेट जिहाद से आक्रोशित बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

■ राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन कलेक्ट्रेट में सौंपा

■ आगरा

कलेक्ट्रेट में धरना प्रदर्शन करते विहिप बजरंग दल के कार्यकर्ता।

मुस्लिम संगठनो द्वारा सुनयोजित तरीके से देश में हिन्दुओं के खिलाफ चलाए जा रहे धर्मांतरण, लव जिहाद और कॉर्पोरेट जिहाद जैसे जिहादी षड़यंत्रों के खिलाफ शनिवार को विहिप बजरंग दल ने कलेक्ट्रट पर विशाल धरना प्रदर्शन किया और इस देशव्यापी समस्या को रोकने और आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई के लिए राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन कलेक्ट्रेट में सौंपा।

धर्मांतरण, लव जिहाद, कॉर्पोरेट जिहाद के विरुद्ध बजरंग दल के सैकड़ों कार्यकर्ता ने हरिया की बगीची भारद्वाज आश्रम पर एकत्रित होकर नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। विहिप प्रांत उपाध्यक्ष सुनील पाराशर ने कार्यकर्ताओं से कहा कि देश में संगठित रूप से हिन्दू समाज की आस्था, संस्कृति और सामाजिक संरचना पर प्रहार किए जा रहे है। इन्हें अब किसी भी स्थिति में अनदेखा नहीं किया जा सकता। यदि मतांतरण और लव जिहाद जैसी गतिविधियों पर समय रहते कठोर और निर्णायक कार्रवाई नहीं की गई, तो इसके दूरगामी परिणाम देश और समाज के लिए घातक सिद्ध होंगे। विभाग संगठन मंत्री सुशील कुमार ने कहा कि हिंदू महिलाओं की सुरक्षा, सामाजिक असंतुलन और बढ़ती असुरक्षा की घटनाएं गहरी चिंता का विषय है यह केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि समाज के अस्तित्व और सम्मान का प्रश्न बन चुका है। कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन में नासिक में प्रतिष्ठित टीसीएस संस्था में हुई घटना को अंजाम देने वाले जिहादियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की। इस दौरान दिग्विजय नाथ तिवारी, राजीव शर्मा, बंटी ठाकुर, राहुल जोशी, नवल त्यागी, अजय गर्ग, विनोद माहौर, रामेश्वर सिंह, करन गर्ग, पवन धाकड, कपिल त्यागी, अनुज पाठक, शवम् दुबे, आकाश, अनिल शर्मा, श्याम माहौर, ध्रुव चौहान, सतेंद्र भारद्वाज, नामित चौहान, योगी ठाकुर, रवि तिलोकानी, हिमानी चतुर्वेदी, भूपेंद्र सारस्वत, श्याम किशोर, हिमांशु वर्मा, राहुल, पवन दिवाकर, मनीष अग्रवाल, अनुपम पंडित आदि उपस्थित रहे।

## किसानों ने तहसील दिवस का किया बहिष्कार

■ किरावली

तहसील परिसर में धरने पर बैठे किसान।

जिला स्तरीय अधिकारियों की अनुपस्थिति के कारण किसानों ने तहसील दिवस का बहिष्कार कर दिया। किसानों ने सोमवार को जिलाधिकारी अरविंद मल्लप्पा बंगारी से शिकायत कर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने की बात कही है।

किसान मजदूर नेता चौधरी दिलीप सिंह ने बताया कि तहसील दिवस में केवल नायब तहसीलदार, पुलिस विभाग से सब इंस्पेक्टर और अन्य विभागों के तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी ही फरियाद सुनने पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की अनुपस्थिति के कारण पीड़ितों और फरियादियों को न्याय मिलने की उम्मीद टूट चुकी है। बार-बार शिकायतों के बावजूद सुनवाई नहीं हो रही है। हालांकि तहसीलदार किरावली दीपांकर ने किसानों को उनकी समस्याओं का समाधान कराने का आश्वासन दिया। धरने में दाता राम लोधी, भूपेंद्र इंदौलिया, सत्यवीर चाहर, बाबूलाल बाल्मीकि, मुकेश सविता, अरविंद चौधरी, गंगा राम माहौर, मूला सविता, राजेंद्र सिंह सोलंकी, भूरा सविता, श्रीराम, तेजप्रकाश, राजवीर, हरविलास घूरेलाल, राहुल और कन्हैया लाल आदि किसान मौजूद रहे।

## वरदान वेलफेयर सोसायटी ने विद्यार्थियों को किया जागरूक

■ आगरा

विद्यार्थियों को जागरूक करती पुलिसकर्मी मंजू चौधरी।

वरदान वेलफेयर सोसायटी द्वारा संचालित समाज के भटकते युवा उसके सामाजिक संबंध व उनमें समन्वय जागरूक अभियान का आयोजन शनिवार को कैलाश मोड स्थित कृष्णा कॉलोनी के श्री गैंदा लाल इंटर कॉलेज में चलाया गया।

काउंसलर कृष्ण मुरारी सिंघल और मिशन शक्ति की जिला प्रभारी मंजू चौधरी ने छात्र-छात्राओं को बताया कि जीवन में असफलता बहुत महत्वपूर्ण होती हैं, क्योंकि वही आपको समझाती है कि अपने लक्ष्य के लिए आप कहां गलती कर रहे हैं और आपको अभी कितनी मजबूती की आवश्यकता है। संस्था अध्यक्षा शीतल अग्रवाल और विद्यालय प्रबंधक डॉ. मुकेश ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर पुष्कर कुमार, रवि शर्मा और सैकड़ों विद्यार्थी उपस्थित रहे।

## प्रजापति युवा जनशक्ति मोर्चा की नई कार्यकारिणी गठित, विनोद बने अध्यक्ष

कार्यक्रम मे उपस्थित मोर्चा की नई कार्यकारिणी।

■ आगरा

प्रजापति युवा जनशक्ति मोर्चा की नई कार्यकारिणी का गठन शनिवार को शाहगंज स्थित गंगा गार्डन में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि खादी ग्राम उद्योग के सचिव शंभुनाथ चौबे, भाजपा महानगर उपाध्यक्ष राहुल सागर और राज्यमंत्री पुत्र दिनेश प्रजापति रहे। संस्थापक सोनी कुमार प्रजापति ने बताया कि विनोद प्रजापति ने अध्यक्ष, देवेंद्र प्रजापति ने महामंत्री, रूपेश प्रजापति ने कोषाध्यक्ष, रिंकू प्रजापति, राजकुमार गोला, सत्यप्रकाश प्रजापति, रामअवतार प्रजापति ने उपाध्यक्ष और कुंजी प्रजापति, हेमंत प्रजापति ने संगठन मंत्री, लखमी चंद गोला, रवि शंकर गोला ने मंत्री और सुमित प्रजापति ने मीडिया प्रभारी की शपथ ग्रहण की। संरक्षक राधा रमन गोला ने बताया कि प्रजापति समाज के युवाओं को शिक्षित और सशक्त बनाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। इस अवसर पर वीरी सिंह, किशोर गोला, अंशुल प्रजापति, टीकम सिंह, मंगल सिंह, संजय प्रजापति, चेतराम, सूरज, देव, नवीन, बंटी आदि उपस्थित रहे।

## जूता व्यापारी बोले: ट्रेड टैक्स वापस लो नहीं, तो एमजी रोड़ पर होगा चक्का जाम

बैठक में आंदोलन की घोषणा करते विजय सामा।

■ आगरा

आगरा शू फैक्टर्स फैडरेशन, भीम युवा व्यापार मंडल, भीम युवा व्यापार संगठन के द्वारा शनिवार को हींग की मंडी स्थित फैडरेशन कार्यालय पर बैठक का आयोजन किया गया।

अध्यक्ष विजय सामा ने कहा कि युद्ध के कारण आए मंदी के दौर में नगर निगम ने जूता व्यवसाय पर ट्रेड टैक्स का बोझ लाद दिया है। नगर निगम ने एक मई तक लगाए गए ट्रेड टैक्स को वापस नहीं लिया तो जूता व्यापारी सड़कों पर उतरेंगे, एमजी रोड पर चक्का जाम करने को बाध्य होंगे। भीम युवा व्यापार मंडल अध्यक्ष प्रदीप पिप्पल ने कहा कि 25 कारीगरों से कम के कारखानों को रजिस्ट्रेशन की भी जरूरत नहीं होती। नगर निगम नए नियम बना रहा है। इस अवसर पर अजय महाजन, मनप्रीत सिंह, अनिल लाल, प्रमोद गुप्ता, प्रदीप मेहरा, घनश्याम दास बोहरा, वासूदेव मूलचंदानी, बाबू भाई, डब्बू भाई, प्रमोद जैन, सुधीर महाजन, अतुल कर्दम, रूपेश, करन सिंह, विजय पिप्पल, सुरेंद्र पिप्पल, जितेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

## स्वामी पुरसनाराम साहिब मेला पर सिंधी समाज ने निकाली भव्य शोभायात्रा

शोभयात्रा में शामिल सिंधी समाज के श्रद्धालु।

■ आगरा

साध मोहल्ला, शाहगंज में स्वामी पुरसनाराम साहिब के दो दिवसीय मेला के शुभारंभ पर शनिवार को विशाल शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

पं. भूपेंद्र महाराज ने मेला का शुभारंभ प्रातः हवन-यज्ञ से किया। ध्वजारोहण उपरांत शोभायात्रा ने भोगीपुरा, रुई की मंडी और शाहगंज क्षेत्र का भ्रमण किया। इस दौरान कई स्थानों पर श्रद्धालुओं ने यात्रा पर पुष्प वर्षा की। विशाल भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरा आयोजन पूज्य सिंधी जनरल पंचायत एवं सिंधी युवा मंच, शाहगंज के संयोजन में किया गया। इस अवसर पर साध तुलसीदास, गुरमुख दास, गुरु सेवक श्याम भोजवानी, हेमंत भोजवानी, नरेश लखवानी, हरीश टहल्यानी, लक्ष्मण कल्याणी, रोहित जारानी, तरुन खेमानी, भारत लालवानी, लक्ष्मन भावनानी, विजय खूबचंदानी, गुलशन, वाशु, कन्हैयालाल, पवन, दौलत, लच्छू, कैलाश, विक्की, मनीष आदि उपस्थित रहे।

# अक्षय तृतीया के लिए एक्सीलेंट सिविल अकैडमी ट्रस्ट ने जिला प्रशासन के साथ मनाया सतर्कता दिवस

**एक्सीलेंट सिविल अकैडमी ट्रस्ट जिला प्रशासन, पंचायतों, स्कूलों और धर्मगुरुओं के साथ मिलकर जिले को बाल विवाह मुक्त बनाएगा : वीके सिंह**

**बुलंद मंजिल /अनिल चौधरी**

**हाथरस।** जिले में बाल अधिकारों की सुरक्षा व बाल विवाहों की रोकथाम के लिए काम कर रहे संगठन एक्सीलेंट सिविल अकैडमी ट्रस्ट ने अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाहों की रोकथाम के लिए सतर्कता दिवस मनाया। इसमें बाल विवाह निषेध अधिकारी सीमा मौर्या और आशा यूनिटों ने भी सहयोग दिया और जिले में बाल विवाह की रोकथाम का संकल्प दोहराया। एक्सीलेंट सिविल अकैडमी ट्रस्ट जिला प्रशासन, पंचायतों, स्कूलों और धर्मगुरुओं के साथ मिलकर जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए स्कूलों, पंचायतों और गांवों में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता अभियान चला रहा है और जिले में हजारों लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई है। संगठन खास तौर से बाल विवाह के लिहाज से संवेदनशील अक्षय तृतीया जैसे मौकों पर प्रशासन व सरकार के सहयोग से इसकी रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाता रहा है। एक्सीलेंट सिविल अकैडमी ट्रस्ट देश में बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए 250 से भी अधिक नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है। जिले में अब तक बाल विवाह के खिलाफ अभियान की सफलता पर संतोष जाहिर करते हुए एक्सीलेंट सिविल अकैडमी ट्रस्ट के निदेशक विवेक सिंह ने कहा कि अक्षय तृतीया के शुभ दिन की आड़ में बाल विवाह जैसे अपराध को कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता। प्रशासन व नागरिक समाज संगठनों की सतर्कता से अब अक्षय तृतीया के दिन होने वाले बाल विवाहों की संख्या में खासी कमी आई है लेकिन हमें इसे पूरी तरह रोकने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि चंद वर्षों पहले तक लोगों को यह भी नहीं पता था कि नाबालिग बच्चों की शादी बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम (पीसीएमए), 2006 के तहत दंडनीय अपराध है। इसमें किसी भी रूप में शामिल होने या सेवाएं देने पर दो साल की सजा व जुमार्ना या दोनों हो सकता है। इसमें बाराती और लड़की के पक्ष के लोगों के अलावा कैटरर, साज-सज्जा करने वाले डेकोरेटर, हलवाई, माली, बैंड बाजा वाले, मैरेज हाल के मालिक और यहां तक कि विवाह संपन्न कराने वाले पंडित और मौलवी को भी अपराध में संलिप्त माना जाएगा और उन्हें सजा व जुमार्ना हो सकता है। लेकिन जमीन पर हमारे गहन जागरूकता अभियानों से जागरूकता बढ़ी है और हालात बदले हैं। अब लोग बाल विवाहों की सूचना दे रहे हैं और प्रशासन तुरंत इसकी रोकथाम के लिए कार्रवाई कर रहा है। यह एक उल्लेखनीय बदलाव है और हमें विश्वास है कि हम 2030 से पहले ही जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लक्ष्य को हासिल कर लेंगे। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन 250 से भी ज्यादा सहयोगियों के साथ बाल विवाह की ऊंची दर वाले देश के 450 से भी ज्यादा जिलों में इस अपराध के खिलाफ अभियान चला रहा है। इस नेटवर्क ने अब तक पांच लाख से ज्यादा बाल विवाह रोके हैं।




# लक्ष्य फाउंडेशन की सराहनीय पहल: निशा लोधी को विवाह हेतु दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान




**अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल**

**हाथरस।** लक्ष्य फाउंडेशन, हाथरस टीम द्वारा एक सराहनीय सामाजिक पहल करते हुए आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की सहायता की गई। यह पहल श्री अमर पाल सिंह लोधी (कमर), अपर आयुक्त, भारत सरकार के नेतृत्व में की गई।

इस दौरान निशा लोधी, पुत्री श्रीमती विमलेश देवी को 2 लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया। बताया गया कि निशा के पिता का कुछ वर्ष पूर्व निधन हो गया था, जिसके बाद परिवार आर्थिक कठिनाइयों से जूझ रहा था। आगामी 24 अप्रैल को निशा के विवाह को देखते हुए यह सहायता उनके परिवार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष अजय राजपूत, जिलाध्यक्ष शेखर राजपूत, महामंत्री धर्मवीर सिंह, मंडल मीडिया प्रभारी विक्रम सिंह लोधी, हरवीर सिंह, योगेंद्र राजपूत, शिव सिंह प्रधान, मानपाल प्रधान, शेर सिंह, कृष्णकांत कौशिक, वीरेश शर्मा, रिंकू शर्मा, शिव कुमार सहित लक्ष्य फाउंडेशन के अनेक पदाधिकारी एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

लक्ष्य फाउंडेशन द्वारा की गई यह पहल समाज में सहयोग, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों को प्रोत्साहित करने वाली बताई जा रही है।

# अवैध कटान रोकने में रहे नाकाम, चंद रिकवरी कर फर्मा रहे आराम, हाथरस में बेखौफ लकड़ी माफिया,

**-सड़कों पर दौड़ती ट्रैक्टर-ट्रालियां, नहीं कोई रोक-टोक**






**अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल**

**हाथरस।** जिले में हरे पेड़ों के अवैध कटान का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि सड़कों पर खुलेआम लकड़ी से लदी ट्रैक्टर-ट्रालियां दौड़ती नजर आती हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग मूकदर्शक बना हुआ है। आरोप है कि यह पूरा खेल वन विभाग की सरंक्षण में चल रहा है, जिससे लकड़ी माफियाओं के हौसले बुलंद हैं।

एक ओर सरकार करोड़ों रुपये खर्च कर वृक्षारोपण अभियान चला रही है, पर्यावरण संरक्षण के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उन्हीं पेड़ों को बेरहमी से काटकर जंगल और हरियाली को खत्म किया जा रहा है। यह दोहरी व्यवस्था न सिर्फ सरकारी नीतियों पर सवाल खड़े करती है, बल्कि पर्यावरण के भविष्य के लिए भी गंभीर खतरा बन चुकी है।

जिले के विभिन्न इलाकों में सक्रिय ठेकेदारों और माफियाओं का एक संगठित नेटवर्क काम कर रहा है। ये लोग रात के अंधेरे में ही नहीं, बल्कि दिनदहाड़े भी पेड़ों का कटान कर रहे हैं। कटान के बाद लकड़ी को बिना किसी रोक-टोक के आरा मशीनों तक पहुंचाया जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि ये वाहन मुख्य सड़कों से होकर गुजरते हैं, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति होती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इससे साफ जाहिर होता है कि इस पूरे खेल में कहीं न कहीं विभागीय मिलीभगत है। यदि यही हाल रहा तो आने वाले समय में जिले की हरियाली पूरी तरह समाप्त हो सकती है। अब सवाल यह उठता है कि आखिर कब तक वन विभाग इस अवैध कटान पर आंखें मूंदे रहेगा? और क्या प्रशासन इस पर्यावरणीय लूट को रोकने के लिए कोई सख्त कदम उठाएगा या फिर माफियाओं का यह खेल यूं ही चलता रहेगा?

# हाथरसः गिजरौली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की श्री गुरुजी शाखा का वार्षिक उत्सव सम्पन्न

**स्वयंसेवकों ने किया योग-व्यायाम व शारीरिक कौशल का प्रदर्शन**







**अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल**
**बुलंद मंजिल**

**हाथरस।** गिजरौली स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की श्री गुरुजी शाखा द्वारा वार्षिक उत्सव का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। इस अवसर पर गणवेशधारी स्वयंसेवकों ने चंदन-तिलक के साथ योग, व्यायाम, दंड प्रहार, नियुद्ध आदि शारीरिक कौशलों का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिला प्रचारक जय किशोर एवं नगर संघ चालक डॉ. पी.पी. सिंह द्वारा भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया।

मुख्य वक्ता जिला प्रचारक जय किशोर ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि शाखा व्यक्ति निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि शाखा के माध्यम से सामाजिक समरसता विकसित होती है तथा स्वयंसेवक आपसी सहभागिता के साथ एक-दूसरे के परिवारों से भी जुड़े रहते हैं। उन्होंने कहा कि जिस क्षेत्र में शाखा सक्रिय रहती है, वहां संस्कारयुक्त वातावरण का निर्माण होता है।

उन्होंने आगे कहा कि संघ समाज को सकारात्मक दिशा देने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है तथा अपने शताब्दी वर्ष के अंतर्गत ह्लपंच परिवर्तनह्व के माध्यम से संस्कारित समाज निर्माण का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने स्वदेशी, स्वधर्म, स्वराज, पर्यावरण संरक्षण, कुटुम्ब प्रबोधन एवं नागरिक कर्तव्यों के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राजीव प्रताप सिंह ने की, जबकि संचालन सह नगर कार्यवाह अमित गौतम ने किया। इस अवसर पर नगर प्रचारक शिवम, नगर सह शारीरिक प्रमुख विपिन, नगर सह सेवा प्रमुख राजू, शरद तिवारी, रामहरी चाहर, अशोक गौड़, कृष्ण गोपाल, अरविंद, हरेंद्र सहित अनेक स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

# हर्षोल्लास से मनाया भगवान परशुराम जन्मोत्सव



**बुलंद मंजिल / प्रदीप अग्रवाल**

**मथुरा।** भगवान विष्णु के छठे अवतार, अस्त्र-शास्त्र के महान ज्ञाता भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव लक्ष्मी दास हॉल, गांधी पार्क चौक बाजार में बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्वानों द्वारा वैदिक रीति-रिवाज एवं मंत्रोच्चारण के बीच भगवान परशुराम जी का दूध, दही, शहद, घी, बूरा, केसर, चंदन तथा गंगा-जमुना के पवित्र जल से अभिषेक किया गया।

अभिषेक के पश्चात भगवान परशुराम जी को सुंदर वस्त्र धारण कराकर सुसज्जित फूल बंगले में विराजमान किया गया। इसके बाद भगवान को सत्तू, तरबूज, खरबूजा, जलेबी, कचौड़ी, मिल्क रोज सहित विभिन्न व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया। तत्पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम में भगवान परशुराम शोभायात्रा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित रामगोपाल शर्मा, महामंत्री बंसीलाल शर्मा, विशेष सहयोगी मनोज शर्मा, बॉबी भैया, गजेंद्र शर्मा, वरिष्ठ अधिवक्ता ओ.पी. उपाध्याय, उपाध्यक्ष पंडित अखिलेश गौड़ सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

महिला समिति की जिला अध्यक्ष भावना शर्मा एवं महानगर अध्यक्ष गुंजन शर्मा ने अपनी टीम के साथ अभिषेक में सहभागिता की। उनकी टीम में रुचि द्विवेदी, संगीता सारस्वत, सीमा शर्मा, शालिनी शर्मा, गंगा रानी, प्रियंका शर्मा, कीर्ति शर्मा, मोहिनी आचार्य, रजनी शर्मा, ज्योत्सना एवं छाया गौतम सहित अन्य महिलाएं शामिल रहीं।

अभिषेक के बाद आयोजित विचार गोष्ठी में समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित रामगोपाल शर्मा एवं महामंत्री बंसीलाल शर्मा ने कहा कि आज समय की मांग है कि समाज के सभी लोग आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट हों और भगवान परशुराम जी के बताए मार्ग पर चलें।

इस अवसर पर पंडित अखिलेश कुमार, सर्वेश शर्मा, मान प्रकाश शर्मा, सुनील शर्मा, संजय शर्मा, श्याम शर्मा, आशीष शर्मा, अर्जुन शर्मा, संजय हरियाणा सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए भगवान परशुराम जी के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

# चौथ वसूली मामले में आयुर्वेद फैक्ट्री की डायरेक्टर ने पुलिस पर उठाए सवाल, डीआईजी आफिस पंहुची मोहता

**आरोपी खुलेआम घूम रहे बाहर, पुलिस की कार्यवाही पर नाराजगी, पुलिस जांच जारी, आपसी विवाद की भी आशंका**





**अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल**

**हाथरस** गेट कोतवाली क्षेत्र स्थित श्री मोहता आयुर्वेद भवन की डायरेक्टर निवेदिता मोहता ने अपने साथ हुई कथित चौथ वसूली की घटना में पुलिस की कार्रवाई पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने के बावजूद आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की है और सभी आरोपी खुलेआम बाहर घूम रहे हैं।

निवेदिता मोहता का कहना है कि ऐसे अपराधी किसी भी समय बड़ी घटना को अंजाम दे सकते हैं, लेकिन पुलिस इस मामले में ढीला रवैया अपना रही है। उन्होंने कहा कि वह इस संबंध में उच्च अधिकारियों से शिकायत करेंगी और आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर जेल भेजने की मांग करेंगी।

गौरतलब है कि यह मामला हाथरस गेट कोतवाली क्षेत्र का है, जहां 8 अप्रैल को श्री मोहता आयुर्वेद भवन की फैक्ट्री में चार लोगों द्वारा कथित रूप से घुसकर पांच लाख रुपये की चौथ वसूली और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया था। शिकायत के अनुसार, आरोपियों में हर्ष शर्मा शामिल है, जो पहले कंपनी में एमआर के रूप में कार्यरत था। वह अपने तीन अन्य साथियों के साथ फैक्ट्री में पहुंचा और कथित रूप से रुपये की मांग की। विरोध करने पर निवेदिता मोहता और उनके पुत्र राजवंस मोहता को जान से मारने की धमकी देने का आरोप भी लगाया गया है।

पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, हालांकि पुलिस का कहना है कि यह मामला आपसी पैसे के विवाद से जुड़ा हो सकता है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही।

# सपा के जीतने पर ब्राह्मणों को मिलेगा सम्मान : विमलेश कुमारी




**बुलंद मंजिल**

**चंदौसी।** ब्राह्मण शक्ति संघ द्वारा आयोजित भगवान परशुराम जी की भव्य शोभायात्रा में शामिल सपा नेत्री विमलेश कुमारी ने कहा कि सपा सरकार आने पर ब्राह्मणों का पूर्ण सम्मान मिलेगा। चंदौसी में रविवार को भगवान परशुराम जी जयंती धूमधाम से मनाई गई। सपा नेत्री विमलेश कुमारी ने भगवान विष्णु के छठे अवतार, शस्त्र और शास्त्र के ज्ञाता भगवान परशुराम जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनका आशीर्वाद लिया। इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए ब्राह्मण शक्ति संघ का हृदय से आभार जताया। कहा कि आपका स्नेह ही मेरी ताकत है। ब्राह्मणों को सबसे ज्यादा सम्मान यदि किसी राजनीतिक पार्टी ने दिया है तो वह समाजवादी पार्टी ने दिया है। जिसके संस्थापक नेताजी मुलायम सिंह यादव ब्राह्मणों के सबसे बड़े हमदर्द थे। मुलायम सिंह यादव ने प्रबुद्ध प्रकोष्ठ सम्मेलनों का आयोजन किया। जहां उन्होंने ब्राह्मण समाज की तारीफ में कसीदे पढ़े और कहा कि अन्याय के खिलाफ परशुराम की तरह खड़े होकर समाज को मजबूत बनाना चाहिए। सपा सरकारों में ब्राह्मणों को विधानसभा - लोकसभा में प्रमुख टिकट दिए। 2022 में 5 ब्राह्मण विधायक और लोकसभा में सनातन पांडेय जैसे नेता ने जीत हासिल की। 2024 में बागपत जैसे क्षेत्रों में ब्राह्मण कार्ड खेला गया। अखिलेश सरकार ने ब्राह्मण बाहुल्य इलाकों में स्कूल-कॉलेज बनवाए। रोजगार योजनाएं चलाईं और परशुराम जयंती को राज्योत्सव का रूप देते हुए परशुराम जयंती के अवकाश का शासनादेश जारी किया। आज समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने वादा किया कि 2027 में सपा सरकार बनने पर भगवान परशुराम जयंती पर अवकाश घोषित होगा। यह मुलायम जी के सपनों को साकार करने का कदम होगा।

# एक्सक्लूसिव : देश सेवा करने वाले फौजी मरीजों को फ्री ओपीडी सेवा दे रहे- डॉ. रतनेश गुप्ता



**अंकित गोस्वामी / बुलंद मंजिल**

**महाराजगंज।** देश सेवा करने वाले फौजी मरीजों के लिए महाराजगंज के केएमजी अस्पताल ने अनोखा कदम उठाया है। जिसकी जनपद भर के साथ हर जगह तारीफ हो रही है। यहां फौजी मरीजों के लिए अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. रतनेश गुप्ता ने फौजी मरीजों के लिए अपने निजी अस्पताल में फ्री ओपीडी सेवा देने का काम शुरू कर दिया है। महाराजगंज जिले के सिंदुरिया सिसवा बाजार के सुभाष नगर चोखराज स्कूल के निकट संचालित केएमजी हॉस्पटिल ने जल्द ही अपनी अलग पहचान बना ली है। मरीजों की भीड़ उमड़ रही है। अस्पताल का शुभारंभ प्रधानाचार्य पद से सेवानिवृत्त डायरेक्टर की माता मीरा देवी ने किया था। उनका सपना था कि बेटा अस्पताल का शुभारंभ करने के बाद गरीबों व फौजी मरीजों की सेवा के लिए कदम उठाए। अपनी माता के बताए कदमों पर चलते हुए ही उन्होंने जल्द ही गरीबों मरीजों की मदद व फौजी मरीजों के लिए निश्शुल्क ओपीडी सेवा देना शुरू कर दिया है। अस्पताल के डायरेक्टर डॉ रतनेश गुप्ता ने कहा कि जैसा कि हम जानते है। सीमा पर खड़े सैनिक हमारे लिए कभी भी गोली खाने को तैयार रहते हैं। ये देश के ऐसे योद्धा हैं जो देश की रक्षा और हमारी रक्षा के लिए अपनी चिंता नहीं करते है। दिन, धूप , गर्मी, बरसात सभी मौसम में ये चट्टान की तरह हमारी रक्षा के लिए तैयार रहते है। इन योद्धाओं के लिए एक विशेष केएमजी अस्पताल काम कर रहा है। जहां उन्हें और उनके परिवार को सभी तरह की सुविधाएं मिलती हैं।

# The Silence of the Maple Leaf: Why Nancy Grewal's Murder Must Be Canada's Final Warning

The quiet, tree-lined streets of LaSalle, Montreal, were never meant to be a battlefield. Yet, the brutal killing of Nancy Grewal—a 45-year-old personal support worker and outspoken critic of Khalistani extremism—has transformed a peaceful Canadian suburb into a scene of primal, ideological savagery. Stabbed 18 times outside a client's home in March, Grewal did not just fall victim to a random act of violence. Her death is the logical, albeit horrific, conclusion of a systemic failure by the Canadian state to recognize a burgeoning "gangster-extremist nexus" that is now consuming the Indo-Canadian diaspora from within.

For years, the "saner elements" of the Punjabi diaspora have watched with growing dread as a vocal, radicalized fringe hijacked the community's narrative. Nancy Grewal was one of the few who refused to look away. Through her social media platforms, she challenged the rhetoric of secessionism and identified the toxic overlap between ideological radicalism and organized crime. Her reward for this civic courage was a campaign of intimidation that included 40 death threats and a literal arson attack on her home last November. Despite her desperate pleas to the police—famously captured in a CBC interview just days before her death where she stated, "I don't feel safe here"—the Canadian security apparatus failed her.

**The Myth of the 'Isolated Incident'**

The initial response from local law enforcement, labeling Grewal's murder an "isolated incident," is not just a failure of investigation; it is a failure of imagination. In Canada's current climate, no killing of a political critic can be viewed in isolation. We are witnessing a pattern where the lines between international geopolitics, domestic extremism, and street-level gang warfare have blurred into a single, lethal spectrum.

From the assassination of Hardeep Singh Nijjar to the targeted killings of critics like Grewal, Canadian soil is being used as a staging ground for a conflict that the federal government seems either unwilling or unable to comprehend. When gangsters and "activists" share the same platforms, the same funding networks, and the same enemies, the distinction between a "criminal" and a "terrorist" becomes academic. For the victim bleeding out on a LaSalle driveway, the semantics of the Canadian Criminal Code offer no comfort.

> For years, the "saner elements" of the Punjabi diaspora have watched with growing dread as a vocal, radicalized fringe hijacked the community's narrative. Nancy Grewal was one of the few who refused to look away.

**The Hostage Diaspora**

The Indo-Canadian community is one of the most successful immigrant groups in the world, yet they are increasingly living under a "double-bind" of fear. On one side, they are targets for radical recruiters who use religious and ethnic identity as a cudgel; on the other, they are marginalized by a Canadian political establishment that views the community through the lens of vote-bank politics.

The "saner majority"—the doctors, engineers, and workers like Grewal who simply want to build a life in their adopted home—feel abandoned. They see pro-Khalistani elements openly glorifying violence, displaying posters of "martyred" terrorists, and threatening anyone who dares to speak for a united India or even a moderate Sikhism. When the state fails to prosecute those who incite violence under the guise of "freedom of speech," it effectively grants a heckler's veto to the most radical voices. This silence is a message to the moderate majority: You are on your own.

**Institutional Paralysis and Global Reputation**

Canada's reputation as a safe, rule-of-law democracy is currently in freefall. The RCMP and CSIS appear to be caught in a loop of reactive surveillance rather than proactive enforcement. The dossiers shared by Indian intelligence—detailing the presence of fugitives and organized crime bosses operating from Canadian cities—are often dismissed as "foreign interference." Yet, the bodies on Canadian streets suggest that the real interference is the one occurring in the shadows of Brampton and Surrey, where gangs and extremists operate with a sense of total impunity.

If Canada is to restore its internal security, it must stop treating these incidents as PR crises to be managed and start treating them as national security threats to be dismantled.

**This requires:**

1. Dismantling the Financial Pipeline: Following the money that flows from legitimate businesses into the coffers of extremist organizations.
2. Zero-Tolerance for Intimidation: Criminalizing the digital and physical harassment of community critics, ensuring that a "Nancy Grewal" never has to report 40 threats without a single arrest being made.
3. Ending the Political Flirtation: Federal and provincial leaders must unequivocally distance themselves from groups that advocate for the balkanization of foreign nations through violent means.

**The High Cost of Apathy**

The tragedy of Nancy Grewal is that her death was preventable. She provided the names, she provided the footage of the arson, and she provided the warning. Her murder is a stain on the Canadian promise of "Peace, Order, and Good Government."

As Indo-Canadian groups across the country voice their mounting safety fears, the Trudeau administration must realize that the Maple Leaf cannot continue to provide shade for those who sharpen their knives in its shadow. The "saner elements" of the diaspora are ready to reclaim their community, but they cannot do it while looking over their shoulders.

The time for diplomatic platitudes and "isolated incident" labels is over. Canada must bring the killers of Nancy Grewal to book, and more importantly, it must break the back of the extremist infrastructure that emboldened them. To do anything less is to admit that in the world's most famous multicultural haven, the gun has become more powerful than the law.

# Where is the Mumbai Horizon

**Shreya Sharma**

Mumbai's intimacy with the sea is a famous affair. People of this city arrive at the seaside at any opportunity that presents itself. A Sunday, a quiet afternoon, a tired evening. They step out of musty squalors crowded with housemates and laundry, sprint away from the sensory mayhem of traffic and construction, and avoid the general assaults on their privacy to sit at the shore and hook their eyes on far-away nothingness. The horizon is a respite from everything else. It reminds them of space — of there being something larger than the immediacy of everyday life — and beckons them to breathe.

But something different has been happening of late. Now, when people go to meet the sea, they see the oneness of sea and sky injured by sprawling urbanisation, by the roadways being built from Marine Drive to Worli, Worli to Bandra, Bandra to Versova, and Versova to Bhayander. Essentially, across Mumbai's entire coast.

To object to the coastal roadways is to pronounce yourself an irrational and imbecilic romantic. While I can't honestly claim I'm neither of those, let me be clear: I am not anti-development. I am not against easier mobility. I wholeheartedly support better traffic flow and less congestion. Most of all,

> The horizon is a respite from everything else. It reminds them of space of there being something larger than the immediacy of everyday life and beckons them to breathe.

I do not reject change. I live in a city where change personifies itself more manifestly than anywhere else. But the existence of the city is changing now in a way entirely unforeseen. Along with the country, I suppose. And the gap between who it helps and who it affects is swelling rapidly.

Who rides the roads?

Before I talk about the esoteric subject of this article, which is the death of a horizon, I must address the material, positive claims of the coastal road network. I must do this to have you take my spiritual claims seriously, and to make a case for why the material benefits do not outweigh the metaphysical costs.

The roadways serpenting the Arabian Sea coast of Mumbai are said to have freed up the life of an average commuter. The highway projects cut down travel time by various impressive figures. For the Brihanmumbai Municipal Corporation (BMC) and the state government, they are game-changers in Mumbai's congestion. And they really do ease life — for some. The rest remain stuck in congestion, in longer and longer bus queues, and in the frustration of poorer public services.

The coastal roadways are built exclusively for cars. Two-wheelers, rickshaws, and heavy vehicles are banned, while bus routes do not traverse. The inadequate expansion of public transportation systems due to their exclusion from urban planning runs alongside the promotion of car-infrastructure. A bus, on average, carries the load of eight cars, but the number of operational BEST buses has been dwindling over the years. With the BMC — India's richest municipal body — substantially diverting funds away from public transport services, BEST's fleet of buses is about a half of what it was 15 years ago. At the same time, the number of cars on the road has grown to 2.75 times, almost triple, of what it was 15 years ago. Even then, as of 2024, merely 48 lakh (4.8 million) people rely on private vehicles for daily commute, of which only 14 lakh (0.14 million) rely on cars (others on two-wheelers), whereas 108.7 lakh (10.87 million) people continue to rely on public transport. So, there are 7.8 times more people using public transport (excluding auto rickshaws and cabs) than private cars. To put it simply, Mumbai's urban infrastructure increasingly favours less than one-eighth of the population. (Courtesy: DTE)

# When Fitness Fades

A long-running Swedish study has followed adults for nearly five decades, uncovering when physical decline truly begins. Fitness and strength start slipping around age 35, then worsen gradually with age.

The encouraging twist: adults who began exercising later still improved their physical capacity by up to 10 per cent. It's a powerful reminder that staying active matters, even if you start late.

A long-running Swedish study conducted at Karolinska Institutet has followed people for 47 years to examine how fitness, strength, and muscle endurance evolve during adulthood. The findings show that physical performance begins to decline around age 35.

The research is part of the Swedish Physical Activity and Fitness study (SPAF), which tracked several hundred randomly selected men and women between the ages of 16 and 63.

Published in the Journal of Cachexia, Sarcopenia and Muscle, the study offers rare long-term insight into how physical capacity changes over decades rather than snapshots at a single point in time.

Most earlier research in this area relied on cross-sectional data, comparing different age groups rather than following the same individuals.

In contrast, the SPAF study repeatedly measured fitness and strength in the same participants across Sweden for nearly half a century, making it one of the most comprehensive efforts of its kind.

The results show that both fitness and strength start to decrease as early as age 35, regardless of how much people trained earlier in life. From that point forward, physical decline continues gradually and tends to speed up with advancing age.

Despite this pattern, the researchers found encouraging evidence that exercise remains valuable at any stage. Participants who became physically active during adulthood increased their physical capacity by 5-10 per cent.

"It is never too late to start moving. Our study shows that physical activity can slow the decline in performance, even if it cannot completely stop it. Now we will look for the mechanisms behind why everyone reaches their peak performance at age 35 and why physical activity can slow performance loss but not completely halt it," says Maria Westerstahl, lecturer at the Department of Laboratory Medicine and lead author of the study.

# Who is Afraid of Women's Empowerment and Delimination?

**Akshay Bansal**
BJPYM - NEC

Recently, the Constitution Amendment Bill to tweak the women's quota law along with the Delimitation Bill, and the Union Territories Laws (Amendment) Bill has been defeated in the Lok Sabha. Delimitation exercises haven't been held since 1976 and, for the years, successive governments have ignored to touch this issue as it would open a Pandora's box and left it to time. It requires both courage and sensitivity to bring diverse regional interests and political groups onto a common platform for the nation's long-term stability. For years, the women's reservation bill faced opposition from various factions like the Congress, SP and RJD the parties which frequently talk about women's empowerment, but when it comes to taking action, their dual character is exposed. The Prime Minister's sensitivity towards women's issues has been evident since he assumed office in 2014. This is reflected in policies and schemes such as the construction of toilets for women under the Swash Bharat Abhiyan, the Ujjwala Yojana, and women-centric housing initiatives. The enactment of the Nari Shakti Vandan Adhiniyam, 2023, is another expression of this commitment to advancing women's empowerment. This move, which will increase representation of women in Lok Sabha and state assemblies to 33%, could be one of the most fundamental changes in democracy since independence. Our gram sabras are evident in this grassroots revolution. The Modi government decided to break the ice by de-linking Delimitation exercise with the last preceding census. As George Bernard Shaw said, "Progress is impossible without change, and those who cannot change their minds cannot change anything." In 2023, when the government passed the Nari Shakti Vandan Bill, the opposition was demanding immediate enactment. Now, when it's implementing they want It should be based on the 2027 census that means women's reservations will apply by 2034.

Already we've missed the boat. To execute it immediately, the government proposed to expand Lok Sasha seats from 543 to 850 and increase state representation equally on the 50% increase formula. Instead of cutting down on one state for another, using 2011 census data along with interstate balance is protected for different states while increasing the total number of seats to accommodate growth of the population in the next 50 years. Article 82 of the Indian constitution provides for the re-adjustment of constituencies of Lok Sabha and state assembly after each census. The idea behind that is that the value of each vote cast across the country has a similar value. It should not be like Bellary & Begusarai's voting values differ. There are 120 Lok Sabha seats where the population is more than 20 lakhs. How one parliamentarian can represent such large number of people. It is practically impossible. Seats haven't increased since 1976, but the population has increased from 50 crore to 140 crore. This move will make the Indian democratic system more representative, inclusive and equitable, as the current average size of the constituencies is 22 lakhs per constituency, but after delimitation it will be 14 lakhs. The Opposition and several southern states have registered their protest, arguing that they may lose their share in Parliament. Here the government debunked the propaganda which divides the northern south, creating fear for the central government that South India or Punjab will lose their political representation. It would increase the existing allocation by a fixed percentage of 50% so that the overall proportion between the states will remain unchanged. As the opposition can accuse the government of undermining the Constitution, there seems to be no logic, even as presented by the Home Minister in parliament presented

In five south Indian states, there will be an increase of seats from 129 to 195, where their representation will increase from 23.76% to 23.87%. Hence, the increasing number of 50% of seats is directly related to the Nari Shakti Vandan Adhiniyam. Within the purview of the new formula Bihar and Tamil Nadu will get the same 20–20 seats at the same time. In Gujarat, Rajasthan, and Andhra Pradesh, there will be an increment of 13–13 seats, while North and south divided politics have no answer to this. Let us assume for a minute if delimitation happens on the 2011 population census, then the southern states will be at a disadvantage, or even if it happens in the 2027 census, there will be no gain. In any case, it's a golden chance for the Southern States. Unfortunately, political calculations have once again overridden the larger public good. It is not a matter of celebration that the government's agenda has been defeated it is a matter of shame that we have not moved beyond mediocrity and have failed to meet the aspirations of women and representative democracy.

दैनिक बुलन्द मंज़िल

Glamour

संभल
सोमवार, 20 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)



# DILJIT DOSANJH CALLS 'KYA KAMAL HAI' AN HONOUR, PRAISES A. R. RAHMAN

The makers of the upcoming film "Main Vaapas Aaunga" on Saturday unveiled the track 'Kya Kamaal Hai', which celebrates hope amid challenging times. Actor Diljit Dosanjh says that working with Oscar-winning composer AR Rahman doesn't feel like work, as he calls it an honour. Diljit said in a statement: "'Kya Kamal Hai' is very close to my heart. There's a certain honesty in this song... it makes you pause and just feel, without trying too hard. Working with Imtiaz Ali Sir is always special because his world feels real, nothing forced, nothing superficial."

"With A. R. Rahman sir, it doesn't feel like work... it's an honour to be working with someone as legendary as him. And Irshad Kamil bhai's words... they come straight from the heart and land there."

He added: "There's a lot of noise and chaos around us today, but this song has a certain stillness. It reminds you to slow down, breathe, and just be in the moment."

The film's first song- Kya Kamaal Hai, brings together the collaboration between the global sensation Diljit and Rahman.

Kya Kamaal Hai draws its inspiration from the love that refused to fade away when everything else was lost during the partition era. The song reminds us of the beautiful world we live in, one where love is abundant, happiness outweighs sorrow, and togetherness breaks every barrier, offering both tenderness and resilience in equal measure.

According to Imtiaz Ali, "All of us are going through a tumultuous time today. The world is burning, towns and cities have been devastated, everybody is insecure."

"This reminds us of the time of partition of our country in 1947, which has left behind hurt but also beautiful stories of enduring love. The first song is a dream collaboration - Diljit Dosanjh, A. R. Rahman and Irshad Kamil; we bring it out with love at a time where all of us need hope and positivity – Kya Kamaal Hai!" Ali added.

AR Rahman said that working with Imtiaz and Irshad always feels like continuing a conversation that never really ended.

"With Diljit, there was a beautiful sense of reflection from the world created by the script. We had already shared creative space on Chamkila, but this time we collaborated in a more direct musical way."

He said that in a film that "speaks about separation and displacement, the idea was to create something that gently stays with you, especially in a time when there is so much happening around the world."

"'Kya Kamaal Hai' carries longing and the beauty we fail to see, which is screened by the noise of violence- sometimes, music just has to echo the beauty of silence and poetry."

Lyricist Irshad Kamil shared that "Kya Kamaal Hai" is not a song; it is a world.

"A wonderful world where nothing ever goes wrong, neither within nor without. Kya Kamaal Hai is definitely not a song, but a dream! A shared and collective dream of love, peace, and hope. This dream reflects on the beauty of the world."

Kamil added that it also tries to imagine a world without any pain or problems, a world with no tears and no fears.

"I feel this song will work as a soul -soother for all. Although this is a Hindi film song, but the feeling is beyond languages and countries."

Main Vaapas Aaunga is set in Imtiaz Ali's evocative world of love and longing, starring Diljit Dosanjh, Naseeruddin Shah, Sharvari Wagh and Vedang Raina in pivotal roles. Produced by Sameer Nair and Deepak Segal of Applause Entertainment and Mohit Choudhary and Shibasish Sarkar of Window Seat Films, the film releases in cinemas on June 12.

Kumar Taurani, Tips Music, said, " Bringing for the first time an original song by Diljit Dosanjh and A. R. Rahman together under Imtiaz Ali's storytelling makes 'Kya Kamaal Hai' truly special."

"This song brings a sense of peace that connects to the listeners deeply and stays with you long after it ends; it reflects our commitment to meaningful and soulful music that resonates with today's audiences."

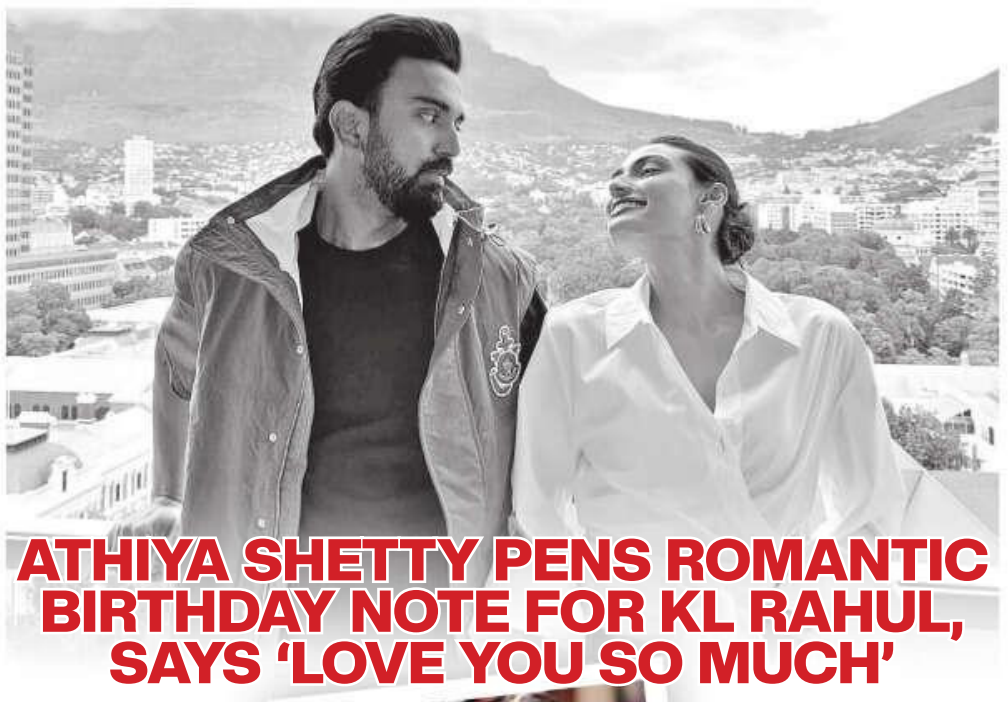

# ATHIYA SHETTY PENS ROMANTIC BIRTHDAY NOTE FOR KL RAHUL, SAYS 'LOVE YOU SO MUCH'

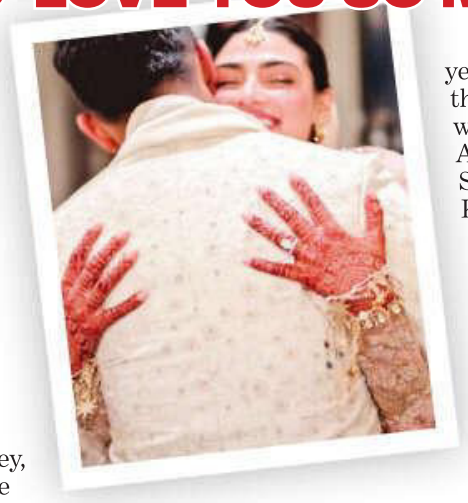

On his 34th birthday on Saturday, actress Athiya Shetty penned a mushy note for her cricketer husband KL Rahul, whom she tagged as "my person" and said that she loves him "so much."

Athiya took to Instagram, where she shared a handful of pictures of their journey, starting from marriage to parenthood, and even some memorable moments like getting inked together.

"Happy birthday my person, love you so much," Athiya wrote as the caption.

Rahul and Athiya first crossed paths in January 2019 through a mutual friend, and they immediately hit it off. Over the years, their bond grew stronger, leading to a relationship that flourished.

After dating for several years, the couple tied the knot in 2023. Their wedding took place at Athiya's father Suniel Shetty's farmhouse in Khandala.

They welcomed their daughter last year and named her Evaarah, which means "Gift of God".

Athiya and Rahul in a collaborative post on Instagram revealed the name of their daughter. They also shared a beautiful picture of the cricketer holding the baby while Athiya looked at her lovingly. "Our baby girl, our everything. Evaarah - Gift of God."

The two revealed the name of their daughter on Rahul's 33rd birthday on Friday. The couple took to their Instagram story section and shared that their daughter has been named Evaarah, V.R. (Evaarah Vipula Rahul)."

# *Shilpa Shetty calls on fans to stay fit and stay active on National Exercise Day*

Actress and fitness enthusiast Shilpa Shetty, on account of National Excercise Day, shared a powerful message on consistency and self-discipline, with a motivating workout video montage.

Taking to her social media account, Shilpa posted a compilation of clips capturing her engaging in various forms of exercise.

from yoga poses in a lush outdoor setting to strength training and Pilates in the interiors of her house, Shilpa was seen doing it all.

She wrote, "Showing up doesn't always look the same. Some days it's easy, some days it's the last thing you want to do... but it still counts.. On National Exercise Day, just a small reminder to keep going. #SwasthRahoMastRaho #FitIndia."

Accompanying the video, the actress highlighted how while some days workouts may feel effortless, on others they may feel like a task, yet every bit of effort is important.

The 50-year-old actress 50-year-old advocate of healthy eating and better living for years now.

The actress often posts videos and photos of herself engrossed in workouts, on her social media account.

Recently, Shilpa was seen performing a few yoga stunts with her little daughter Samisha.

She had shared the video on her social media account where the little girl was seen trying her best to match up to her mom while doing yoga.

Shilpa wrote, "My little yogi, my biggest motivation to be healthy and strong, my kids.... Stretching, laughing, growing together... my favourite kind of bonding. Starting young builds strong bodies and calm minds. Because balancIt'sn't taught... it's lived, through the habits we build early on."

# Preity Zinta on Prabhsimran Singh: *Never heard him complain or come late when he sat on the bench*

Actress Preity Zinta, who is the co-owner of Punjab Kings, has heaped praise on her team member Prabhsimran Singh and talked about his his journey, lauding his soft-spoken demeanor and discipline despite time on the bench.

A social media user on X, formerly called Twitter, talked about his transformation from an expensive, untested IPL gamble to a fearless match-winner shaped by years of patience and setbacks on the bench.

Preity took to the comment section and described Prabhsimran Singh as "soft spoken, well behaved and extremely sweet."

She went on to say: "His mom makes food and brings it to the hotel ( Best Kadi Chawal & Bhartha among other things ) for the entire team every IPL.I never heard him complain or come late when he sat on the bench."

The actress says she beams with pride as she watches him shine in matches.

"Watching him shine fills me up with so much joy cuz nothing is more rewarding than to see a good guy win. Sorry I couldn't help commenting on ur write up as it popped up in my timeline," she concluded the post.

Punjab Kings (PBKS) bowling coach Sairaj Bahutule on April 17 heaped praise on Prabhsimran Singh for his sensational batting efforts and said the wicketkeeper-batter has been a key reason behind team's consistent run-scoring over the past couple of years.

Prabhsimran continued his rich vein of form, anchoring the chase with an unbeaten 80 off just 39 deliveries, registering his second consecutive half-century.

"Prabhsimran is a sensational player. He has shown great consistency at the top and adapts well to match situations, ensuring we get strong starts. He has been a key reason behind our consistent run-scoring over the past couple of years," Bahutule said.

# Sanya Malhotra praises Patralekhaa, calls her an *'incredible producer'*

Actress Sanya Malhotra has heaped praise on actress turned producer Patralekhaa, further calling her an "incredible producer" who brought immense creative value to their latest project Toaster.

Speaking about her experience in an exclusive conversation with IANS, Sanya said, "You know, Patralekhaa is an incredible producer. Why? Because she is also an incredible actor."

Sanya further elaborated on how the debutant producer Patralekhaa, was of thorough help to Sanya even while fixing the niti gritties of her character in the movie. "When we were trying to find Shilpa, she was really helpful. There were times when I didn't know what I wanted for her in terms of look, she really helped me. The saree I wore for a scene, it was her idea, the colour, the shape."

She added, "I am so glad that I had her. Because there are times when you are trying to figure out a character and you think what the look should be, but she is such an incredible actor. She really helped me in that process."

Elaborating further on her project choices, Sanya also opened up about what drew her to the film Toaster.

The actress shared that she was looking to explore something light-hearted and enjoyable as a performer, and found toaster just at the right time.

# पूर्व विधायक शेख सुलेमान के आवास पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, 350 मरीजों का हुआ परीक्षण

दैनिक बुलंद मंज़िल/
मौहम्मद फैजान

**अफजलगढ़।** नगर के मोहल्ला मुमताज हुसैन स्थित पूर्व विधायक शेख सुलेमान के आवास पर रविवार को इमेज अस्पताल एवं इन्फिनिटी केयर की ओर से निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में लगभग 350 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया।

शिविर का शुभारंभ पूर्व विधायक शेख सुलेमान, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. रजत अग्रवाल एवं डॉ. अब्दुल मलिक ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

शिविर में नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ डॉ. रजत अग्रवाल, सामान्य चिकित्सक एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अमृता सिन्हा, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सलमान, डॉ. आयुषी सक्सेना तथा बीयूएमएस डॉ. अब्दुल मलिक ने मरीजों का परीक्षण किया। मरीजों के बीपी, शुगर, वजन, आंखों तथा बीएमआई की जांच भी की गई।

इमेज अस्पताल एवं इन्फिनिटी केयर के यूनिट मार्केटिंग मैनेजर प्रदीप कुमार ने बताया कि असंतुलित खानपान और तनावपूर्ण दिनचर्या के कारण लोग विभिन्न बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने लोगों से समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराने और संतुलित जीवनशैली अपनाने की अपील की।

पूर्व विधायक शेख सुलेमान ने शिविर में पहुंचे सभी लोगों और अस्पताल की टीम का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. आदिल अली, शेख निजाम, शेख फैसल, मोहम्मद फारूक, अब्दुल खालिद, मोहम्मद सूफियान, शेख अब्दुल वाहिद, ओसामा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

# मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डीएमसी रविता राठी को किया सम्मानित, श्री सोमनाथ यात्रा के लिए दी शुभकामनाए

दैनिक बुलंद मंज़िल/ उप
जिला प्रभारी मौहम्मद
फैजान

**बिजनौर।** जानकारी के अनुसार दिनांक 19 अप्रैल 2026 को लखनऊ में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंच पर आमंत्रित कर बिजनौर डीएमसी रविता राठी को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री जी ने उन्हें पवित्र गंगाजल का कलश भेंट करते हुए श्री सोमनाथ यात्रा के लिए हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान कीं।

कार्यक्रम के दौरान जैसे ही डीएमसी रविता राठी को मंच पर बुलाया गया, उपस्थित जनसमूह ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री जी द्वारा दिया गया यह सम्मान उनके सामाजिक, प्रशासनिक एवं जनसेवा कार्यों की सराहना के रूप में देखा जा रहा है। सम्मान प्राप्त करने के पश्चात डीएमसी रविता राठी ने माननीय मुख्यमंत्री जी का हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी के हाथों सम्मानित होना उनके जीवन का अत्यंत गौरवपूर्ण, प्रेरणादायक और अविस्मरणीय क्षण है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उन्हें समाज और जनता की सेवा के लिए और अधिक ऊर्जा एवं प्रेरणा प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री जी द्वारा श्री सोमनाथ यात्रा के लिए दी गई शुभकामनाओं को रविता राठी ने अपने लिए आशीर्वाद बताते हुए कहा कि इस पावन यात्रा से उन्हें आध्यात्मिक ऊर्जा एवं नई प्रेरणा प्राप्त होगी।कार्यक्रम में मौजूद गणमान्य व्यक्तियों, अधिकारियों एवं आमजन ने इस अवसर पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए डीएमसी रविता राठी को शुभकामनाएं दीं। यह सम्मान समारोह क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा और सभी ने इसे गौरवशाली एवं प्रेरणादायक क्षण बताया।

# आभा फाउंडेशन का विशाल नेत्र चिकित्सा शिविर सफल, 1380 मरीजों की जांच, 176 मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित

दैनिक बुलंद
मंज़िल/मौहम्मद फैजान

**बिजनौर/चांदपुर।** जनसेवा की मिसाल पेश करते हुए आभा फाउंडेशन द्वारा रविवार को फादरसन पब्लिक स्कूल, स्याऊ में छठा निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों और जरूरतमंद लोगों ने पहुंचकर अपनी आंखों की जांच कराई तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लिया।

शिविर में कुल 1380 लोगों की आंखों की जांच की गई। जांच के दौरान 176 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया, जबकि 705 लोगों को चश्मे की आवश्यकता पाई गई। वहीं करीब 500 मरीजों को मौके पर ही निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। फाउंडेशन की ओर से बताया गया कि चश्मे के लिए चिन्हित किए गए 705 लाभार्थियों को 20 अप्रैल 2026 को फादरसन पब्लिक स्कूल, स्याऊ, चांदपुर में चश्मे वितरित किए जाएंगे।

मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों को 30-30 के समूहों में आर.सी. हॉस्पिटल बिजनौर भेजा जाएगा, जहां अलग-अलग तिथियों पर उनके ऑपरेशन कराए जाएंगे। ऑपरेशन से संबंधित सभी खर्च, आने-जाने की व्यवस्था, अस्पताल में ठहरने और भोजन की सुविधा का वहन फाउंडेशन द्वारा किया जाएगा। लाभार्थियों को निर्धारित तिथि पर सुबह 9 बजे स्कूल पहुंचना होगा। यह उल्लेखनीय है कि आभा फाउंडेशन इससे पहले भी पांच सफल नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित कर चुका है, जिनसे हजारों लोगों को लाभ मिला है।

संस्था की संस्थापिका आभा सिंह ने कहा कि उनका उद्देश्य क्षेत्र से मोतियाबिंद जैसी गंभीर समस्या को पूरी तरह समाप्त करना है। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन लगातार इस दिशा में कार्य करता रहेगा ताकि कोई भी बुजुर्ग आंखों की परेशानी से परेशान न रहे।शिविर की सफलता से क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है और लोगों ने फाउंडेशन के इस जनहितकारी प्रयास की सराहना की।

# रक्तदान कर मोहम्मद सलमान ने पेश की इंसानियत की नई मिसाल

दैनिक बुलंद मंज़िल/
सलीम हैदर

**बरूकी।** इंसानियत और समाज सेवा की अनोखी मिसाल पेश करते हुए मोहम्मद सलमान ने रक्तदान कर जरूरतमंदों के लिए जीवन की नई उम्मीद जगाई। उनके इस नेक कार्य से क्षेत्र में प्रेरणा और जागरूकता का संदेश पहुंचा है। रक्तदान के दौरान मोहम्मद सलमान ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा महादान है, क्योंकि इससे सीधे किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन मिलता है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में कई मरीज ऐसे होते हैं, जो समय पर रक्त न मिलने के कारण गंभीर परेशानियों का सामना करते हैं। उन्होंने सभी स्वस्थ युवाओं और नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि हर व्यक्ति को साल में कम से कम एक बार रक्तदान जरूर करना चाहिए, ताकि किसी की जिंदगी बचाई जा सके। मोहम्मद सलमान के इस सराहनीय कदम की क्षेत्र में जमकर प्रशंसा हो रही है। लोगों ने इसे समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बताते हुए

कहा कि ऐसे कार्यों से मानवता जिंदा रहती है।

# कैलिफोर्निया में धूमधाम से मनाई गई बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती

## नगीना लोकसभा सांसद चंद्रशेखर आजाद रहे मुख्य अतिथि

दैनिक बुलंद मंज़िल
मौहम्मद फैजान

**धामपुर।** सैन फ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया (संयुक्त राज्य अमेरिका) स्थित पर्ल बैंक्वेट हॉल, हेवर्ड में भीम आर्मी इंटरनेशनल फाउंडेशन एवं आजाद समाज पार्टी (टीम कैलिफोर्निया) के संयुक्त तत्वावधान में परम पूज्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती बड़े हर्षोल्लास, सम्मान और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर बाबा साहेब को नमन करते हुए पुष्पांजलि अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे

भीम आर्मी संस्थापक तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष आजाद समाज पार्टी व नगीना लोकसभा सांसद चंद्रशेखर आजाद ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब का विचार केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि आज यह पूरी दुनिया में सामाजिक न्याय, समानता और संवैधानिक अधिकारों की प्रेरणा बन चुका है। कैलिफोर्निया की अंबेडकरवादी बहुजन बिरादरी ने जिस गरिमा, जोश और प्रतिबद्धता के साथ आयोजन किया, वह अत्यंत सराहनीय रहा। समारोह ने यह संदेश दिया कि दुनिया के किसी भी कोने में रहकर बाबा साहेब के मिशन–समानता, न्याय और स्वतंत्रता–को आगे बढ़ाना ही सच्ची श्रद्धांजलि है।

इस दौरान कैलिफोर्निया के अंबेडकराइट साथियों द्वारा मिले स्नेह, प्यार और सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया गया। साथ ही सामाजिक न्याय, बहुजन अधिकारों तथा भारत के संविधान के मूल्यों पर विस्तार से चर्चा भी हुई।

# गुजरात की सरजमीं पर बिजनौर की बेटी का खूब हुआ गुणगान*

## अपनी सुंदरता से प्रीति ने रच दिया इतिहास, बिजनौर जिले का नाम भी कर दिया रौशन

दैनिक बुलंद मंज़िल /
अरबाज अंसारी

**मंडावर/बिजनौर।** गुजरात के अहमदाबाद स्थित गांधीनगर में हुई मिसेज इंडिया प्रतियोगिता में बिजनौर की बेटी प्रीति ने अन्य राज्यों से आई मिसेज को पटखनी देते हुए मिसेज इंडिया का खिताब अपने सिर पर सजावा लिया। प्रीति राजपूत के मिसेज इंडिया बनने से बिजनौर जिले में खुशी का जश्न है। बिजनौर जिले के मंडावर क्षेत्र गाँव देवीदासवाला की बेटी प्रीति राजपूत पुत्री स्वर्गीय रामेन्द्र राजपूत ने गुजरात के अहमदाबाद के गांधीनगर में आयोजित मिसेज इंडिया प्रतियोगिता में शानदार सफलता हासिल करते हुए मिसेज इंडिया का खिताब अपने नाम करने में जहां सफलता हासिल की तो वहीं प्रीति ने बिजनौर जिले का नाम भी रौशन

कर दिया। आयोजित इस प्रतियोगिता में देशभर के विभिन्न राज्यों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था।प्रतियोगिता के दौरान टैलेंट राउंड, क्वेश्चन-आंसर राउंड और फिटनेस राउंड जैसे कई चरण आयोजित किए गए, जिनमें प्रीति राजपूत ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर निर्णायकों को अपने सिर पर ताज सजवाने पर मजबूर कर दिया।

परों से कुछ नहीं होता- हौसलों से उड़ान होती है प्रीति राजपूत के बेहतरीन आत्मविश्वास, प्रतिभा और व्यक्तित्व के आधार पर उन्हें मिसेज इंडिया के खिताब से सम्मानित किया गया। प्रीति राजपूत की इस बड़ी उपलब्धि से जनपद बिजनौर सहित पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। परिजनों, शुभचिंतकों और क्षेत्रवासियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। इस सम्बंध में प्रीति राजपूत ने एक सवाल के जवाब में कहा कि मंजिलें उसी को मिलती है जिनके ख्वाबों में जान होती है- परों से कुछ नहीं होता हौसलों से उड़ान होती है।

# 507 से घटकर 491 16 गौवंश कहां गए, फीना गौशाला मामले में दो सरकारी रिपोर्टों में बड़ा फर्क, मिलीभगत के आरोपों से मचा हड़कंप

दैनिक बुलंद मंजिल
नागेन्द्र राजपूत

**चांदपुर ।** थाना शिवाला कला क्षेत्र स्थित ग्राम फीना के अजीमुल्ला नगर गौआश्रय स्थल को लेकर अब मामला और गंभीर हो गया है। गौवंशों की दुर्दशा की शिकायत के बाद आई दो अलग-अलग सरकारी रिपोर्टों में पशुओं की संख्या में बड़ा अंतर सामने आने से पूरे प्रकरण पर सवाल खड़े हो गए हैं। दो रिपोर्ट–दो आंकड़े, सच्चाई क्या है आईजीआरएस शिकायत (19 मार्च 2026) के बाद क्षेत्राधिकारी चांदपुर देश दीपक सिंह द्वारा कराई गई जांच में गौशाला में 507 गौवंश बताए गए। वहीं, ठीक एक माह बाद 8 अप्रैल 2026 को पशु चिकित्साधिकारी डॉ. स्वाति सचान द्वारा किए गए निरीक्षण में यही संख्या घटकर 491 गौवंश

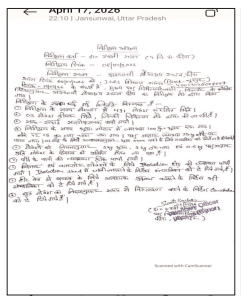

रह गई। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर 16 गौवंश एक महीने में कहां गायब हो गए? क्या इनकी मौत हुई, इन्हें कहीं और शिफ्ट किया गया, या फिर कोई और सच्चाई छिपाई जा रही है घटना 8 मार्च की, रिपोर्ट 8 अप्रैल–देरी पर भी सवाल ग्रामीणों के अनुसार गौशाला की बदहाली की घटना 8 मार्च के आसपास की बताई जा रही है, जबकि विस्तृत निरीक्षण रिपोर्ट 8 अप्रैल को सामने आती है। ऐसे में एक महीने की देरी भी कई सवाल खड़े कर रही है–क्या इस दौरान साक्ष्य बदले गए या हालात सुधारकर रिपोर्ट तैयार की गई मिलीभगत के आरोपों ने बढ़ाई गंभीरता स्थानीय लोगों और शिकायतकर्ता का आरोप है कि पूरे मामले में अधिकारियों की मिलीभगत से सच्चाई दबाने की कोशिश की गई है। उनका कहना है कि पहले गौवंशों की दयनीय हालत थी, लेकिन बाद में जांच से पहले व्यवस्थाएं सुधारकर ह्लसब कुछ ठीकह्व दिखाया गया। शिकायत में गंभीर आरोप–भूख, बीमारी और मौतें शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों में कहा गया था कि गौशाला में पशुओं को पर्याप्त चारा-पानी नहीं मिल रहा, कई गोवंश कुपोषण और बीमारी से जूझ रहे हैं, और कुछ की मौत भी हो चुकी है। इतना ही नहीं, मृत गोवंशों को छिपाने के प्रयास के भी आरोप लगाए गए थे। प्रशासन की रिपोर्ट पर उठे सवाल हालांकि पुलिस और पशुपालन विभाग की रिपोर्ट में स्थिति संतोषजनक बताई गई है, लेकिन दोनों रिपोर्टों में पशुओं की संख्या में अंतर ने प्रशासनिक पारदर्शिता पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। उच्चस्तरीय जांच की मांग तेज अब ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों ने इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच की मांग तेज कर दी है। उनका कहना है कि यदि 16 गौवंशों के गायब होने का स्पष्ट जवाब नहीं मिलता, तो यह गंभीर लापरवाही या किसी बड़े खेल की ओर इशारा करता है। यह मामला अब केवल एक गौशाला तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह सरकारी तंत्र की जवाबदेही और पारदर्शिता की परीक्षा बन गया है। अब सबकी नजर इस बात पर टिकी है कि आखिर इन 16 गौवंशों का सच सामने आता है या नहीं।

# ट्रैक्टर-कार भिड़े, एक गंभीर घायल

दैनिक बुलंद मंजिल

**शाहबाद रामपुर ।** मामला कोतवाली क्षेत्र से जुड़ा है जहां शनिवार देर रात राणा शुगर मिल के पास एक सड़क हादसे में ट्रैक्टर और कार की भीषण टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में कार सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है। मिली जानकारी अनुसार कार में सवार अन्य लोगों को मामूली चोटें आईं। बताते चलें कि जिला बरेली के सिरौली निवासी गुड्डू, राज, सतेंद्र, नीलम, खुशी (4 वर्ष) और भावना (6 वर्ष) एक कार में सवार होकर किसी कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। राणा शुगर मिल के पास पहुंचते ही उनकी कार आगे चल रहे एक ट्रैक्टर से पीछे से टकरा गई।टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार सवार गुड्डू गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की मदद से घायल को सीएचसी शाहबाद पहुंचाया गया।सीएचसी में डॉक्टरों ने घायलों को प्राथमिक उपचार दिया। गुड्डू की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया । सूचना मिलने शाहबाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू कर दी है।

# रामपुर एसपी ने किया निमार्णाधीन रेवड़ी पुलिस चौकी का निरीक्षण

दैनिक बुलंद मंजिल

**रामपुर ।** रविवार को पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीना, रामपुर द्वारा चौकी रेवडी कलां थाना मिलक का आकस्मिक निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान चौकी परिसर में बने आवास, निमार्णाधीन मन्दिर एवं परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन कर संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए । इस दौरान क्षेत्राधिकारी, मिलक मौजूद रहे ।